हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी





सारंग टीम का रोमांचकारी हवाई करतब

छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के गौरवपूर्ण अवसर पर रविवार को नवा रायपुर का आसमान भारतीय वायु सेना के अदम्य शौर्य, साहस, अनुशासन और अद्भुत उड़ान कौशल का साक्षी बना। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय नवा रायपुर के सेंध लेक में आयोजित भारतीय वायु सेना की विश्वप्रसिद्ध सारंग एयरोबेटिक डिस्प्ले टीम के रोमांचकारी हवाई प्रदर्शन की फुल ड्रेस रिहर्सल में शामिल हुए।

कला, संस्कृति, साहित्य, पत्रकारिता
खेल, समाजसेवा का होगा सम्मान

छग की 36 श्रेणियों में विभूतियों को मिलेगा राज्य अलंकरण


शिशिर राय


वरुण सखा


रशिका पाण्डेय


प्रमोद साहू

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित राज्योत्सव में प्रदेश की कला, संस्कृति, साहित्य, पत्रकारिता, खेल, समाजसेवा, शिक्षा, कृषि, लोककला और विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाली विभूतियों को प्रतिष्ठित राज्य अलंकरण सम्मान से सम्मानित किया जाएगा। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने रविवार को पत्रकार वार्ता में राज्य अलंकरण पुरस्कारों की घोषणा की। इस अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली प्रतिभाओं और संस्थाओं के लिए 36 श्रेणियों में राज्य अलंकरण सम्मान घोषित किए गए। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने कहा ▶▶|शेष पेज 6 पर

प्रमोद कुमार साहू को चन्दूलाल चन्द्राकर स्मृति पत्रकारिता पुरस्कार

पत्रकारिता के क्षेत्र में चन्दूलाल चन्द्राकर स्मृति पत्रकारिता पुरस्कार हिन्दी प्रिंट मीडिया के लिए रायपुर के प्रमोद कुमार साहू तथा इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के लिए वरुण सखाजी और रसिका पाण्डेय को संयुक्त रूप से मिलेगा। मधुकर खेर स्मृति पत्रकारिता पुरस्कार शिशिर राय चौधरी और पंडित माधवराव सप्रे राष्ट्रीय रचनात्मकता सम्मान वरिष्ठ पत्रकार एवं लेखक अनंत विजय को प्रदान किया जाएगा।

सामाजिक चेतना और जनसेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान का सम्मान

आदिवासी सामाजिक चेतना एवं उत्थान के लिए शहीद वीरनारायण सिंह स्मृति सम्मान धमतरी के डुमन लाल ध्रुव को, अहिंसा एवं गौरक्षा के लिए यति यतनलाल सम्मान कुम्हारी के विश्व गीता धेनू गोविन्द पक्षी सेवा धाम को तथा महिला उत्थान के लिए मिनीमाता सम्मान गरियाबंद की लोक आस्था सेवा संस्थान (लता नेताम) को मिलेगा। गुरु घासीदास सम्मान कबीरधाम के सुखचंद भास्कर, ठाकुर प्यारेलाल सिंह पुरस्कार बस्तर के धनसिंह बघेल, महाराजा अग्रसेन सम्मान रायगढ़ के बाबूलाल अग्रवाल और पंडित रविशंकर शुक्ल सम्मान बिलासपुर की तेजस्विनी सेवा प्रतिष्ठान को प्रदान किया जाएगा।

संस्कृत भाषा, आदिवासी सेवा और श्रम क्षेत्र में भी सम्मान

खेल के क्षेत्र में गुण्डाधूर सम्मान कोरबा की संजू देवी और महाराजा प्रवीरचंद्र भंजदेव सम्मान बालोद के टोमन कुमार को मिलेगा। कृषि के लिए डॉ. खूबचंद बघेल कृषक रत्न पुरस्कार कबीरधाम के पुन्नी दास भट्ट, आयुर्वेद चिकित्सा के लिए धन्वन्तरि सम्मान धमतरी के डॉ. दिनेश कुमार नाग और मत्स्य पालन के लिए बिलासाबाई केंवट मत्स्य विकास पुरस्कार बालोद के प्रदीप कुमार सोनी को दिया जाएगा। इसके अलावा संस्कृत भाषा के लिए डॉ. बहुरन सिंह पटेल, आदिवासी सेवा के लिए सत्य साईं संजीवनी अस्पताल एवं सी. श्रीनिवास, श्रम के लिए अंतरयामी सामल और अपराध अनुसंधान के लिए रायपुर के उप ▶▶|शेष पेज 6 पर

केंद्रीय मंत्री ने तीन दिवसीय राज्योत्सव का किया शुभारंभ

मांडविया बोले-विकसित छत्तीसगढ़ से विकसित भारत को मिलेगी नई गति

मुख्यमंत्री साय का जनजातीय विरासत खेल और पर्यटन को विकास से जोड़ने पर जोर

छत्तीसगढ़ के 26वें स्थापना दिवस पर रविवार को तीन दिवसीय राज्योत्सव-2026 का भव्य शुभारंभ हुआ। केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल तथा श्रम एवं रोजगार मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने छत्तीसगढ़ महतारी के छायाचित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलित कर समारोह का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा, विकसित छत्तीसगढ़, विकसित भारत के संकल्प को नई गति देगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य में छत्तीसगढ़ की महत्वपूर्ण भूमिका होगी।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

केंद्रीय मंत्री ने कहा, पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने छत्तीसगढ़ राज्य की स्थापना कर प्रदेश के विकास का जो सपना देखा था, वह आज साकार हो रहा है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेश विकास के नए रास्ते पर आगे बढ़ रहा है। विकसित भारत का लक्ष्य केवल सरकार का नहीं, बल्कि देश के 140 करोड़ नागरिकों का सामूहिक संकल्प है। इसके लिए पांच संकल्पों-विकसित भारत का निर्माण, गुलामी की मानसिकता से मुक्ति, विरासत पर गर्व, एकता और एकजुटता तथा नागरिक कर्तव्यों के पालन को आत्मसात ▶▶|शेष पेज 6 पर





बस्तर की बदल रही पहचान, खेल और पर्यटन से खुल रहे अवसर

केंद्रीय मंत्री श्री मांडविया ने कहा, छत्तीसगढ़ की जनजातीय संस्कृति, परंपराएं, प्रकृति के प्रति सम्मान और सामुदायिक जीवन प्रदेश की बड़ी ताकत हैं। कभी बस्तर की पहचान नक्सलवाद के कारण होती थी, लेकिन अब वहां खेल आयोजनों और पर्यटन गतिविधियों से नई संभावनाएं सामने आ रही हैं। प्रदेश के खिलाड़ी राष्ट्रीय और ▶▶|शेष पेज 6 पर

अटल के संकल्प से बना छत्तीसगढ़

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा, वर्ष 1999 के लोकसभा चुनाव के दौरान अटल बिहारी वाजपेयी ने छत्तीसगढ़ की जनता से अलग राज्य बनाने का वादा किया था। जनता ने उन पर ▶▶|शेष पेज 6 पर

सोने का सच्चा भाव

आनंद का सच्चा भाव

18 कैरेट रेट (75.00%) = ₹103780/-

22 कैरेट रेट (91.60%) = ₹126750/-

24 कैरेट रेट (99.99%) = ₹138359/-

Live Rate आनंद ज्वेल्स के मोबाइल ऐप पर चेक करें।

anand Jewels Pandri, Raipur

हरिभूमि में 3 अप्रैल 2022 को प्रकाशित इसी खबर से हिली सट्टा किंग सौरभ चंद्राकर की सल्तनत, कई साल की फरारी के बाद रायपुर में पेशी

टीम हरिभूमि ने खोला सट्टे का राज, तोता बता रहा है रेट दुबई से मिली आईडी, रोजाना 60 से 70 खोखे का खेल

रायपुर- मनोज सिंह/ललित राठौड़, बिलासपुर-विकास पैगे, जगदलपुर-राजेश दास, प्रकाश-संतोष सोनकर, गरियाबंद-मोरेलाल सिन्हा, नारायणपुर-सेतु मरकाम की विशेष रिपोर्ट।

सटोरियों के लिए आईपीएल किसी त्योहार से कम नहीं है। झोपड़ी से लेकर कान्फ्लेक्स तक, अलग-अलग तरीकों से सट्टा खेला और खिलाया जा रहा है। पुलिस रोकने का प्रयास कर रही है लेकिन टेक्नोलॉजी ने उसके भी हाथ बांध दिए हैं। ताकोकाता में पता चला कि छत्तीसगढ़ में

हरिभूमि एक्सक्लूसिव

रायपुर में यहां चल रहा दांव

लाखों में खरीद रहे आईडी

बिलासपुर से जुड़े दिल्ली और दुबई

सटोरिए से हरिभूमि की रिकार्डेड बातचीत

रिपोर्टर- सट्टेबाजी में कितना कमीशन मिलता है

सुकी- पूंजीवादी को हार जीत पर 2 परसेन्ट का कमीशन मिलने लगा है। पूंजी वह खेल लगाने वालों को देता है, इसके पहले इन पूंजीवादी का कमीशन में कारोबारी से होता है।

रिपोर्टर- आईपीएल में सट्टा कैसे चलता है

सुकी- सट्टेबाजों का मोटरकार ग्रुप ही चलाता है। रायपुर, बिलासपुर से लेकर दिल्ली

मिलाई

ऑनलाइन सट्टा बना क्रेज

सट्टे के मुख्यतीन ऑनलाइन सट्टे का कारोबार मिलाई, दुर्ग, रिसाली, राजनांदगांव, उतई, भेंडई, कवर्धा, कुसमी, मोहला मानपुर, चैतमाटी आदि जगहों पर खुले ऑफ लाईन दांव लगा रहे हैं। एक रायपुर का ऑपरेटर

यह है सट्टे की भाषा

- 4 ओवर लिमिट सेशन
- 10 ओवर सेशन
- 20 ओवर लम्बी पारी
- फैंसरेट- मजबूत टीम

गरियाबंद में चल रहा ओपन क्लोज का खेल

गरियाबंद

▶▶|शेष पेज 6 पर

रायपुर की विशेष सीबीआई अदालत में किया जाएगा पेश, मनी लॉन्ड्रिंग और हवाला नेटवर्क की भी जांच

सफेद टोपी में गिरफ्तार चंद्राकर, सीबीआई की विशेष टीम अन्य केंद्रीय एजेंसियों के समन्वय से चंद्राकर को लेकर पहुंची भारत

महादेव सट्टा एप के 'किंगपिन' सौरभ ओमान से प्रत्यर्पित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली/रायपुर

देश के चर्चित महादेव ऑनलाइन सट्टा ऐप मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो को रविवार को बड़ी कामयाबी मिली। इस अवैध ऑनलाइन सट्टेबाजी सिंडिकेट के कथित मुख्य संचालक और प्रमोटर सौरभ चंद्राकर को ओमान से भारत प्रत्यर्पित कर लिया गया है। सीबीआई की विशेष टीम अन्य केंद्रीय एजेंसियों के समन्वय से उसे भारत लेकर पहुंची। भारत पहुंचने के बाद सीबीआई ने उसे औपचारिक रूप से गिरफ्तार कर लिया। अब उसे रायपुर की विशेष सीबीआई अदालत में पेश किया जाएगा।

हरिभूमि खास

सीबीआई अधिकारियों के अनुसार, चंद्राकर की वापसी भारत की जांच एजेंसियों के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर की गई कार्रवाई की महत्वपूर्ण सफलता है। उसके खिलाफ महादेव ऐप के जरिए अवैध ऑनलाइन सट्टेबाजी का नेटवर्क संचालित करने और उससे अर्जित कथित अपराध की कमाई को विभिन्न माध्यमों से विदेश भेजने के आरोप हैं। जांच एजेंसियां इस नेटवर्क के वित्तीय लेनदेन, हवाला ▶▶|शेष पेज 6 पर

करीब 6,000 करोड़ रुपए के अवैध ऑनलाइन सट्टेबाजी सिंडिकेट का संचालन करने का आरोप

सह-संस्थापक रवि उप्पल और विदेश में बैठे अन्य आरोपियों तक पहुंचने की जांच एजेंसियों की कोशिशें तेज



दुबई में 200 करोड़ की शादी से चर्चा में आया था चंद्राकर

सौरभ चंद्राकर का नाम वर्ष 2023 में उस समय राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा में आया था, जब दुबई में उसकी भव्य शादी का मामला सामने आया। ईडी ने आरोप लगाया था कि इस शादी पर लगभग 200 करोड़ रुपये नकद खर्च किए गए। शादी में मेहमानों को निजी विमानों से दुबई ले जाने और बॉलीवुड के कुछ कलाकारों को कार्यक्रम में बुलाने पर भी बड़ी रकम खर्च की गई थी। ईडी के अनुसार, शादी के आयोजन में करीब 37 करोड़ रुपये केवल विमान और मेहमानों के परिवहन पर ▶▶|शेष पेज 6 पर

2018 में खड़ा किया था सट्टेबाजी का नेटवर्क

जांच एजेंसियों के अनुसार, छत्तीसगढ़ के भिलाई निवासी सौरभ चंद्राकर ने रवि उप्पल के साथ मिलकर वर्ष 2018 में महादेव ऑनलाइन बुक नाम से ऑनलाइन सट्टेबाजी का कारोबार शुरू किया था। शुरुआती दौर में छोटे स्तर पर संचालित इस नेटवर्क ने बाद में देशभर में अपना विस्तार किया। आरोप है कि इसके जरिए क्रिकेट, फुटबॉल, टेनिस, बैडमिंटन और अन्य खेलों के अलावा ताश तथा दूसरे ऑनलाइन ▶▶|शेष पेज 6 पर

ओमान में गिरफ्तारी के बाद प्रत्यर्पण की प्रक्रिया

चंद्राकर को ओमान में जून 2026 के शुरुआती दिनों में स्थानीय पुलिस ने इंटरपोल के रेड कॉर्नर नोटिस के आधार पर हिरासत में लिया था। भारतीय एजेंसियों को उसके ओमान में होने की जानकारी मिलने के बाद प्रत्यर्पण ▶▶|शेष पेज 6 पर

6000 करोड़ के कथित सिंडिकेट की जांच

ईडी और अन्य एजेंसियों की जांच में महादेव ऐप से जुड़े करीब 6,000 करोड़ रुपये के कथित वित्तीय सिंडिकेट का उल्लेख सामने आया है। जांच में आरोप लगाया गया है कि सट्टेबाजी से अर्जित रकम को विभिन्न कंपनियों, बैंक खातों और ▶▶|शेष पेज 6 पर

रवि उप्पल और अन्य आरोपियों तक पहुंचने की चुनौती

सौरभ चंद्राकर के भारत लौटने के बाद अब जांच एजेंसियों के सामने उसके सहयोगियों और विदेश में मौजूद अन्य आरोपियों तक पहुंचने की चुनौती है। रवि उप्पल को इस नेटवर्क का सह-संस्थापक और प्रमुख संचालक बताया गया है। भारतीय एजेंसियां लंबे समय से उसकी तलाश कर रही हैं। चंद्राकर से पूछताछ के दौरान सट्टेबाजी पैनलों के संचालन, विदेशी बैंक खातों, हवाला कारोबार, कथित राजनीतिक संरक्षण और संपत्तियों के वास्तविक मालिकाना हक से जुड़े कई सवालों के जवाब मिलने की उम्मीद है। चंद्राकर का प्रत्यर्पण महादेव ऐप मामले की जांच में एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। अब जांच का अगला चरण यह निर्धारित करेगा कि कथित सट्टेबाजी नेटवर्क का वित्तीय और प्रशासनिक ढांचा किस तरह काम करता था और इस पूरे कारोबार में किन-किन लोगों की भूमिका थी।

रिलायंस फाउंडेशन स्थापित करेगा 'नीता मुकेश अंबानी अनंत आश्रय'



नीता मुकेश अंबानी अनंत आश्रय का भूमि पूजन

रिलायंस फाउंडेशन की संस्थापक एवं चेयरपर्सन नीता एम. अंबानी और रिलायंस फाउंडेशन की निदेशक ईशा अंबानी ने मुंबई के निकट कर्जत में प्रस्तावित 'नीता मुकेश अंबानी अनंत आश्रय' के स्थल पर भूमि पूजन और शिलान्यास समारोह संपन्न किया।

करीब 100 एकड़ में विकसित होने वाली इस टाउनशिप में 5,000 लोगों को स्नेहपूर्ण और आजीवन आश्रय प्रदान किया जाएगा। इनमें अनाथ बच्चे, वरिष्ठ नागरिक और विकासात्मक दिव्यांगता से प्रभावित व्यक्ति शामिल होंगे। इस परिसर में विश्वस्तरीय स्वास्थ्य सेवाओं, देखभाल की आधुनिक सुविधाओं और ऐसे अवसरों की व्यवस्था की जाएगी, जो प्रत्येक व्यक्ति को गरिमापूर्ण एवं उद्देश्यपूर्ण जीवन जीने में सक्षम बनाएंगे।

मुंबई, 1 नवंबर, 2026। रिलायंस फाउंडेशन की संस्थापक एवं चेयरपर्सन श्रीमती नीता अंबानी ने आज 'नीता मुकेश अंबानी अनंत आश्रय' की स्थापना की घोषणा की। यह एक अनूठी पहल है, जिसकी परिकल्पना अनाथ बच्चों, वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांग व्यक्तियों को आजीवन घर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से की गई है। यहां उन्हें गरिमा, देखभाल, आराम और उद्देश्यपूर्ण जीवन के साथ-साथ व्यापक स्वास्थ्य सेवाएं तथा व्यक्तिगत विकास के अवसर भी मिलेंगे। श्रीमती नीता अंबानी ने आज मुंबई के निकट करजत में प्रस्तावित परियोजना स्थल पर भूमि पूजन एवं शिलान्यास समारोह संपन्न किया। लगभग 100 एकड़ में फैला 'नीता मुकेश अंबानी अनंत आश्रय' एक स्थायी, गैर-लाभकारी संस्थान के रूप में विकसित किया जाएगा। आवश्यक अनुमतियां मिलने के बाद इसका निर्माण विभिन्न चरणों में किया जाएगा। इस पहल के मूल में श्रीमती नीता अंबानी का यह दृढ़ विश्वास है कि प्रत्येक जीवन गरिमा का हकदार है और हर व्यक्ति को संवेदनशीलता, करुणा तथा देखभाल मिलनी चाहिए। रिलायंस फाउंडेशन के 'वी केयर' यानी 'हम परवाह करते हैं' के दर्शन पर आधारित यह सोच 'नीता मुकेश अंबानी अनंत आश्रय' के रूप में साकार होगी। इसका मूल संदेश है—हर जीवन के लिए एक घर। भूमि पूजन समारोह में रिलायंस फाउंडेशन की संस्थापक एवं चेयरपर्सन श्रीमती नीता अंबानी ने कहा: "मेरे और मेरे परिवार के लिए नीता मुकेश अंबानी अनंत आश्रय की शुरुआत दिल के बेहद करीब है। यह दिव्यांग व्यक्तियों, ऐसे बच्चों जिन्हें घर की जरूरत है, और ऐसे वरिष्ठ नागरिकों के लिए एक स्नेहपूर्ण घर बनाने की दिशा में कदम है, जिन्हें देखभाल और सुकून की तलाश है। हम एक ऐसे समुदाय की कल्पना करते हैं, उन्होंने आगे कहा: "एक मां के रूप में मेरी सबसे बड़ी आशा यह है कि जिन माता-पिता ने अपना पूरा जीवन इस चिंता में बिताया है कि उनके बाद उनके बच्चों की देखभाल कौन करेगा, उन्हें यह जानकर सुकून मिल सके कि उनके बच्चे के पास हमेशा अपना घर और अपना परिवार होगा। यहां विकासात्मक दिव्यांगता वाले व्यक्तियों, अनाथ बच्चों और वरिष्ठ नागरिकों सहित 5,000 से अधिक लोगों को आजीवन आवास उपलब्ध कराने का लक्ष्य है। जहां हर व्यक्ति को एक संतुष्टिपूर्ण और सार्थक जीवन जीने का अवसर मिले।निवासियों के लिए छोटे-छोटे घर बनाए जाएंगे, जहां परिवार जैसी व्यवस्था होगी। इन घरों में उनके साथ समर्पित गृह-अभिभावक और देखभालकर्ता रहेंगे। प्रत्येक घर को आराम, परिचित परिवेश और व्यक्तिगत अपनत्व को ध्यान में रखकर डिजाइन किया जाएगा। निवासियों को अपने कमरों को अपनी पसंद के रंगों, तस्वीरों और प्रिय वस्तुओं से सजाने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा।प्रत्येक निवासी जरूरतों में होने वाले बदलावों के अनुरूप योजना की कम से कम हर छह महीने में समीक्षा की जाएगी, ताकि बचपन से लेकर वृद्धावस्था तक आवश्यक सहायता मिलती रहे। प्रस्तावित टाउनशिप में आठ आवासीय गांव होंगे। प्रत्येक गांव का नाम भारत की किसी पवित्र नदी के नाम पर रखा जाएगा। हर गांव की अपनी विशिष्ट रंग पहचान, प्रतीक और संवेदी उद्यान होगा। इससे निवासियों को अपने आसपास के स्थानों को पहचानने और अधिक आसानी तथा स्वतंत्रता के साथ आने-जाने में मदद मिलेगी।'नीता मुकेश अंबानी अनंत आश्रय' आसपास के समुदाय का भी अभिन्न हिस्सा बनने का प्रयास करेगा। यहां का मंदिर, अस्पताल, खेल सुविधाएं और कैफे आसपास के गांवों के लोगों के लिए भी उपलब्ध कराने की परिकल्पना है। क्षेत्र के लगभग 1,000 लोगों को चिकित्सा एवं पुनर्वास संबंधी थेरेपी, शिक्षा और रोजगार के अवसर मिलने की उम्मीद है। इसके अलावा, हजारों अन्य लोगों को अस्थायी राहत देखभाल, जनसंपर्क कार्यक्रमों और सामुदायिक स्वास्थ्य सेवाओं से लाभ मिलेगा।सभी के लिए व्यापक देखभाल, स्वास्थ्य सेवाएं और अवसर'नीता मुकेश अंबानी अनंत आश्रय' में विशेष स्वास्थ्य सेवाओं, शिक्षा, पुनर्वास, मनोरंजन और सार्थक रोजगार के अवसरों को एक ही संवेदनशील एवं समावेशी वातावरण में उपलब्ध कराने की योजना है। प्रस्तावित प्रमुख सुविधाएं एवं सेवाएं इस प्रकार हैं:परिवार जैसी आवासीय व्यवस्था: ऐसे घर जहां गृह-अभिभावक और समर्पित देखभालकर्ता निवासियों के साथ रहेंगे तथा उन्हें स्थिरता, आराम और व्यक्तिगत जरूरतों के अनुरूप सहायता देंगे।

विशेषीकृत अस्पताल: विकासात्मक चिकित्सा, मिर्गी के उपचार, विशेष जरूरतों वाले लोगों के लिए दंत चिकित्सा, प्रशामक देखभाल और व्यापक चिकित्सा सहायता की सुविधाएं। आधुनिक पुनर्वास केंद्र: फिजियोथेरेपी, ऑक्यूपेशनल थेरेपी, स्पीच थेरेपी और हाइड्रोथेरेपी जैसी सुविधाएं। पशु संग-साथ फार्म: वंतारा की विशेषज्ञता से विकसित किया जाने वाला यह फार्म निवासियों और पशुओं के बीच सार्थक जुड़ाव को बढ़ावा देगा।व्यावसायिक प्रशिक्षण और रोजगार: बेकरी, कैफे और हस्तशिल्प स्टूडियो जैसी सुविधाएं, जहां निवासी कौशल विकसित कर सकेंगे, वेतन अर्जित कर सकेंगे और काम के माध्यम से आत्मसम्मान एवं गरिमा का अनुभव कर सकेंगे।

परिवारों के लिए राहत आवास और मोबाइल चिकित्सा क्लीनिक: आसपास के जिलों के परिवारों और समुदायों तक देखभाल तथा स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने की व्यवस्था होगी।

राष्ट्रीय प्रशिक्षण अकादमी: विशेष प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण के माध्यम से भारत में दिव्यांगजनों की देखभाल करने वाले कार्यबल को मजबूत बनाने के लिए समर्पित अकादमी स्थापित होगा।

विशेष हॉस्पिस विंग और स्मृति उद्यान: जीवन के अंतिम चरण में रहने वाले लोगों को शांतिपूर्ण और गरिमापूर्ण वातावरण में संवेदनशील देखभाल प्रदान करने की सुविधा भी मिलेगी।



100 एकड़ में विकसित होगी टाउनशिप, अनाथ बच्चों, वरिष्ठ नागरिकों एवं विकासात्मक दिव्यांगता वाले व्यक्तियों सहित 5,000 लोगों को मिलेगा आजीवन घर

हर बूथ में मनेगा जनजाति गौरव दिवस, तय की गई रूपरेखा

जनजातीय गौरव दिवस स्वाभिमान, शौर्य और बलिदान का प्रतीक : सिद्धार्थ शंभू

हरिभूमि न्यूज: रायपुर

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश सहप्रभारी सिद्धार्थ शंभू ने आज भाजपा प्रदेश कार्यालय कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में जनजाति गौरव दिवस की तैयारियों को लेकर कार्यशाला में महत्वपूर्ण जानकारी दी। कार्यशाला में 15 नवंबर को भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के अवसर पर प्रदेशभर में होने वाले कार्यक्रमों की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा की गई।

श्री शंभू ने कहा, जनजातीय गौरव दिवस हमारे जनजातीय समाज के स्वाभिमान, शौर्य और बलिदान का प्रतीक है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने का ऐतिहासिक निर्णय लेकर पूरे जनजातीय समाज को सम्मान देने का काम किया है। भाजपा का संकल्प है कि हम भगवान बिरसा मुंडा, शहीद वीरनारायण सिंह सहित सभी जनजातीय नायकों के गौरवशाली इतिहास को घर-घर तक पहुंचाएंगे और आगामी 15 नवंबर को प्रदेश के प्रत्येक बूथ तक इस दिवस को बड़े ही गौरव और उत्साह के साथ मनाएंगे।

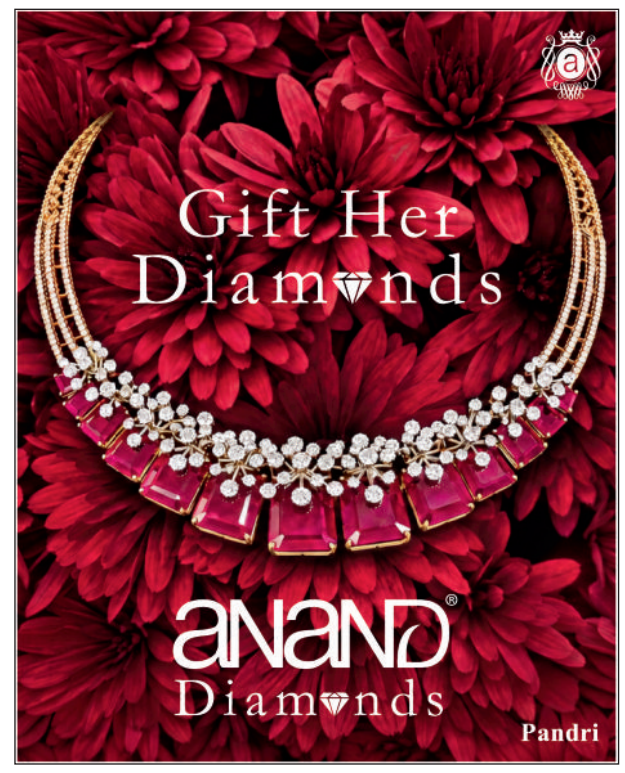
प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह ने कहा, 15 नवंबर भगवान बिरसा मुंडा की जयंती केवल एक तिथि नहीं, बल्कि जनजातीय अस्मिता, स्वाभिमान और राष्ट्रभक्ति का महापर्व है। कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने कहा, छत्तीसगढ़ जनजातीय बाहुल्य प्रदेश है और हमारी सरकार जनजातीय समाज के उत्थान के लिए निरंतर कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में हमारी सरकार जनजातीय क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य और कृषि के क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्य कर रही है और जनजातीय गौरव दिवस के माध्यम से हम उनके योगदान को आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाएंगे। वन एवं सहकारिता मंत्री केदार कश्यप ने कहा, जनजातीय समाज छत्तीसगढ़ की आत्मा है और भगवान बिरसा मुंडा उनके भगवान हैं।

ये रहे शामिल

इस दौरान भाजपा प्रदेश महामंत्री यशवंत जैन, भोजराज नाग, महेश कश्यप, राधेश्याम राठिया, देवेंद्र प्रताप सिंह, विक्रम उसेंडी, लता उसेंडी, नीलकंठ टेकाम, आशाराम नेताम, प्रणव मरपच्ची एवं चैतराम अटामी, रूपसिंह मंडावी, रामसेवक पैंकरा, रूपसाय सलाम, सत्यनारायण सिंह, कमलभान सिंह, सेवक राम नेताम, चंपादेवी पावले, पिंकी शिवराज शाह, सुमित्रा मारकोले, डमरूधर पुजारी सहित भाजपा अजजा मोर्चा के प्रदेश पदाधिकारी, जिला अध्यक्ष एवं महामंत्री उपस्थित रहे।

सुरक्षा की अनदेखी, संकरी गली में खाली मकान में पटाखा फैक्ट्री, पुलिस ने दी दबिश

रायपुर। गोलबाजार पुलिस ने गणेशराम नगर की एक संकरी गली के खाली मकान में अवैध रूप से संचालित पटाखा फैक्ट्री पर रविवार को छापा मारकर छह बड़े काटून पटाखे तथा दो काटून पटाखा बनाने में इस्तेमाल रॉ मटेरियल जब्त कर पटाखा कारोबारी को गिरफ्तार किया है। उसके खिलाफ पुलिस गैर जमानती धाराओं में अपराध दर्ज कर जांच कर रही है।



ऐसे में कैसे नगरोत्थान, 913 करोड़ मंजूर, 500 करोड़ निकाले खजाने से, 209 ही खर्च, अब दो माह की मोहलत

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

छत्तीसगढ़ के शहरी इलाकों की सूरत चमकाने के लिए राज्य सरकार ने एक महत्वाकांक्षी योजना चला रखी है। इसे मुख्यमंत्री नगरोत्थान योजना नाम दिया गया है। यह योजना करीब सालभर से चल रही है, योजना के लिए 1,193.65 करोड़ का प्रावधान है। इसके तहत 193 कार्य प्रस्तावित किए गए थे, जिनमें से 164 कार्यों को 913.14 करोड़ की प्रशासनिक स्वीकृति जारी की गई है। इन कार्यों के लिए अब तक 500 करोड़ रुपए का आहरण किया जा चुका है, लेकिन वास्तविक व्यय केवल 209.67 करोड़ दर्ज किया गया है, यानी आहरित राशि और खर्च के बीच बड़ा अंतर है।

यह तथ्य किसी शिकायत और आरोप के रूप में नहीं, बल्कि सरकार की एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में सामने आया है। इससे पता लगता है कि राज्य के शहरों की सूरत सुधारने के लिए राज्य शासन कोशिश में है, लेकिन जिन निकायों का काम योजना को धरातल पर उतारना है, उनका ही कामकाज ढीला है। यही नहीं, राशि मंजूर होने, खजाने से निकाले जाने के बाद भी अगर काम शुरू नहीं हो पा रहे हैं तो जाहिर है कि कार्यप्रणाली पर सवाल है।

बैठक में इस अंतर पर भी सवाल उठाए गए। अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि आहरित 500 करोड़ में से कितनी राशि वास्तव में खर्च हुई, कितनी राशि अलग-अलग नगरीय निकायों के खातों में उपलब्ध है और उस पर कितना ब्याज अर्जित हुआ है, इसका पूरा ब्योरा अगली समीक्षा बैठक में प्रस्तुत किया जाए। पिछले वित्तीय वर्ष में योजना की राशि समर्पित होने और उपयोगिता प्रमाणपत्र लंबित रहने की स्थिति की भी समीक्षा करने को कहा गया। मुख्यमंत्री नगरोत्थान योजना के क्रियान्वयन में सबसे बड़ी खामी ये सामने आई है कि मंजूर हुए 87 कार्य अब तक शुरू नहीं हुए हैं। इस मामले को लेकर निकायवार कारणों की समीक्षा करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही नगर निगमों द्वारा विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन प्रस्तुत करने में हो रही देरी दूर करने के लिए समय-सीमा तय करने को कहा गया है। इसके अलावा शेष 29 कार्यों की प्रशासनिक स्वीकृति भी जारी करने का लक्ष्य रखा गया है।

मुख्यमंत्री नगरोत्थान योजना के 87 काम अब तक शुरू नहीं, सभी नगर निगमों के लिए सालभर में 193 कार्य थे प्रस्तावित

पिछले साल दिसंबर से शुरू हुई योजना

मुख्यमंत्री नगरोत्थान योजना वित्तीय वर्ष 2025-26 में शुरू की गई थी, यानी यह 2025-26 से चल रही योजना है। राज्य सरकार ने 1 दिसंबर 2025 को इसकी जानकारी देते हुए बताया था कि पहले चरण में इसे प्रदेश के सभी 14 नगर निगमों में लागू किया गया है। 1 दिसंबर 2025 की सरकारी जानकारी के अनुसार, 14 नगर निगमों में से 13 में 26 कार्यों के लिए 429.45 करोड़ स्वीकृत किए गए थे। इनमें रायपुर, रायगढ़, बिलासपुर और धमतरी के कार्यों का राशि सहित उल्लेख भी है।

खबर संक्षेप

नक्सली अंदाज में डुप्लीकेट संसद लगाकर कुण्ठा का प्रदर्शन कर रहा विपक्ष

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के मुख्य प्रदेश प्रवक्ता एवं सांसद संतोष पाण्डेय ने कहा, सदन में विपक्ष के पास न कोई ठोस तर्क होता है और न ही वे चर्चा में भाग लेते हैं। वे बहस छोड़कर भाग खड़े होते हैं और बाहर आकर संसद की गरिमा का माखौल उड़ाते हैं। डुप्लीकेट राजनीति करने वाले ठीक नक्सली अंदाज में डुप्लीकेट संसद लगाकर अपनी कुण्ठा का प्रदर्शन कर रहे हैं श्री पाण्डेय ने कहा, पूर्ववर्ती दौर में बस्तर में जनताना सरकार और बंदूक के बल पर समानांतर सत्ता चलाने वालों को प्रश्रय दिया गया, जिसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ठीक ही अर्बन, दिमागी नक्सल कहा है। श्री पाण्डेय ने कहा, छत्तीसगढ़ की सवा तीन करोड़ जनता भली-भांति जानती है कि उनके अधिकारों पर डाका किसने डाला था। पिछले 5 वर्षों में भूपेश बघेल के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार ने कोल लेवी, शराब, पीएससी और डीएमएफ घोटालों के जरिए गरीबों, युवाओं और आदिवासियों का हक लूटा। आज जब भाजपा सरकार 'महतारी वंदन योजना' के तहत हर माह माताओं-बहनों के खातों में राशि भेज रही है, 3100 रुपए प्रति क्विंटल की दर से रिकॉर्ड धान खरीदी कर रही है और युवाओं को पारदर्शी रोजगार दे रही है तो कांग्रेस के पास कोई ठोस मुद्दा नहीं बचा है।

साव बोले- कांग्रेस को राज्योत्सव से नहीं, एक परिवार के उत्सव से मतलब

रायपुर। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा, कांग्रेस को छत्तीसगढ़ के राज्योत्सव से कोई लेना-देना नहीं है, उन्हें तो सिर्फ एक परिवार के उत्सव से मतलब है। जब छत्तीसगढ़ की जनता राज्य स्थापना दिवस का उत्सव मना रही है, तब कांग्रेस दिल्ली में एक परिवार को बचाने के लिए रैली निकाल रही है। इससे स्पष्ट होता है कि कांग्रेस के लिए गांधी परिवार ही सर्वोपरि है, देश और प्रदेश नहीं। श्री साव ने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आज देश ने वैश्विक स्तर पर अपनी अलग पहचान बनाई है। पूरी दुनिया जब युद्ध की विभीषिका से गुजर रही है, तब भारत तेजी से विकसित देश की ओर अग्रसर हो रहा है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत दुनिया की 5 बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हुआ है, जो पहले 10 बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में भी नहीं था। श्री साव ने कहा, कांग्रेस पार्टी की आदत बन गई है कि वह हमेशा संवैधानिक संस्थाओं पर झूठे और बेबुनियाद आरोप लगाती रहती है। चाहे चुनाव आयोग हो, ईडी हो, सीबीआई हो या न्यायपालिका, जब भी कांग्रेस के खिलाफ फैसले आते हैं तो वह सभी संस्थाओं को कठघरे में खड़ा कर देती है। लोकतंत्र पर खतरा कांग्रेस की हार से नहीं, बल्कि कांग्रेस की सोच से है।

छापे में पकड़ा गया 4 हजार किलो, आशंका इससे ज्यादा की कुंदा वाली मिठाई बाजार में

हृदय रोग का कारण बन सकता है मिलावटी कुंदा त्योहार में थोक में खपेगी इससे बनी मिठाई

चिकित्सकों का तर्क- गुणवत्ता चिंता का विषय, वसा, पॉम ऑयल स्टार्च से जोखिम ज्यादा

हरिभूमि न्यूज: रायपुर

दो सौ रुपए में आसानी से मिलने वाले कुंदा से बनी 6 सौ रुपए किलो की मिठाई हृदय रोग का कारण बन सकती है। इसमें मिली वसा, पॉम ऑयल, स्टार्च का ज्यादा उपयोग अन्य बीमारियों का कारण भी हो सकता है। खाद्य एवं औषधि प्रशासन की टीम ने शनिवार को छापेमारी के दौरान करीब 4 हजार किलो कुंदा पकड़ा है, मगर मुनाफे के चक्कर में इस दिवाली काफी मात्रा में कुंदा से बनी मिठाई बिकने की आशंका है।

जानकारों के मुताबिक, दूध से बनने वाला खोवा काफी महंगा पड़ता है। जबकि मिल्क पावडर, पॉम ऑयल जैसे खाद्य पदार्थों के उपयोग से कुंदा केवल 2 सौ रुपए किलो में आसानी से बन जाता है। इस दिवाली इससे बनने वाली कई तरह की मिठाई भारी मात्रा में खपाए जाने की आशंका है। शनिवार को खाद्य एवं औषधि प्रशासन की टीम ने एक संस्थान से करीब 4 हजार किलो कुंदा जब्त किया। दिवाली में गिनती के दिन बाकी हैं, इसलिए इससे तैयार होने वाली ज्यादातर मिठाई बिकने के लिए बाजार तक पहुंच गई है। चिकित्सकों की मानें तो एनालॉग पनीर की तरह कुंदा का ज्यादा उपयोग सेहत के लिए नुकसानकारी हो सकता है। चिकित्सकों का कहना है कि इसे बनाने अधिक स्टार्च का उपयोग होता है, जो पोषण गुणवत्ता को प्रभावित करने के लिए काफी होता है। इसमें दूध के बजाय मिल्क पावडर, पाम ऑयल आदि का उपयोग किया जाता है। इससे हृदय से संबंधित रोगों का जोखिम बढ़ जाता है। इसके अलावा पेट से संबंधित समस्या होने का खतरा भी बना रहता है।

खाद्य एवं औषधि प्रशासन की टीम त्योहार के पहले



धड़ाधड़ छापेमारी कर खाद्य पदार्थों के सैंपल लेकर इसे जांच के लिए एकमात्र लैब की ओर रवाना कर रही है। सीमित संसाधन वाले लैब में जांच की सुविधा सीमित है, इसलिए ज्यादातर नमूनों की रिपोर्ट त्योहार के बाद आने की संभावना है। राज्य में इंटीग्रेटेड लैब बनाने की योजना तो है, मगर इसके तैयार होने में काफी वक्त है। अभी मौजूदा लैब में सभी तरह की जांच भी नहीं हो पाती है। खाद्य सुरक्षा अधिकारियों के मुताबिक, कुंदा बनाना अथवा बिक्री करना प्रतिबंधित नहीं है। सामान्य फूड लायसेंस के आधार पर इसका निर्माण और बिक्री की जा सकती है। पैकिंग में बिक्री के दौरान उसमें मिश्रित वस्तुओं का नाम और मात्रा का उल्लेख किया जाना आवश्यक है। कुंदा की बिक्री खुले रूप में की जाती है। शनिवार को इसकी जब्ती संदेह के आधार पर की गई है। जांच में अगर अमानक मिलता है तो आवश्यकता अनुसार कार्रवाई की जाएगी।

नियमित जांच की आवश्यकता

खोवा की जगह व्यावसायिक कुंदा का इस्तेमाल, खाद्य गुणवत्ता को लेकर चिंता का विषय है। इसमें यदि दूध के बजाय वनस्पति वसा, पॉम ऑयल या अधिक स्टार्च का उपयोग होता है तो पोषण गुणवत्ता प्रभावित हो सकती है। ट्रांस फैट एवं अधिक संतृप्त वसा हृदय रोगों का जोखिम बढ़ा सकते हैं। खाद्य विभाग को ऐसे उत्पादों की नियमित जांच करनी चाहिए।

- डॉ. योगेंद्र मल्होत्रा, प्रोफेसर, मेडिसिन विभाग, आंबेडकर अस्पताल

60 हजार वाटर मीटर बने शोपीस मेंटेनेंस की मियाद भी खत्म

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

रायपुर शहर में पानी की खपत के आधार जल शुल्क वसूली करने का फार्मूला टांय-टांय फिस्स हो गया है। 3 साल पहले अमृत मिशन में शहर भर के 70 हजार पुराने नल कनेक्शन अपडेट किए गए। इसमें से 60 हजार कनेक्शन में ही वाटर मीटर लग पाए, बाकी के 10 हजार कनेक्शन में वाटर मीटर नहीं लगे। जिन 60 हजार घरेलू उपभोक्ताओं के घर वाटर मीटर लगाए गए, वहां भी वाटर मीटर की रीडिंग अब तक शुरू नहीं हो पाई है। इसके चलते लाखों रुपए खर्च कर लोगों के घरों में लगाए गए वाटर मीटर केवल शोपीस बनकर रह गए। साथ ही अनुबंधित एजेंसी द्वारा वाटर मीटर के मरम्मत की एक साल की मियाद भी खत्म हो गई है।

- अभी भी घरेलू उपभोक्ताओं लिया जा रहा 2400 रुपए प्रतिवर्ष जल शुल्क

दरअसल रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड द्वारा पॉयलट प्रोजेक्ट के तहत स्मार्ट सिटी के एबीडी एरिया में शामिल शहर के 14 वार्डों में 24 घंटे जल आपूर्ति की योजना के तहत मोतीबाग की पानी टंकी और गंज पानी टंकी को कमांड सेंटर मानकर नई पाइपलाइन बिछाकर 20 हजार घरों में अनुबंधित एजेंसी द्वारा आधुनिक स्वचालित वाटर मीटर लगाए गए, पर इनमें से एक भी घर में लगाए गए वाटर मीटर की रीडिंग शुरू नहीं हो पाई, जिसके चलते पानी की खपत के आधार पर जल शुल्क वसूलने का सिस्टम अधर में है।

अमृत मिशन के तहत लगवाए 60 हजार वाटर मीटर

नगर निगम द्वारा तीन साल पहले अमृत मिशन के तहत शहर के 70 हजार नल कनेक्शन अपडेट कर पानी की खपत के आधार पर जल शुल्क वसूली के लिए 60 हजार कनेक्शन में लोगों से निर्धारित शुल्क लेकर अनुबंधित एजेंसी के माध्यम से वाटर मीटर लगाए गए। तब लोगों से ये कहा गया कि वाटर मीटर लगाने से जल आपूर्ति के सिस्टम में पारदर्शिता आएगी, अवैध नल कनेक्शन की पहचान हो सकेगी। वाटर मीटर रीडिंग के हिसाब से लोगों को पानी की खपत के हिसाब से जल शुल्क लिया जाएगा। विडंबना ये है कि सालों से लगाए गए हजारों वाटर मीटर के कलपुर्जों में जंग लगने लगा है। कुछ इलाके ऐसे हैं, जहां घरों के सामने लगाए गए वाटर मीटर चोरी हो गए, घरों के बाहर केवल खाली डिब्बा लटक रहा है। भुक्तभोगियों ने इसकी शिकायत संबंधित जोन कमिश्नरी और निगम मुख्यालय में भी की। इसके बावजूद विभागीय अधिकारी दोबारा लोगों के घरों में लगाए वाटर मीटर की वस्तुस्थिति देखने नहीं आए।

घरेलू और व्यावसायिक उपभोक्ताओं से प्रतिमाह इतना जल शुल्क

नगर निगम का जल विभाग शहर के घरेलू कनेक्शन वाले सामान्य उपभोक्ताओं से प्रतिमाह 200 रुपए यानी साल में 2400 रुपए और व्यावसायिक कनेक्शन लेने वाले उपभोक्ताओं से प्रतिमाह 500 से 800 रुपए यानी साल में 6,000 से 9,600 रुपए संबंधित उपभोक्ता के संपत्ति कर की राशि में जलकर शुल्क के रूप में जोड़कर लेता है। जबकि वाटर मीटर लगाने के बाद नई व्यवस्था में नगर निगम प्रशासन को शहरभर में वाटर टैरिफ सिस्टम लागू करते हुए पानी के खपत के आधार पर उपभोक्ताओं से जल शुल्क लेना है। निगम आयुक्त संबित मिश्रा के निर्देश पर रायपुर स्मार्ट सिटी के अधिकारियों ने हाल ही में मोतीबाग पानी टंकी से कनेक्ट सदरबाजार इलाके में 3,300 लोगों के घरों में लगाए गए स्वचालित वाटर मीटर से जल की खपत की रीडिंग कर डॉटा तैयार किया। रीडिंग डाटा के अनुसार एक साल में करीब 1700 से 1800 रुपए घरेलू मीटर से बिल आया, जो कि नगर निगम द्वारा वर्तमान में लिए जा रहे 2400 रुपए के सालाना जल शुल्क के अपेक्षाकृत कम है। सूत्रों के मुताबिक, वाटर मीटर रीडिंग के हिसाब से जल की खपत आधार पर टैरिफ सिस्टम से जल शुल्क वसूलने संबंधी प्रस्ताव को एमआईसी में स्वीकृति का इंतजार है।

छत्तीसगढ़ के पारंपरिक तकनीकी ज्ञान और धातु कला का अध्ययन करेगा रविवि, खर्च होंगे एक करोड़

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

रायपुर। पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय छग की समृद्ध धातु कला, पुरातात्त्विक विरासत और पारंपरिक तकनीकी ज्ञान का वैज्ञानिक अध्ययन करेगा। विवि के अनुसार, छत्तीसगढ़ का इतिहास केवल स्थापत्य, मूर्तिकला और पुरातात्त्विक स्थलों तक सीमित नहीं है, बल्कि यहां विकसित हुई धातु कला और धातु शिल्प परंपरा भी क्षेत्र की सांस्कृतिक पहचान का महत्वपूर्ण हिस्सा रही है। राज्य के विभिन्न पुरातात्त्विक स्थलों से धातु निर्मित प्रतिमाएं, कलाकृतियां और अन्य अवशेष प्राप्त हुए हैं, जो यहां के प्राचीन समाज की तकनीकी दक्षता, कलात्मक दृष्टि और सांस्कृतिक जीवन के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान करते हैं।

तीन वर्षों में रविवि को पूर्ण करना होगा शोध, केंद्र से मिलेगी मदद

विवि अध्ययनशाला के प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्त्व अध्ययन शाला के एसोसिएट प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष डॉ.नितेश मिश्र को भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग की श्री योजना के अंतर्गत पर 1.28 करोड़ का शोध प्रोजेक्ट स्वीकृत हुआ है। यह परियोजना तीन वर्षों की अवधि के लिए है। विश्वविद्यालय में व्यक्तिगत शोध की श्रेणी में यह अब तक का सबसे बड़ा शोध प्रोजेक्ट है। परियोजना के अंतर्गत जनजातीय समाज द्वारा निर्मित धातु कलाकृतियों एवं उनसे जुड़ी पारंपरिक तकनीकों का भी अध्ययन किया जाएगा।

प्रस्तावित शोध परियोजना के अंतर्गत इन धातु कलाकृतियों का अध्ययन केवल कला-ऐतिहासिक दृष्टि से नहीं किया जाएगा, बल्कि उनके वैज्ञानिक एवं तकनीकी पक्षों को भी समझने का प्रयास किया जाएगा। इसके माध्यम से यह जानने का प्रयास होगा कि प्राचीन काल में छत्तीसगढ़ के शिल्पकार किन धातुओं का उपयोग करते थे, धातुओं को किस प्रकार संसाधित किया जाता था, वस्तुओं एवं प्रतिमाओं के निर्माण में कौन-सी तकनीकों का प्रयोग किया जाता था तथा तत्कालीन धातुकर्मी तकनीकी रूप से कितने दक्ष थे। छत्तीसगढ़ के महत्वपूर्ण पुरातात्त्विक स्थलों सिरपुर, मल्हार सहित विभिन्न स्थलों से प्राप्त धातु निर्मित प्रतिमाएं और अन्य कलाकृतियां इस शोध के लिए महत्वपूर्ण स्रोत होंगी। इन कलाकृतियों के अध्ययन के माध्यम से उनके निर्माण की तकनीक, प्रयुक्त धातु, मिश्रधातु, निर्माण प्रक्रिया तथा तकनीकी विशेषताओं को समझने का प्रयास किया जाएगा।

तकनीकीक विवि ने समाप्त किया एन-4 नियम, पुराने विद्यार्थियों को अब ईयर बैक नहीं

2005 से 2011 तक अपनाई गई थी एन-4 व्यवस्था, 2015 में पुनः किया गया लागू

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

छत्तीसगढ़ स्वामी विवेकानंद तकनीकी विश्वविद्यालय ने अपने पुराने विद्यार्थियों को बड़ी राहत देते हुए एन-4 (एन माइनस फोर) नियम को पूरी तरह समाप्त करने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। विश्वविद्यालय की कार्यपरिषद की बैठक में लिए गए इस फैसले से इंजीनियरिंग, फार्मेसी सहित तमाम तकनीकी पाठ्यक्रमों के पुराने विद्यार्थियों को ईयर बैक और डिटेन होने की समस्या से राहत मिलेगी। इस बड़े निर्णय के बाद हजारों विद्यार्थियों का साल बर्बाद नहीं होगा और उनका शैक्षणिक भविष्य सुरक्षित रहेगा। विवि के मुताबिक, एआईसीटीई के पाठ्यक्रम से पढ़ाई कर

डिटेन विद्यार्थियों की संख्या में हो रही वृद्धि को देखते हुए फैसला

रहे पुराने छात्रों के लिए एन-4 समाप्त कर दिया गया है, जिससे अब उनका ईयर बैक नहीं लगेगा और आगे बढ़ने का रास्ता नहीं रुकेगा। विश्वविद्यालय में एन-4 नियम को लेकर लंबे समय से असमंजस की स्थिति बनी हुई थी। तकनीकी विश्वविद्यालय में एन-4 नियम वर्ष 2005 से 2011 तक अपनाया गया। इसके बाद नियमों को लचीला बनाने के उद्देश्य से वर्ष 2011 में संशोधन किया गया, जिसके तहत प्रथम सेमेस्टर में कम से कम तीन विषयों में पास होना अनिवार्य कर दिया गया। शेष विषयों में बैक आने पर भी छात्रों को आगे बढ़ने की अनुमति मिलती थी और उन्हें डिटेन नहीं किया जाता था। इस कारण पांचवें सेमेस्टर तक पहुंचते-पहुंचते छात्रों के कई विषय बैकलॉग में जमा हो जाते थे। शैक्षणिक स्तर में सुधार और इंजीनियरिंग की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए विश्वविद्यालय ने वर्ष 2015 में एन-4 नियम को दोबारा लागू कर दिया था। विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा यह फैसला केंद्र सरकार की आगामी नीतियों को ध्यान में रखकर लिया गया है। दरअसल केंद्र सरकार ऑल इंडिया काउंसिल फॉर टेक्निकल एजूकेशन (एआईसीटीई) को बंद करके एक एकल नियामक एजेंसी तैयार करने जा रही है। आगामी एक से दो वर्षों में यह नई व्यवस्था लागू हो सकती है। ऐसी स्थिति में विवि में एआईसीटीई के पुराने नियमों के तहत अध्ययनरत छात्रों की नियामक व्यवस्था प्रभावित होने की आशंका थी। इसके साथ ही पुरानी नियामक व्यवस्था और राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अलग-अलग नियमों के कारण पूरी व्यवस्था काफी बोझिल और जटिल हो रही थी। इसी वजह से कार्यपरिषद ने पुराने विद्यार्थियों को एन-4 नियम से राहत देने का निर्णय लिया। हालांकि यह नियम राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत प्रवेश लेने वाले नए विद्यार्थियों पर लागू नहीं होगा और उनके लिए व्यवस्था यथावत बनी रहेगी।

एन-4 नियम की शर्तों के अनुसार पांचवें सेमेस्टर में प्रवेश पाने के लिए छात्र का प्रथम सेमेस्टर पूरी तरह ऑल क्लियर होना अनिवार्य था। एक भी विषय में बैक होने पर उसे डिटेन कर दिया जाता था और एक साल पीछे कर दिया जाता था। यही प्रक्रिया छठवें सेमेस्टर में भी लागू होती थी, जहां जब तक दूसरे सेमेस्टर के सभी विषय पास नहीं होते थे, तब तक छठवें सेमेस्टर में प्रवेश नहीं मिलता था। छात्र को अपने जूनियर साथियों के साथ दोबारा पढ़ाई करनी पड़ती थी।

शिक्षा विशेषज्ञों के अनुसार, इस नियम से छात्र शुरुआती दो वर्षों में कड़ी मेहनत करके पढ़ते थे ताकि तीसरे साल में प्रवेश मिल सके और उनका परिणाम भी बेहतर रहता था।

बिलासपुर

सोमवार 2 नवंबर 2026

कार्तिक कृष्ण पक्ष अष्टमी

वर्ष : 26, अंक : 223

पृष्ठ : 10+8 = 18 मूल्य : 4 .00***

मौसम

अधि. 32.6

न्यून. 24.1

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

केंद्रीय मंत्री मांडविया ने शुरु की ईपीएफओ की नई सुविधा

अब व्हाट्सएप पर चेक करें पीएफ का हिसाब

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री मनसुख मांडविया ने रविवार को कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) की सेवाओं को व्हाट्सऐप के जरिये उपलब्ध कराने की शुरुआत की मंत्रालय के बयान के अनुसार, इस सुविधा के तहत कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ) के अंशधारक ईपीएफओ की सत्यापित व्हाट्सऐप सेवा के जरिये अपने पीएफ खाते में जमा राशि, पिछले पांच लेनदेन और पासबुक का ब्योरा देख सकेंगे। इसके अलावा, उन्हें व्यक्तिगत मार्गदर्शन भी मिलेगा और प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना (पीएमवीबीआरवाई) ⏭शेष पेज 6 पर



दो बड़ी पहल

1. वॉट्सएप सर्विसेज का शुभारंभ
2. बंद या डिएक्टिव ईपीएफ खातों का ऑटोमैटिक सेटलमेंट

छग में 2027 में 241 दिन होगा सरकारी कामकाज, 124 दिन छुट्टी, अफसर-कर्मियों की रहेगी मौज

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ के सरकारी अफसरों और कर्मियों खासकर वे, जो दफ्तरों में बैठकर काम करते हैं, उनके लिए नया साल 2027 मौज वाला होने जा रहा है। दरअसल, साल के 365 दिनों में कुल मिलकर उन्हें 124 दिन छुट्टी मिलेगी। इसमें घोषित सामान्य अवकाश के साथ शनिवार और रविवार की छुट्टियां शामिल हैं। अगर इन्ही शासकीय सेवकों ने अलग ⏭शेष पेज 6 पर

खास खबर

ये है अवकाश का हिसाब

सामान्य प्रशासन विभाग के अनुसार, वर्ष 2027 के लिए राज्य के सभी शासकीय कार्यालयों और संस्थाओं में सामान्य अवकाश घोषित किए गए हैं। इनकी संख्या 25 है। हालांकि, सभी 25 छुट्टियों को कार्यदिवसों से घटाने पर वास्तविक स्थिति स्पष्ट नहीं होगी, क्योंकि इनमें से कुछ शनिवार को पड़ रही हैं। शनिवार और रविवार को नियमित अवकाश मानने पर साल के 365 दिनों में 104 दिन सप्ताहांत के कारण कार्यालय बंद रहेंगे। हालांकि इस अवधि में आवश्यक सेवा वाले और फील्ड के आवश्यक काम जारी रहेंगे।



241 दिन होगा कामकाज

वर्ष 2027 में कुल 261 दिन सोमवार से शुक्रवार के बीच पड़ेंगे। सामान्य अवकाश की सूची में शामिल पांच छुट्टियां शनिवार को पड़ रही हैं, इस कारण 25 घोषित सामान्य अवकाशों में से 20 छुट्टियां ही नियमित कार्य दिवसों को प्रभावित करेंगी। इस तरह 261 कार्यदिवसों में से 20 दिन घटाने पर सरकारी कार्यालयों में कामकाज के लिए 241 दिन बचेंगे।

ऐच्छिक अवकाश सामान्य छुट्टियों से अलग

राज्य सरकार ने सामान्य अवकाश के अलावा ऐच्छिक अवकाश की सूची भी जारी की है। इस सूची में विभिन्न धार्मिक, सामाजिक और सांस्कृतिक अवसरों से संबंधित 51 छुट्टियां शामिल हैं। सरकार के अनुसार, प्रत्येक शासकीय सेवक इन ऐच्छिक अवकाशों में से अपनी इच्छानुसार अधिकतम तीन अवकाश ले सकता है, इसलिए इन सभी छुट्टियों को राज्य के सभी सरकारी कार्यालयों के लिए अनिवार्य अवकाश मानकर गणना नहीं की जा सकती। यही नहीं कुछ ऐसे अवसरों का भी उल्लेख है, जिन पर रविवार पड़ने के कारण अलग से सार्वजनिक अवकाश घोषित नहीं किया गया है। इनमें स्वतंत्रता दिवस, ईद-ए-मिलाद, दशहरा (विजयादशमी) और गुरु नानक जयंती शामिल हैं। इस प्रकार, पांच दिवसीय कार्य सप्ताह और घोषित सामान्य अवकाशों के आधार पर ⏭शेष पेज 6 पर

'वोट बचाओ, देश बचाओ महारैली' में विपक्ष ने दिखाई एकजुटता

इंडिया गठबंधन की महारैली में गरजे राहुल कहा-ज्ञानेश पद से हटेंगे और जाएंगे जेल

शिशिर सोनी ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली के रामलीला मैदान में इंडिया गठबंधन की 'वोट बचाओ, देश बचाओ महारैली' में रविवार को 20 से अधिक दलों ने एकजुटता दिखाई। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने केंद्र सरकार और चुनाव आयोग पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा, देशद्रोह के लिए ज्ञानेश कुमार अपने पद से हटेंगे और जेल जाएंगे।

दिल्ली के ऐतिहासिक रामलीला मैदान में आयोजित इस रैली में विपक्षी नेताओं ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग करते हुए मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण और चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता पर गंभीर सवाल उठाए। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, सोनिया गांधी, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, आरजेडी नेता तेजस्वी यादव, जम्मू-कश्मीर के नेता फारूक अब्दुल्ला और महबूबा मुफ्ती समेत कई विपक्षी नेता इसमें शामिल हुए।

रैली का राजनीतिक संदेश केवल चुनाव आयोग के खिलाफ विरोध तक सीमित नहीं रहा। विपक्ष ने इसे लोकतंत्र, संविधान और नागरिकों के मताधिकार की रक्षा का साझा आंदोलन बताते हुए देशव्यापी संघर्ष का आह्वान किया। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने अपने संबोधन में चुनावी प्रक्रिया में कथित गड़बड़ियों का मुद्दा उठाते हुए आरोप लगाया कि देश में लंबे समय से वोट चोरी हो रही है। उन्होंने मध्य प्रदेश, हरियाणा, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र और कर्नाटक के चुनावों के साथ 2024 के लोकसभा चुनाव का भी उल्लेख किया। राहुल ने आरोप लगाया कि ईवीएम और मतदाता सूचियों में नाम जोड़ने तथा हटाने के जरिए चुनावी नतीजों को प्रभावित किया गया। राहुल गांधी ने ⏭शेष पेज 6 पर



- रामलीला मैदान में जुटे इंडिया गठबंधन के दिग्गज नेता, सोनिया गांधी, खड़गे, राहुल, अखिलेश और ममता ने साझा मंच से उठाए सवाल
- राहुल का आरोप- लोकसभा चुनाव 2024 समेत कई चुनावों में हुई वोट चोरी, मतदाता सूची में नाम जोड़ने और हटाने से प्रभावित हुआ जनादेश
- खड़गे बोले- ज्ञानेश कुमार के पद पर रहते जारी रहेगी लड़ाई, ममता ने कहा- बंगाल से दिल्ली तक लोकतंत्र बचाने का संघर्ष



अखिलेश ने यूपी की राजनीति को जोड़ा 2027 में भाजपा की विदाई का दावा

समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने रैली को उत्तर प्रदेश की आगामी राजनीति से जोड़ते हुए भाजपा पर निशाना साधा। उन्होंने रामलीला मैदान को लोकतंत्र का हल्दीघाटी बताते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश की जनता ने केंद्र में भाजपा को सत्ता तक पहुंचाया है और वही जनता उसे सत्ता से बाहर भी करेगी। अखिलेश ने मतदाता सूची से नाम हटाए जाने के मुद्दे पर भाजपा को घेरते हुए कहा कि अब भाजपा को भी अपने समर्थकों के नाम कटने की चिंता होने लगी है।

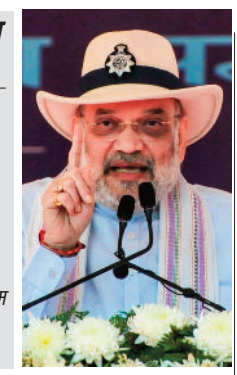
खड़गे का ऐलान, ज्ञानेश कुमार के जाने तक जारी रहेगी लड़ाई

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर महिलाओं, युवाओं और दलितों के वोट प्रभावित करने की कोशिश का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि देश में मतदाता तय करें कि उनका प्रतिनिधि कौन होगा, न कि सत्ता में बैठे लोग अपनी पसंद के मतदाता चुनें। खड़गे ने कहा कि यह ऐतिहासिक जनसभा लोकतंत्र की रक्षा के लिए आयोजित की गई है। जब तक मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पद पर बने रहेंगे, विपक्ष की लड़ाई जारी रहेगी।

'मॉक पार्लियामेंट' में ही बने रहिए पीएम असली कुर्सी कभी नहीं मिलेगी : शाह

पंजाब की राजनीति पर भी नजर

चंडीगढ़ में शाह का यह हमला ऐसे समय आया है जब पंजाब में 2027 के विधानसभा चुनाव की राजनीतिक तैयारियां तेज हो रही हैं। भाजपा राज्य में अपना राजनीतिक आधार विस्तार करने और अपने दम पर सरकार बनाने का लक्ष्य सामने रख रही है।



हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर तीखा राजनीतिक हमला बोला। चंडीगढ़ में आयोजित एक कार्यक्रम में शाह ने राहुल गांधी की राजनीतिक नेतृत्व क्षमता, प्रधानमंत्री बनने की महत्वाकांक्षा और कांग्रेस की चुनावी स्थिति पर निशाना साधा। उन्होंने विपक्ष की ओर से मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ आयोजित प्रतीकात्मक महाभियोग और मॉक पार्लियामेंट की कार्यवाही पर कटाक्ष करते हुए कहा कि राहुल गांधी यदि प्रधानमंत्री बनना चाहते हैं तो पूरी जिंदगी मॉक पार्लियामेंट में प्रधानमंत्री बने रह सकते हैं, लेकिन देश के प्रधानमंत्री बनने का उनका सपना पूरा नहीं होगा। शाह ने कहा कि राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री बनने की अपनी महत्वाकांक्षा पूरी करने के लिए मॉक पार्लियामेंट का नया तरीका खोज लिया है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि राहुल गांधी को मॉक पार्लियामेंट में ही प्रधानमंत्री बने रहना चाहिए, ⏭शेष पेज 6 पर

- शाह का राहुल गांधी पर तीखा हमला



नितिन बोले- विदेशी ताकतों के इशारे पर काम कर रहे हैं राहुल

देशभर में रविवार को राजनीतिक माहौल गर्माया रहा। एक तरफ कांग्रेस दिल्ली के रामलीला मैदान में महारैली की, तो दूसरी तरफ भाजपा भी दिल्ली, हिमाचल से लेकर महाराष्ट्र तक देशभर में 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' मार्च निकाली। हरियाणा के रोहतक में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के नेतृत्व में रैली निकाली गई, वहीं दिल्ली में केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी के नेतृत्व में मार्च निकाला गया। भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने आरोप लगाया कि देश में अराजकता पैदा करने के लिए राहुल गांधी विदेशी ताकतों के इशारों पर काम कर रहे हैं।

नड्डा ने विपक्ष पर साधा निशाना

केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' की रैली को मूर्खतापूर्ण एवं पूर्व निर्धारित नाटक करार देते हुए कहा कि यह रैली कांग्रेस के ताबूत में आखिरी कील साबित होगी और पार्टी के राजनीतिक पतन का कारण बनेगी। नड्डा ने आरोप लगाया कि यह विरोध-प्रदर्शन लोकतंत्र को अराजकता और अव्यवस्था के हवाले करने की सोची-समझी साजिश का हिस्सा है। साल 1984 के सिख-विरोधी दंगों की बरसी का जिक्र करते हुए नड्डा ने आरोप लगाया कि रविवार को इस रैली के आयोजन के पीछे कांग्रेस नेता राहुल गांधी का मकसद सिख भाइयों के जख्मों पर नमक छिड़कना है।

inh 24x7

छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें

TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

सिक्के बनाने वाले गिरोह का भंडाफोड़

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने नकली सिक्के बनाने और उनकी आपूर्ति करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ कर कथित सरगना समेत चार लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से करीब एक लाख रुपये मूल्य के 20 रुपए के नकली सिक्के बरामद किए हैं। अपराध शाखा को एक गुप्त सूचना मिली कि आठ सितंबर को एक व्यक्ति मुंडका औद्योगिक क्षेत्र मेट्रो स्टेशन के पास नकली सिक्के पहुंचाने वाला है।

सीआईएसएफ ने लागू किया फंक्शनल कमांड सिस्टम

नई दिल्ली। केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल ने एक नवंबर से अपनी सुरक्षा रणनीति में एक युगांतरकारी बदलाव किया है। गृह मंत्रालय की मंजूरी के साथ, सीआईएसएफ ने अपनी पुरानी 'भौगोलिक क्षेत्र आधारित' कमांड प्रणाली को समाप्त कर एक नई और अत्यधिक विशेषज्ञता वाली 'कार्यात्मक' (फंक्शनल) सेक्टर प्रणाली लागू कर दी है। इस कदम का असर उन विभिन्न क्षेत्रों (सेक्टर) पर पड़ेगा, जिनकी इकाइयों की सुरक्षा केंद्रीय बल द्वारा की जाती है।

पुलिस ने दोनों पक्षों के खिलाफ जुर्म दर्ज किया

जन्मदिन मना रहे युवकों ने जज दंपती के साथ की मारपीट

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिलासपुर

राजकिशोर नगर स्थित अपने ससुराल आए महासमुंद कुटुंब न्यायालय के जज प्रफुल्ल कुमार सोनवानी और उनकी पत्नी के साथ जन्मदिन मना रहे युवकों ने मारपीट की। पुलिस ने इस मामले में दोनों पक्ष के खिलाफ जुर्म दर्ज कर लिया है। सरकण्डा पुलिस के अनुसार, महासमुंद जिला न्यायालय के न्यायाधीश प्रफुल्ल कुमार सोनवानी ने रिपोर्ट लिखाई कि 31 अक्टूबर को वे पारिवारिक कार्यक्रम में शामिल होने परिवार सहित राजकिशोर नगर जूनियर एमआईजी 5 स्थित ससुराल आए थे। रात 11 बजे उनके परिवार के साथ लोग घर में सो गए थे। उस दौरान अचानक अत्यंत तेज आवाज में नगाड़ा बजने एवं आतिशबाजी की आवाज आने लगी, जो लगातार 45 मिनट तक चलती रही। जिसके कारण घर के लोग जाग गए। श्री सोनवानी स्थिति को देखने के लिए नीचे आ गए। वहां पर गली में युवकों की भीड़ लगी थी। पूछने पर उन्होंने बताया कि वे अभय बरूआ का जन्मदिन मना ⏭शेष पेज 6 पर

न्यायाधीश दंपती के खिलाफ भी जुर्म दर्ज

इस मामले में पुलिस ने युवक की रिपोर्ट जज दंपती के खिलाफ भी मामला दर्ज कर लिया है। मगरपारा अम्बेडकर नगर निवासी विनय वैद्य पिता स्व. अशोक वैद्य ने रिपोर्ट लिखाई है। इसके अनुसार वह 31 अक्टूबर की रात 12.15 बजे अपने मित्र अभय बरूआ का जन्मदिन मनाने राजकिशोर नगर स्टेट बैंक के पास अपने मित्र रक्तिम सारखेल के साथ गया था। सभी लोग और अभय बरूआ ⏭शेष पेज 6 पर

जज के खिलाफ मामला दर्ज करने अनुमति जरूरी

इस मामले में जानकार वकील बताते हैं कि किसी भी न्यायाधीश के खिलाफ मामला दर्ज करने से पहले हाईकोर्ट की अनुमति लेना जरूरी है, लेकिन इस मामले में पुलिस ने कोई अनुमति नहीं ली और सीधे जुर्म दर्ज कर लिया। सरकंडा पुलिस ने यह जरूर कहा कि मामला दर्ज करने वाले पुलिस अधिकारी को इसकी जानकारी नहीं थी कि आरोपी पक्ष जज हैं।

जुर्म दर्ज किया गया है

प्रफुल्ल सोनवानी की रिपोर्ट पर अभय बरूआ एवं उसके अन्य साथियों तथा विनय वैद्य की रिपोर्ट पर प्रफुल्ल सोनवानी, आकांक्षा सोनवानी, अभिषेक भारद्वाज के खिलाफ जुर्म दर्ज किया गया है। प्रार्थी रिपोर्ट लिखाने आया तो डीओ अधिकारी ने उनकी रिपोर्ट पर एफआईआर दर्ज किया है। प्रफुल्ल सोनवानी न्यायाधीश हैं, इसकी उसे जानकारी नहीं थी।

-प्रदीप आर्या, सरकण्डा टीआई

छत्तीसगढ़ हॉकी लीग का चैंपियन बना मैनपाट टाइटंस



रायपुर। रायपुर के सरदार वल्लभभाई पटेल अंतरराष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम में आयोजित छत्तीसगढ़ हॉकी लीग में मैनपाट टाइटंस चैंपियन बनी। मैनपाट टाइटंस और संस्कारधानी स्ट्राइकर्स के बीच फाइनल मैच मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, केंद्रीय युवा मामले एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया, उप मुख्यमंत्री अरुण साव और विजय शर्मा तथा अनेक विशिष्ट जनों की उपस्थिति में संपन्न हुआ। उन्होंने विजेता टीमों और श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को पुरस्कार प्रदान किए।

कल्याणपुर जंगल में हुई घटना

कबरा दंतैल ने दो घंटे के अंदर दो को उतारा मौत के घाट

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंबिकापुर/बिश्रामपुर

अकेले घूम रहे कबरा हाथी ने एक बार फिर से दो ग्रामीण की जान ले ली है। घटना सूरजपुर वन मंडल के लटोरी अंतर्गत कल्याणपुर-अखोराकला जंगल की है। बाइक से जा रहे दो ग्रामीणों का हाथी से सामना हो गया। इस दौरान दंतैल ने ग्रामीण ग्रामीण को कुचलकर मौत के घाट उतार दिया जबकि एक ने भागकर अपनी जान बचाई। वहीं कल्याणपुर क्षेत्र में ही हाथी ने एक अन्य व्यक्ति को मौत के घाट उतार दिया। दो घंटे के भीतर दो लोगों की मौत से क्षेत्र में हड़कंप मच गया है। घटना की ⏭शेष पेज 6 पर



हुई है दो मौतें

हाथी के हमले में दो लोगों की मौत हुई है। हमारी टीम मौके पर मौजूद है और शव बरामद किया गया है। फिलहाल घटना की जांच चल रही है। हाथी अभी राजपुर क्षेत्र में चला गया है।

-विपुल अग्रवाल, डीएफओ

1 नवंबर से हो गए कई बदलाव, फॉस्टेग का लोकल पास

विमान ईंधन के दाम बढ़े, कमर्शियल सिलेंडर महंगा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

विमान ईधन के दाम बढ़ गए, वहीं कमर्शियल सिलेंडर भी महंगा हो गया। इसके अलावा 1 नवंबर से कई बदलाव हुए हैं। मोबाइल पर अनजान नंबर से कॉल आने पर नंबर के साथ कॉलर का असली नाम भी दिखने लगा है। टोल प्लाजा के 20किमी के दायरे में रहने वाले वाहन मालिकों को 1 साल का लोकल फास्टैग पास मिलना शुरू हो गया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में ईंधन कीमतों में तेजी के बीच पेट्रोलियम कंपनियों ने विमान ईंधन और वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर के दाम बढ़ा दिए हैं। रविवार से एटीएफ की कीमत में 1.37 रुपए प्रति लीटर और 19 किलोग्राम वाले वाणिज्यिक सिलेंडर के दाम में 10 रुपए की बढ़ोतरी की गई है। हालांकि, घरों में इस्तेमाल होने वाली रसोई गैस, पेट्रोल और ⏭शेष पेज 6 पर

छोटे ऑनलाइन विक्रेताओं के लिए आसानी

छोटे ई-कॉमर्स विक्रेता दूसरे राज्यों में अलग से ऑफिस खोले बिना भी देशभर में सामान बेच सकेंगे। जीएसटी नियमों में ढील दी है, जिसके तहत विक्रेता जिस ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म (जैसे अमेजन, फ्लिपकार्ट) पर बेचते हैं, उसके गोदाम के पते को ही दूसरे राज्यों में अपना जीएसटी रजिस्ट्रेशन एड्रेस बता सकेंगे।



फोन पर कॉलर का असली नाम

मोबाइल फोन पर किसी अनजान नंबर से कॉल आने पर अब स्क्रीन पर नंबर के साथ उस व्यक्ति का असली नाम भी दिखने लगा है। यह नाम वही होगा जो उसने सिम खरीदते समय सरकारी आईडी (जैसे आधार) में दिया था। इसके लिए आपको कोई थर्ड पार्टी एप डाउनलोड या सर्विस शुरू करने की जरूरत नहीं होगी, यह अपने-आप काम करेगी। दूरसंचार विभाग ने सभी टेलीकॉम कंपनियों के लिए इस नियम को लागू करना अनिवार्य कर दिया है।

टोल के करीबियों को फॉस्टेग का पास

टोल प्लाजा के 20किमी के दायरे में रहने वाले निजी वाहन मालिकों को हर बार टोल टैक्स देने से राहत मिलेगी। सरकार ने 1,500 या 3,000 की तय फीस में पूरे 1 साल का लोकल फास्टैग पास देने का नया नियम आज से लागू कर दिया है। इससे टोल प्लाजा के आसपास रहने वालों का हर महीने टोल पर होने वाला बड़ा खर्च बचेगा। अब उन्हें बार-बार टोल कटवाने की टेंशन नहीं होगी और पूरे साल सिर्फ एक बार पास की तय फीस देकर आसानी से सफर कर सकेंगे।

चिंतन

एक बार फिर सड़क की राजनीति पर उतरे दल



मुद्दा
प्रमोद भार्गव

देश में एक बार फिर सत्ता पक्ष और विपक्षी दल सड़क पर सियासी जंग लड़ने उतर आए हैं। रविवार का दिन राजनीतिक सरगर्मी से भरा रहा। कांग्रेस के नेतृत्व में इंडिया गठबंधन ने दिल्ली के रामलीला मैदान में 'वोट बचाओ, देश बचाओ' रैली कर केंद्र सरकार और चुनाव आयोग पर हमला बोला। वहीं, भाजपा ने इसके जवाब में देशभर में 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' मार्च निकाले। दिल्ली में केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने मोर्चा संभाला तो हरियाणा के रोहतक में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने पदयात्रा का नेतृत्व किया। भाजपा ने कांग्रेस पर आरोप लगाया कि उसने 1984 के सिख विरोधी दंगों की बरसी के दिन रामलीला मैदान में रैली आयोजित कर पीड़ित परिवारों की भावनाओं की अनदेखी की है। भाजपा के मार्च में दंगा पीड़ित परिवारों और सिख समुदाय के लोगों की भागीदारी भी इसी मुद्दे को रेखांकित करने के लिए थी। वहीं, नितिन नवीन ने रोहतक में कांग्रेस पर वोट चोरी को अपनी विरासत बनाने का आरोप लगाया और राहुल गांधी को विदेशी ताकतों की टूलकिट बनकर काम करने वाला बताया। जेपी नड्डा ने भी कांग्रेस पर सिख विरोधी हिंसा के पीड़ितों को भुलाकर राजनीति करने का आरोप लगाया। दूसरी ओर राहुल गांधी ने चुनाव आयोग और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर गंभीर आरोप लगाते हुए उन्हें पद से हटाने और जेल भेजने की चेतावनी दी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर भी उन्होंने तीखी टिप्पणी की। इस तरह पूरे दिन दोनों खेमों के बीच राजनीतिक तल्खी और आरोप-प्रत्यारोप का दौर चलता रहा। विपक्ष का काम केवल सरकार का विरोध करना नहीं, बल्कि जनता के सवालों को मजबूती से उठाना और सरकार को जवाबदेह बनाना भी है। अब सवाल यह है कि क्या जिम्मेदारी केवल हंगामे, नारेबाजी और सड़क पर शक्ति प्रदर्शन से ही पूरी हो सकती है। कोई सीजेपी जैसी नई पार्टी ऐसा करे तो समझ आता है, लेकिन देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस से अधिक परिपक्व राजनीतिक आचरण की अपेक्षा स्वाभाविक है। 18वीं लोकसभा में इंडिया गठबंधन के करीब 240 सांसद हैं। इतनी बड़ी संसदीय ताकत का उपयोग सदन में महंगाई, बेरोजगारी, किसानों, शिक्षा और चुनावी पारदर्शिता जैसे गंभीर मुद्दों पर सार्थक बहस के लिए होना चाहिए। संसद के बाहर प्रतीकात्मक कार्यवाही करने के बजाय विपक्ष को तथ्यों और प्रमाणों के साथ सदन में सरकार को घेरना चाहिए। लोकतंत्र का मजाक नहीं, जवाबदेही तय करना विपक्ष की असली जिम्मेदारी है। वहीं, सत्ता पक्ष भी अपनी जिम्मेदारी से बच नहीं सकता। संसद में विपक्ष को पर्याप्त अवसर देना, उसके सवालों का तथ्यात्मक जवाब देना और महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा के लिए तैयार रहना सरकार का दायित्व है। संवैधानिक संस्थाओं की विश्वसनीयता बनाए रखना सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों के हित में है। विपक्ष को भी संवैधानिक पदों पर बैठे व्यक्तियों के खिलाफ धमकी भरी भाषा के बजाय निर्धारित कानूनी प्रक्रिया का सम्मान करना चाहिए। यह समझना होगा कि संसद देश की जनता की आकांक्षाओं, अपेक्षाओं और समस्याओं पर चर्चा का सर्वोच्च लोकतांत्रिक मंच है। सदन में कामकाज बाधित करने से जितना नुकसान विपक्ष की भूमिका को होता है, उतनी ही जवाबदेही सरकार की भी बनती है, यदि वह चर्चा और संवाद के रास्ते बंद करती है। दोनों पक्षों को अपनी राजनीतिक सुविधा से ऊपर उठकर संसदीय परंपराओं का सम्मान करना होगा।

दवा कंपनियों पर लगाम की तैयारी

दवा उत्पादक फार्मेसियों की अनैतिक मार्केटिंग पर सर्वोच्च न्यायालय कड़ी निगरानी रखने के उपाय को उत्सुक नजर आ रहा है। न्यायालय द्वारा दिए एक आदेश के बाद केंद्र सरकार ने फार्मा कंपनियों की कारोबारी गतिविधियों और तौर-तरीकों की समीक्षा और निगरानी के लिए नीति आयोग के सदस्य डॉ. एम श्रीनिवास की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय समिति गठित कर दी है। यह समिति कंपनियों द्वारा दवा के अनैतिक कारोबार को बढ़ावा देने वाले उपायों की असरकारी समीक्षा करेगी। साथ ही निगरानी तंत्र को पुख्ता बनाने के लिए सिफारिशें भी करेगी। इन उपायों में चिकित्सकों को दिए जाने वाले प्रलोभनों की भी समीक्षा होगी। अदालत में इसी परिप्रेक्ष्य में 'फेडरेशन ऑफ मेडिकल एंड सेल्स रिप्रेजेंटेटिव एसोसिएशन ऑफ इंडिया' की एक याचिका भी लंबित है। इसमें अनुरोध किया है कि प्रभावी कानून बनने तक फार्मा कंपनियों की अनैतिक मार्केटिंग पर नियंत्रण और नियमन के लिए दिशा-निर्देश तय कर दिए जाएं? क्योंकि मौजूदा व्यवस्था में बड़ी असामानता है।

इसके तहत ऐसे प्रलोभन स्वीकार करने वाले चिकित्सकों के लिए कार्यवाही का प्रावधान तो है, लेकिन उन्हें प्रलोभन देने वाली दवा कंपनियों को नियंत्रित या दंडित करने के लिए समान वैधानिक व्यवस्था नहीं है। अतएव कंपनियां अपने उत्पादों के प्रचार के लिए चिकित्सकों को महंगे उपहार और सेमिनार के बहाने देश-विदेश की पंचतारा हवाई यात्राएं अपने खर्चे पर कराती हैं। अततः इसका असर रोगी पर पड़ता है और वे महंगी दवाएं खरीदने के लिए लाचार बने रहते हैं। इस समिति की रिपोर्ट दो माह के भीतर आनी है।

कुछ समय पहले कंपनी मामलों के मंत्रालय की एक सर्वे रिपोर्ट ने सरकार को आगाह किया था कि दवाएं आम आदमी की पहुंच से जानबूझकर बाहर की जा रही हैं। इस रिपोर्ट ने तय किया कि दवाओं की महंगाई का कारण दवा में लगने वाली सामग्री का महंगा होना नहीं है, बल्कि दवा कंपनियों का मुनाफे की हवस में बदल जाना है। इस लालच के चलते कंपनियां राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण (एनपीपीए) के नियमों का भी पालन नहीं करती हैं। इसके मुताबिक दवाओं की कीमत लागत से मात्र सौ गुनी ज्यादा रख सकते हैं। लेकिन दवाओं की कीमत 1023 फीसदी तक ज्यादा वसूली जा रही है। ग्लैक्सोस्मिथलाईन, फाइजर, रैनबैक्सी, डॉ रेड्डी लैब्स और एलेमबिक जैसी नामी-गिरामी दवा कंपनियां भी दो सौ से पांच सौ गुना ज्यादा कीमत अपने दवा उत्पादों की रख रही हैं। दवा कंपनियों से जुड़ी एक विडंबना यह भी देखने में आती है कि दवा कंपनियों ने सरकार द्वारा दी उत्पाद शुल्क में छूट का लाभ तो पूरा लिया, लेकिन दवाओं की कीमतों में कटौती नहीं की। इस तरह से सरकार और ग्राहकों को करोड़ों रुपए का चूना लगाया जा रहा है। इंसान की जीवन-रक्षा से जुड़ा दवा करोबार देश में तेजी से मुनाफे की अमानवीय व अनैतिक हवस में बदलता जा रहा है। चिकित्सकों को महंगे उपहार देकर रोगियों के लिए महंगी और गैर जरूरी दवाएं लिखवाने का प्रचलन लाभ का धंधा हो गया है। बेमतलब की अनेक जांचें भी केवल मुनाफे के लिए कराई जा रही हैं। ज्यादातर डॉक्टर पर्चे में वहीं दवा



लिखते हैं, जो उन्हें दवा कंपनियों के एमआर समझाते हैं और कमीशन के साथ उपहार देते हैं। जबकि चिकित्सा का पेशा जीवन रक्षा का धंधा है। वह मनुष्यता की संवेदना और मर्म की सुरक्षा का नैतिक व्यवसाय है। एक लाचार मरीज चिकित्सक के पास स्वास्थ्य लाभ लेने की उम्मीद से जाता है, न कि दवा उद्योग के लालच को बढ़ावा देने की दृष्टि से? किंतु पैसा कमाने की अनैतिक होड़ का ही परिणाम है कि रोगी अब चिकित्सक को धरती का भगवान मानने से मुकर रहा है। इसी संदर्भ में इस याचिका से जुड़े न्यायामूर्ति संदीप मेहता को कहना पड़ा था कि मामला एक माह पहले का ही है।

एक दवा डीलर की पत्नी का इलाज हो रहा था। कीमो में काम आने वाला इंजेक्शन 11 हजार रुपये का था। लेकिन निजी अस्पताल में 1.30 लाख रुपये में दिया जा रहा था। दवा डीलर ने अस्पताल से निवेदन किया कि इंजेक्शन बाहर से लाने दें, लेकिन मना कर दिया। इसी याचिका की सुनवाई के दौरान अदालत ने कैंसर की 2700 रुपये की एक दवा को 27 हजार में बेचे जाने पर 'डकैती' की संज्ञा दी थी। ऐसी डकैती की कीमत आम मरीज चुका रहे हैं। फार्मा कंपनियां किसी बाध्यकारी कानून को अमल में लाने में भी रोड़ा अटकाने का काम करती हैं। क्योंकि ये अपना कारोबार विज्ञापनों व चिकित्सकों को मुनाफा देकर ही फैलाये हुए हैं। चूंकि दवा का निर्माण एक विशेष तकनीक के तहत किया जाता है और रोग व दवा विशेषज्ञ चिकित्सक ही पर्चे पर एक निश्चित दवा लेने को कहते हैं।

दरअसल इस तथ्य की पृष्ठभूमि में यह मकसद अंतर्निहित है कि रोगी और उसके अभिभावक दवाओं में विलय रसायनों के असर व अनुपात से अनभिज्ञ होते हैं, इसलिए वे दवा अपनी मर्जी से नहीं ले सकते। इस कारण चिकित्सक की लिखी दवा लेना जरूरी होती है। लिहाजा चिकित्सक मरीज की इस लाचारी का लाभ पूरे देश में धड़ल्ले से उठा रहे हैं। एंटीबायोटिक दवाओं ने जहां अनेक संक्रामक रोगों से मानव जाति को बचाया, वहीं दुष्परिणाम स्वरूप शरीर की प्रतिरोधात्मक शक्ति को कमजोर भी किया। जिस तरह मानव शरीर विभिन्न प्राकृतिक तापमान, वायुमंडल व भौगोलिक परिस्थिति और पर्यावरण के अनुकूल अपने को ढाल लेता है,उसी तरह हमारे धरती पर अस्तित्व के समय से ही सूक्ष्मजीव और उनके विरुद्ध शरीर की प्राकृतिक प्रतिरोधात्मक शक्ति का भी परिवर्तित विकास होता रहा है। कुदरत का कमाल देखिए, एंटीबायोटिक दवाओं ने दोनों के बीच के संतुलन को गड़बड़ा दिया, लिहाजा एंटीबायोटिक दवाएं जब-जब सूक्ष्मजीवों पर मारक साबित हुई, तब-तब जीवाणु और वीषाणुओं ने अपने को ओर ज्यादा शक्तिशाली बना लिया। गोया, महाजीवाणु कभी नष्ट नहीं होने वाले रक्तबीजों की श्रेणी में आ गए हैं। इसलिए आज वैज्ञानिकों को कहना पड़ रहा है कि एंटीबायोटिक दवाओं की मात्रा पर अंकुश लगना चाहिए।

दवा कंपनियों की मुनाफे की हवस और चिकित्सकों का बढ़ता लालच, इसमें बाधा बने हुए हैं। चिकित्सक सर्दी-जुकाम और पेट के साधारण रोगों तक के लिए बड़ी मात्रा में एंटीबायोटिक दवाएं दे देते हैं। ऐलोपैथी चिकित्सा पद्धति के मुनाफाखोरों ने प्रायोजित शोधों के मार्फत आयुर्वेद, यूनानी, प्राकृतिक चिकित्सा और होम्योपैथी को अवैज्ञानिक कहकर हाशिए पर डालने का काम भी शड्यंत्रपूर्वक किया है। बावजूद सूक्ष्मजीव कायांतरण के नए-नए रूपों में सामने आना शुरू हो गए हैं, तब से एंटीबायोटिक दवाओं की सीमा रेखांकित जरूर की जाने लगी है, किंतु मुनाफे की हवस इस मर्यादा को लांघ जाने का उपक्रम करती ही रहती है।

(लेखक वरिष्ठ स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)
लेख पर अपनी प्रतिक्रिया haribhoomi@gmail.com पर दे सकते हैं।

ग्राम स्वराज योजना
डॉ. अशोक कुमार जायसवाल



आत्मनिर्भर पंचायतों से विकसित भारत की ओर

ठाकुर प्यारेलाल राज्य पंचायत एवं ग्रामीण विकास संस्थान, निमोरा, रायपुर (छत्तीसगढ़) महात्मा गांधी के ग्राम स्वराज की परिकल्पना को साकार करने और वर्ष 2047 तक विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने की दिशा में प्रधानमंत्री विकसित ग्राम स्वराज योजना एक महत्वपूर्ण पहल है। सबकी योजना, सबका विकास और सबका विश्वास की भावना को केंद्र में रखकर तैयार यह योजना ग्रामीण शासन व्यवस्था को नई दिशा देने के साथ पंचायतों को अधिक सक्षम, जवाबदेह और आत्मनिर्भर बनाने का मार्ग प्रशस्त करेगी। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में वर्ष 2026-27 से 2030-31 तक योजना के क्रियान्वयन को मंजूरी दी है। इसके लिए कुल 7,395.55 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है, जिसमें 4,869.55 करोड़ रुपये केंद्रीय अंश और 2,526.07 करोड़ रुपये राज्यांश के रूप में शामिल हैं। यह योजना विकसित भारत की राष्ट्रीय परिकल्पना के अनुरूप ग्रामीण शासन व्यवस्था में अगली पीढ़ी के सुधारों की पहल है। इसका प्रमुख उद्देश्य ग्राम पंचायतों को स्थानीय जरूरतों, उपलब्ध संसाधनों और राष्ट्रीय विकास प्राथमिकताओं के अनुरूप समग्र विकास योजनाएं तैयार करने में सक्षम बनाना है। इसके तहत सहभागी और साक्ष्य आधारित नियोजन को बढ़ावा देते हुए ई-ग्राम स्वराज पोर्टल के माध्यम से प्रतिवर्ष लगभग 2.55 लाख समग्र ग्राम पंचायत विकास योजनाएं तैयार करने में सहायता दी जाएगी।

ग्रामीण विकास के लिए मजबूत नियोजन की जरूरत: पिछले बारह वर्षों में पंचायती राज मंत्रालय द्वारा किए गए राष्ट्रीय सुधारों और नवाचारों ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देने, सार्वजनिक सेवाओं में सुधार लाने और ग्रामीण विकास के नए अवसर पैदा करने का आधार तैयार किया है। इन अवसरों का लाभ गांवों तक पहुंचाने के लिए जमीनी स्तर पर जागरूकता, जनभागीदारी और बेहतर स्थानीय नियोजन आवश्यक है। 16वें वित्त आयोग द्वारा वर्ष 2026-27 से 2030-31 की अवधि में ग्रामीण स्थानीय निकायों के लिए लगभग 4.35 लाख करोड़ रुपये की सिफारिश किए जाने के मद्देनजर पंचायतों की जिम्मेदारी और बढ़ जाती है। अब आवश्यकता इस बात की है कि पंचायतें राष्ट्रीय प्राथमिकताओं, केंद्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं, उपलब्ध वित्तीय संसाधनों और स्थानीय आकांक्षाओं को एकीकृत करते हुए विकास का स्पष्ट खाका तैयार करें।

ग्राम पंचायतें बनेंगी विकास की धुरी: इस योजना में ग्राम पंचायतों को स्थानीय नियोजन और विकास के नवाचारों के समन्वय का प्रमुख केंद्र बनाया गया है। पंचायतें गांवों की प्राथमिकताओं, उपलब्ध संसाधनों और विकास की चुनौतियों को ध्यान में रखकर योजनाएं तैयार कर सकेंगी। इससे गांव केवल सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन की इकाई नहीं रहेंगे, बल्कि अपने विकास की दिशा और प्राथमिकताएं तय करने वाले सक्षम स्थानीय निकाय के रूप में उभरेंगे।

वित्तीय आत्मनिर्भरता और पारदर्शिता पर जोर: किसी भी पंचायत की मजबूती केवल उसे मिलने वाले सरकारी अनुदान से तय नहीं होती, बल्कि उसकी अपनी आय अर्जित करने की क्षमता भी उतनी ही महत्वपूर्ण होती है। प्रधानमंत्री विकसित ग्राम स्वराज योजना पंचायतों को स्वयं के राजस्व स्रोत बढ़ाने, वित्तीय प्रबंधन सुधारने और उपलब्ध निधियों का प्रभावी उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करेगी।

योजना के तहत ऑनलाइन लेखांकन, ऑडिट और सार्वजनिक सूचना के प्रकटीकरण को सुनिश्चित करने पर जोर दिया जाएगा। इससे पंचायतों के कामकाज में पारदर्शिता बढ़ेगी, वित्तीय अनियमितताओं पर अंकुश लगाने में मदद मिलेगी और विकास कार्यों के प्रति जवाबदेही मजबूत होगी।

विभागीय समन्वय से योजनाओं का बेहतर क्रियान्वयन : ग्रामीण विकास की सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक विभिन्न विभागों की योजनाओं के बीच समन्वय का अभाव है। कई बार संसाधन उपलब्ध होने के बावजूद विभागीय तालमेल की कमी के कारण स्थानीय जरूरतें पूरी नहीं हो पातीं। प्रधानमंत्री विकसित ग्राम स्वराज योजना इस समस्या के समाधान की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम है। इसके तहत संबंधित केंद्रीय मंत्रालयों, विभागों और राज्य सरकारों की नियोजन प्रक्रियाओं को एकीकृत डिजिटल मंच से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा। इससे ग्राम पंचायत विकास योजनाएं तैयार करने में विभागों के बीच आपसी सहयोग बढ़ेगा।

विकसित भारत के संकल्प में गांवों की निर्णायक भूमिका

विकसित भारत 2047 का लक्ष्य तभी साकार हो सकता है, जब देश के गांव आर्थिक, सामाजिक और संस्थागत रूप से मजबूत बनें। ग्रामीण विकास का आधार सक्षम पंचायतें, जागरूक नागरिक, पारदर्शी प्रशासन और स्थानीय जरूरतों के अनुरूप तैयार की गई विकास योजनाएं हैं। प्रधानमंत्री विकसित ग्राम स्वराज योजना इन्हीं उद्देश्यों को एक साथ जोड़ने वाली अभिनव पहल है। यह योजना पंचायतों को केवल योजनाओं के क्रियान्वयन तक सीमित रखने के बजाय उन्हें स्थानीय विकास का नेतृत्व करने वाली संस्था के रूप में स्थापित करने का अवसर प्रदान करेगी।

वास्तव में ग्राम स्वराज का अर्थ केवल गांवों का भौतिक विकास नहीं, बल्कि स्थानीय समुदायों को अपने विकास के निर्णय लेने में सक्षम बनाना भी है। प्रधानमंत्री विकसित ग्राम स्वराज योजना इसी भावना को आगे बढ़ाते हुए आत्मनिर्भर पंचायतों, सशक्त ग्रामीण अर्थव्यवस्था और सहभागी शासन व्यवस्था का आधार तैयार कर सकती है। गांवों को विकास की मुख्यधारा में निर्णायक भूमिका देकर ही विकसित भारत 2047 के संकल्प को वास्तविक अर्थों में साकार किया जा सकता है।

-संकाय सदस्य (पंचायती राज)

क्षमा करें और भूल जाएं



संकलित
दर्शन

जीवन में हमें कई बार चुनौतियों और निराशाओं का सामना करना पड़ता है। जीवन में हमारा किसी न किसी ऐसी घटना से साक्षात्कार होता है, जो हमें पसंद नहीं होती या जिसके कारण हमें दुख होता है। जैसे किसी व्यक्ति ने हमारा किसी तरह अनुचित किया हो, शब्दों से हमें भावनात्मक रूप से दुख पहुंचाया हो या शारीरिक कष्ट पहुंचाया हो। परिणाम यह होता है कि हम निराश, दुखी और क्रोधित हो जाते हैं। जब तक हम किसी को क्षमा नहीं करते, तब तक हमारे साथ क्या होता है? हम हमेशा उसी घटना के बारे में सोचते रहते हैं या किसी और से भी उन बातों को दोहराते रहते हैं। कुछ लोग जिनका स्वयं पर नियंत्रण नहीं होता, वे शारीरिक रूप से उस व्यक्ति को हानि पहुंचाते हैं या अपना क्रोध किसी और पर निकालते हैं। ऐसा होने पर हम अपने चारों ओर नकारात्मक वातावरण पैदा कर लेते हैं। अपने मन की शांति खो देते हैं। कुछ क्षणों में घटित हुई घटना के लिए हम अपने जीवन के तमाम घंटे इस बात में लगा देते हैं कि उसका बदला कैसे लें। यदि हम इसके बजाय क्षमा कर दें तो हम इस समय का शांतिपूर्वक सदुपयोग कर सकते हैं। हम अपना ध्यान उस ओर लगाएं, जो आध्यात्मिक रूप से मददगार हो। जैसे कि पिता-परमेश्वर को याद करना, ध्यान-अभ्यास करना, निष्काम सेवा करना और आध्यात्मिक लाभ प्राप्त करना। आध्यात्मिक मार्ग पर ध्यान-अभ्यास में सफलता अपने मन को स्थिर करके अंतर में ध्यान टिकाने पर निर्भर है।

गणेश विनायक जी की कथा



संकलित
प्रेरणा

एक गांव में मां-बेटी रहती थीं। एक दिन वह अपनी माँ से कहने लगी कि गांव के सब लोग गणेश मेला देखने जा रहे हैं, मैं भी मेला देखने जाऊंगी। मां ने जाने से पहले बेटी को दो लड्डू दिए और एक घंटी में पानी दिया। मां ने कहा कि एक लड्डू तो गणेश जी को खिला देना और थोड़ा पानी पिला देना। दूसरा लड्डू तुम खा लेना और बचा पानी भी पी लेना। लड़की मेले में चली गई। मेला खत्म होने पर सभी गांववाले वापिस आ गए लेकिन लड़की वापिस नहीं आई। लड़की मेले में गणेश जी के पास बैठ गई और कहने लगी कि एक लड्डू और पानी गणेश जी तुम्हारे लिए और एक लड्डू और बाकी बचा पानी मेरे लिए। इस तरह कहते-कहते सारी रात बीत गई। गणेश जी यह देखकर सोचने लगे कि अगर मैने यह एक लड्डू और पानी नहीं पीया तो यह अपने घर नहीं जाएगी। यह सोचकर गणेश जी एक लड़के के वेश में आए और उससे एक लड्डू लेकर खा लिया और साथ ही थोड़ा पानी भी पी लिया फिर वह कहने लगे कि माँगो तुम क्या मांगती हो? लड़की मन में सोचने लगी कि क्या मांगू? अन्न मांगू या धन मांगू या अपने लिए अच्छा वर मांगू या खेत मांगू या महल मांगू! वह मन में सोच रही थी तो गणेश जी उसके मन की बात को जान गए। वह लड़की से बोले कि तुम अपने घर जाओ और तुमने जो भी मन में सोचा है वह सब तुम्हें मिलेगा। लड़की घर पहुँची तो माँ ने पूछा कि इतनी देर कैसे हो गई? बेटी ने कहा कि आपने जैसा कहा था मैंने वैसा ही किया है और देखते ही देखते जो भी लड़की ने सोचा था वह सब कुछ हो गया।

अंतर्मन



आज की पाती

एकता के मंत्र पर अमल करना भी जरूरी

भारत में बहुत से महापुरुष हुए। इन महापुरुषों ने भारत को ही नहीं, बल्कि दुनिया को अच्छे मार्ग पर ले जाने के लिए बहुत से काम किए और दुनिया के लिए प्रेरक बने। इन्हीं महापुरुषों में से एक थे सरदार वल्लभभाई पटेल, जिनका जन्मदिन एकता की भावना को बढ़ाने के रूप में भी मनाया जाता है, जोकि 31 अक्टूबर को होता है। सरदार वल्लभ भाई पटेल ने देश को आजाद करवाने के साथ-साथ देश की एकता को मजबूत करने में मुख्य भूमिका निभाई थी। इन्होंने किसानों को उनका हक अंग्रेजों से दिलाने के लिए काम किए थे। सरदार वल्लभ भाई पटेल को आज भी जिस मुख्य कार्य के लिए याद किया जाता है वो है देसी रियासतों का एकीकरण। आज भारत को उनके विचारों को कार्यरूप देने की जरूरत है। *- रतन साहू, बलौदा बाजार*

ट्रेंड

वंदे भारत स्लीपर ट्रेन



बेहतर रेल कनेक्टिविटी की दिशा में एक और कदम, और वह भी तकनीक और नवाचार के शहर बेंगलुरु से! वंदे भारत स्लीपर ट्रेन, बेंगलुरु और मुंबई के बीच कनेक्टिविटी के लिए एक गेम चेंजर साबित होगी। - **नरेंद्र मोदी,** प्रधानमंत्री

सिख नरसंहार



1 नवंबर को दिल्ली की धरती 1984 के सिख नरसंहार के निर्दोष पीड़ितों को याद करती है, जबकि उसी दिन राहुल गांधी की कांग्रेस 'लोकतंत्र बचाने' का ढोंग रच रही है। शर्मनाक! कांग्रेस के माथे पर 1984 का कलंक लगा है। इसे राहुल गांधी के 'लोकतंत्र बचाने' के नारों से नहीं धोया जा सकता। - **रेखा गुप्ता,** सीएम, नई दिल्ली

लोकतंत्र का मज़ाक



विपक्ष के नेता राहुल गांधी की राजनीति अब केवल झूठे नैरेटिव गढ़ने, संवैधानिक संस्थाओं पर हमले करने तक सिमट कर रह गई है। संसद में भ्रामक दावे करने वाले कांग्रेस के 'युवराज' ने आज अपनी 'नकली संसद' में भी लोकतंत्र का मज़ाक उड़ाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। - **धर्मेंद्र प्रधान,** सांसद, भाजपा

संजय का बेवक्त जाना



बहुत जल्दी चले गए संजय गुप्ता। उनके भीतर अभी बहुत सारा सिनेमा बाकी था, उनके सामने अभी कई साल और कई कहानियाँ थीं। सच में दिल तोड़ने वाला है... उनके परिवार को हिम्मत और शांति मिले। - **अजय देवगण,** फिल्म अभिनेता

करंट अफेयर

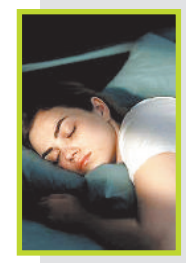
बाइनेंस से चोरी के लिए उत्तर कोरिया जिम्मेदार: एफबीआई



अमेरिकी जांच एजेंसी फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (एफबीआई) ने कहा है कि दुनिया की सबसे बड़ी क्रिप्टोकरेंसी चोरी की घटना को उत्तर कोरिया के हैकर्स ने अंजाम दिया जिसमें कुछ ही मिनट के भीतर बाइनेंस से अरबों डॉलर की डिजिटल मुद्रा चोरी कर ली गई। एफबीआई ने शनिवार को जारी एक बयान में कहा कि इस सप्ताह हुआ साइबर हमला 'ट्रेडरट्रेटर' नामक समूह की दुर्भावनापूर्ण साइबर गतिविधियों से जुड़ा है। उसने कहा कि इसी समूह ने पिछले साल बायबिट पर 1.5 अरब अमेरिकी डॉलर की साइबर चोरी को भी अंजाम दिया था। एफबीआई ने क्रिप्टो एक्सचेंज, ब्लॉकचेन विश्लेषण कंपनियों और अन्य संबंधित पक्षों से विभिन्न डिजिटल वॉलेट पतों से जुड़े लेनदेन रोकने का आग्रह किया है, ताकि चोरी की गई रकम को उसके स्रोत को छिपाने के लिए अवैध रूप से इधर-उधर न किया जा सके। एजेंसी ने कहा कि उसकी जांच में पता चला है कि ट्रेडरट्रेटर चोरी की गई डिजिटल संपत्तियों को मुख्य रूप से इथेरियम नामक क्रिप्टोकरेंसी में बदल रहा है। एफबीआई को आशंका है कि हैकर अब विकेंद्रीकृत वित्त (डीफाई) मंचों और 'इंस्टेंट स्वैप सर्विसेज' के जरिये इन संपत्तियों को दूसरी क्रिप्टोकरेंसी में बदलने का प्रयास करेंगे।

ऑफ बीट

रात में अच्छी नींद कैसी होनी चाहिए?



बहुत से लोग सोचते हैं कि जब वे तकिये पर सिर रखेंगे तो उन्हें गहरी और आरामदेह नींद आनी चाहिए और लगभग आठ घंटे के बाद तरोताजा महसूस करते हुए उठना चाहिए। वास्तव में, पूरी रात स्वस्थ नींद चक्रीय होती है क्योंकि आप नींद के विभिन्न चरणों से गुजरते हैं और अक्सर कई बार जागते हैं। कुछ लोगों को इनमें से एक या अधिक बार जागना याद रहता है लेकिन कई लोगों को यह भी याद नहीं रहता कि वे रात में कितनी बार नींद से जागे। एक वयस्क के रूप में, हमारी नींद अलग-अलग चक्रों से गुजरती है और रात के दौरान थोड़ी-थोड़ी देर के लिए नींद टूटती है। प्रत्येक नींद का चक्र लगभग 90 मिनट का होता है। गहरी नींद में जाने से पहले और सपनों की दुनिया (रैपिड आई मूवमेंट-आरईएम) में खोने से पहले हम रात में हल्की नींद से शुरुआत करते हैं। यदि हम अच्छी नींद लेते हैं, तो हम अपनी अधिकांश गहरी नींद रात के पहले भाग में पूरी कर लेते है और रात के दूसरे भाग में हमें सपने आने लगते हैं। वयस्क आमतौर पर रात में पांच या छह नींद के चक्रों से गुजरते हैं और प्रत्येक चरण के अंत में थोड़ी देर के लिए जागना पूरी तरह सामान्य है। इसका मतलब है कि हम रात में पांच बार जाग सकते हैं। यह बढ़ती उम्र के साथ बढ़ सकता है और हम फिर भी स्वस्थ रह सकते हैं।

हमारा पता
हरिभूमि कार्यालय
रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर
फोन: 401050,271016,फैक्स-271018
ई-मेल: haribhoomibsp@gmail.com
वेब-साइट: www.haribhoomi.com



विपक्ष ने दिखाई ताकत...

नई दिल्ली। रामलीला मैदान में रविवार को आयोजित इंडिया गठबंधन की 'वोट बचाओ-देश बचाओ' रैली में विपक्ष ने एकजुटता की ताकत दिखाई। मंच पर गठबंधन के घटक दलों के नेता एक साथ मौजूद थे तो रैली में विभिन्न दलों के कार्यकर्ता और समर्थक अपने-अपने दलों के झंडों के साथ डटे रहे। नेताओं के भाषणों के दौरान लगातार नारे गूंजते रहे और तालियों की गड़गड़ाहट सुनाई देती रही। रैली का माहौल केवल आयोजन स्थल तक सीमित नहीं था, बल्कि आसपास के इलाके में भी राजनीतिक सरगर्मी दिखाई दी।













वर्ल्ड बैंक रिपोर्ट का दिया हवाला, कहा- गरीबी में गिरावट ऐतिहासिक उपलब्धि

मोदी बोले- गरीबी हटाना सिर्फ नारा नहीं, हमारी प्रतिबद्धता और संकल्प

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत में गरीबी कम करने की दिशा में हुई प्रगति को ऐतिहासिक उपलब्धि बताया है। उन्होंने विश्व बैंक की ताजा रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि देश में अत्यधिक गरीबी में उल्लेखनीय गिरावट आई है और करोड़ों लोगों के लिए नए अवसर पैदा हुए हैं।

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

प्रधानमंत्री मोदी ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट के जरिए विश्व बैंक की रिपोर्ट के निष्कर्ष साझा किए। उन्होंने लिखा, 'गरीबी में ऐतिहासिक गिरावट, अवसरों में पीढ़ीगत वृद्धि।' पोस्ट में एक अन्य संदेश में कहा गया कि 'गरीबी हटाओ' उनके लिए कभी केवल नारा नहीं, बल्कि एक प्रतिबद्धता रही है। विश्व बैंक के मुताबिक, पिछले एक दशक में भारत ने आर्थिक और गैर-आर्थिक, दोनों स्तरों पर गरीबी घटाने में उल्लेखनीय प्रगति की है। विश्व बैंक की अक्टूबर 2026 की 'इंडिया पावर्टी एंड इक्विटी ब्रीफ' रिपोर्ट के अनुसार, भारत में अत्यधिक गरीबी की दर 2011 में 27.1 प्रतिशत थी, जो 2023 में घटकर 2.6 प्रतिशत रह गई।



गरीबी से बाहर आए 49.6 करोड़ लोग

रिपोर्ट में यह भी अनुमान लगाया गया है कि इस अवधि में लगभग 49.6 करोड़ लोग गरीबी से बाहर आए। रिपोर्ट में अत्यधिक गरीबी के आकलन के लिए प्रतिदिन तीन डॉलर और निम्न-मध्यम आय वर्ग की गरीबी के लिए 4.20 डॉलर की सीमा निर्धारित की गई है। ये आंकड़े 2021 की क्रय शक्ति समता पर आधारित हैं।

रोजगार के 13.4 करोड़ नए अवसर बने

मोदी ने कहा कि पिछले 6 साल में रोजगार के 13.4 करोड़ नए अवसर बने हैं। यह संख्या कामकाजी उम्र की आबादी में हुई बढ़ोतरी से करीब दोगुनी है। उन्होंने देश में आर्थिक असमानता कम होने की बात भी कही। मोदी ने कहा कि वर्ल्ड बैंक के मुताबिक भारत में दुनिया में सबसे तेजी से गरीबी कम हुई है। उन्होंने आर्थिक असमानता मापने वाले गिनी इंडेक्स का भी जिक्र किया।

बुनियादी सुविधाओं में भी हुआ सुधार

गरीबी में कमी सिर्फ कमाई तक सीमित नहीं रही। लोगों के रहन-सहन और बुनियादी सुविधाओं तक पहुंच में भी सुधार हुआ है। ऑक्सफोर्ड की रिपोर्ट के मुताबिक, 2005-06 में देश की 53.8% आबादी इन बुनियादी सुविधाओं से वंचित थी। 2019-21 तक यह आंकड़ा घटकर 16.4% रह गया। वहीं, वर्ल्ड बैंक के पैमाने के अनुसार 2022-23 में नॉन-मॉनेटरी गरीबी घटकर 15.5% रह गई।

अभी भी देश के सामने खड़ी हैं चुनौतियां

वर्ल्ड बैंक के मुताबिक, गरीबी घटने के बावजूद देश में कई चुनौतियां बनी हुई हैं। भारत के कुल गरीबों में से करीब 57% उत्तर प्रदेश से पश्चिम बंगाल के बीच के इलाकों में रहते हैं। इन क्षेत्रों में रोजगार के नए और बेहतर अवसर पैदा करना जरूरी है। युवाओं में बेरोजगारी बढ़ी: युवाओं में बेरोजगारी की दर 14.6% से बढ़कर 15.9% हो गई है। इनमें ग्रामीण युवा महिलाओं की संख्या ज्यादा है। कमाई में बड़ा सुधार नहीं: लोगों को रोजगार तो मिला, लेकिन उनकी आमदनी में ज्यादा बढ़ोतरी नहीं हुई।

गरीबी घटने की तीन वजह : खपत बढ़ी, महिलाओं को मिला रोजगार

लोगों की खरीदने की क्षमता बढ़ी: आम लोगों की कमाई और खर्च करने की क्षमता में सुधार हुआ है।
ग्रामीण महिलाओं को काम मिला: 2017 से 2023 के बीच करीब 13.4 करोड़ नए रोजगार के अवसर बने। इनमें ग्रामीण महिलाओं की भागीदारी सबसे ज्यादा रही। कई महिलाएं पहली बार कमाई वाले कामों से जुड़ीं।
सरकारी योजनाओं से मदद: मुफ्त राशन और सीधे बैंक खातों में पैसे भेजने जैसी योजनाओं से गरीब परिवारों को सहारा मिला।



हवाई यात्रा का बदलेगा अंदाज

सात हवाई अड्डों पर ई-पासपोर्ट से तत्काल प्रवेश हुआ शुरू

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

डिजी यात्रा ने इस महीने से भारत के 7 बड़े हवाई अड्डों पर अपनी डिजिटल पहचान प्रणाली का ट्रायल शुरू कर दिया है। यह ट्रायल दिसंबर 2026 तक जारी रहेगा। जो भी भारतीय नागरिक ई-पासपोर्ट रखते हैं और एयर इंडिया या इंडिगो की चुनिंदा अंतरराष्ट्रीय उड़ानों से विदेश जा रहे हैं, वे अब हवाई अड्डे पर अपनी पहचान डिजिटल तरीके से जांच करवा सकते हैं। इससे उनकी यात्रा प्रक्रिया पहले से कहीं ज्यादा सुगम बन जाएगी।

इन हवाई अड्डों पर शुरू हुआ ट्रायल

ये ट्रायल दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु, हैदराबाद, चेन्नई, कोचीन और अमृतसर हवाई अड्डों पर हो रहे हैं। जिन भारतीय नागरिकों के पास ई-पासपोर्ट है, वे एयर इंडिया और इंडिगो की कुछ अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए डिजी यात्रा मोबाइल ऐप का इस्तेमाल करके ई-पासपोर्ट से जुड़ा वेरिफायबल क्रेडेंशियल बना सकते हैं। इसकी मदद से यात्री एंट्री पॉइंट और बोर्डिंग गेट से तेजी से निकल पाएंगे, हालांकि उन्हें अपने पारंपरिक यात्रा दस्तावेज साथ रखने होंगे। इन ट्रायल से मिलने वाली जानकारियों के आधार पर 2027 में इस सुविधा का बड़े पैमाने पर विस्तार किया जाएगा।

नए वायुसेना प्रमुख ने दिया 'वायु' मंत्र

नई तकनीकों और प्रणालियों से बदल रहा है युद्ध का स्वरूप

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

एयर चीफ मार्शल आशुतोष दीक्षित ने कल नए वायु सेना प्रमुख का पद संभाला था। आज परेड ग्राउंड में सलामी लेने के बाद उन्होंने अपने पहले सार्वजनिक संबोधन में 'वायु' यानी वीएवाययू दृष्टिकोण के तहत वायु सेना के लिए अपनी प्राथमिकताओं की रूपरेखा पेश की। उन्होंने कहा, हमारी सुरक्षा से जुड़ी चुनौतियां अभी भी गंभीर बनी हुई हैं। ड्रोन और लंबी दूरी तक सटीक हमला करने वाले हथियारों जैसी नई तकनीकों और



प्रणालियों से युद्ध का स्वरूप बदल रहा है। एयर चीफ मार्शल दीक्षित ने कहा, हमारी प्राथमिकताओं को एक शब्द वायु यानी वीएवाययू में समेटा जा सकता है। वी का मतलब विजिलेंस, विक्ट्री और रेडीनेस (सतर्कता, जीत और तत्परता) है। हर स्क्वाड्रन, हर रडार, हर एयर डिफेंस यूनिट और हर जवान को किसी भी समय जवाब देने के लिए तैयार रहना होगा। ए का मतलब आत्मनिर्भरता है। तेजस एमके-1ए और एमके-2, एएमसीए, भारतीय सेंसर और स्वदेशी हथियार हमारी सबसे बड़ी प्राथमिकताएं हैं।

दीक्षित बोले- वाय का मतलब

एयर चीफ मार्शल ने कहा वाय का मतलब युक्ति है। यानी हमारी सोच, विचार रणनीति और तकनीक में नवाचार। एआई-आधारित कमान एवं नियंत्रण प्रणाली, ड्रोन के खिलाफ कई स्तरों वाली रक्षा व्यवस्था सहित अन्य स्तरों की लगातार समीक्षा। यू का मतलब सामूहिक प्रयास और एकजुटता है। हम थलसेना, नौसेना और एजेंसियों के साथ मिलकर योजना बनाएंगे और एकजुट होकर काम करेंगे।

खबर संक्षेप

फ्रांस में हिंसा, जर्मनी के कई शहरों में झड़पें व लूटपाट



पेरिस। फ्रांस में बढ़ती महंगाई के खिलाफ शनिवार को हुए व्यापक प्रदर्शनों के दौरान पिछले दो सप्ताहांत की तुलना में कम हिंसा हुई, जिससे अधिकारियों ने राहत की सांस ली। हालांकि, सोमवार को विद्यालयों के दोबारा खुलने के बाद और प्रदर्शन होने की आशंका है। इस बीच, जर्मनी में शनिवार को देशव्यापी प्रदर्शनों के बाद कुछ शहरों में हिंसा भड़क गई और दंगाइयों ने पुलिस पर हमले करने के साथ दुकानों में लूटपाट की। यूरोप के विभिन्न देशों में युवाओं से प्रेरित प्रदर्शनों में शनिवार को लाखों लोगों ने हिस्सा लिया।

देसी बम विस्फोट में दो मृत, सात घायल

हैदराबाद। तेलंगाना के कामारेड्डी जिले में रविवार को जंगली सूअरों के शिकार के लिए बनाए गए देसी बमों में विस्फोट होने से दो बच्चों की मौत हो गई वहीं सात लोग घायल हो गए। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि चार लोग शिकार पर निकलने की तैयारी कर रहे थे, तभी ये देसी बम फट गए। उन्होंने कहा कि इस विस्फोट में दो बच्चों सहित सात लोग घायल हो गए बाद में जिनकी मौत हो गई। उन्होंने कहा, /"घायलों की चोटें जानलेवा नहीं है। जंगली सूअरों का शिकार करना और इस तरह के देसी बम बनाना गैरकानूनी है। पुलिस द्वारा इस मामले में विस्फोटक अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है।

मॉक पार्लियामेंट में ही बने रहिए पीएम असली कुर्सी कभी नहीं मिलेगी

अमित शाह का राहुल पर तीखा हमला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर तीखा राजनीतिक हमला बोला। चंडीगढ़ में 1984 के सिख विरोधी दंगों की बरसी पर आयोजित एक कार्यक्रम में शाह ने राहुल गांधी की राजनीतिक नेतृत्व क्षमता, प्रधानमंत्री बनने की महत्वाकांक्षा और कांग्रेस की चुनावी स्थिति पर निशाना साधा। उन्होंने विपक्ष की ओर से मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ आयोजित प्रतीकात्मक महाभियोग और मॉक पार्लियामेंट की कार्यवाही



■ 1984 के सिख विरोधी दंगों की बरसी पर रैली

पर कटाक्ष करते हुए कहा कि राहुल गांधी को मॉक पार्लियामेंट में ही प्रधानमंत्री बने रहना चाहिए, क्योंकि देश का प्रधानमंत्री बनने की उनकी बारी कभी नहीं आएगी। शाह ने तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी के उस विवादित बयान का भी उल्लेख किया, जिसमें उन्होंने कहा था कि जब बड़ा पेड़ गिरता है तो धरती हिलती

मोहब्बत की दुकान पर भी कसा तंज

शाह ने राहुल गांधी के चर्चित नारे 'मोहब्बत की दुकान' पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी की मोहब्बत की दुकान में मोहब्बत नहीं, बल्कि नफरत के अलावा कुछ नहीं मिलता। शाह ने आरोप लगाया कि कांग्रेस और उसका नेतृत्व राजनीतिक रूप से नकारात्मकता फैला रहा है।
दिल्ली चुनावों में तीन बार कांग्रेस शून्य पर : गृह मंत्री ने दिल्ली विधानसभा चुनावों पर भी राहुल गांधी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पिछले तीन विधानसभा चुनावों में दिल्ली में एक भी सीट नहीं जीत पाई है। शाह ने दावा किया कि अगले तीन चुनावों में भी कांग्रेस दिल्ली में अपना खाता नहीं खोल पाएगी। उन्होंने पार्टी को फिर से विपक्ष में बैठने के लिए तैयार रहने की बात कही।

1984 के दंगों की बरसी पर रैली को लेकर सवाल

शाह ने दिल्ली के रामलीला मैदान में आयोजित इंडिया गठबंधन की रैली की तारीख पर भी कड़ी आपत्ति जताई। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने 1984 के सिख विरोधी दंगों की बरसी के दिन राजनीतिक रैली आयोजित कर पीड़ित परिवारों के जख्मों पर नमक छिड़का है।

पंजाब की राजनीति पर भी नजर

चंडीगढ़ में शाह का यह हमला ऐसे समय आया है जब पंजाब में 2027 के विधानसभा चुनाव की राजनीतिक तैयारियां तेज हो रही हैं। भाजपा राज्य में अपना राजनीतिक आधार विस्तार करने और अपने दम पर सरकार बनाने का लक्ष्य सामने रख रही है। शाह ने पंजाब को दिसंबर 2029 तक नशामुक्त बनाने का भी संकल्प दोहराया।

मणिपुर में दो हिंसक घटनाएं

तीन कुकियों और लापता दो युवकों सहित 5 की हत्या

एजेंसी ▶▶| इम्फाल

मणिपुर में शनिवार को दो अलग-अलग घटनाओं में 5 लोगों की मौत हो गई। नोनी जिले के केकरू नगा गांव में दो हथियारबंद गुटों के बीच कई घंटे तक गोलीबारी हुई। इसमें कुकी समुदाय के 3 लोगों की जान चली गई। वहीं, कांगपोकपी जिले में 29 अक्टूबर से लापता दो युवकों के शव रविवार को मिले। दोनों युवक ताफौ कुकी गांव से लापता हुए थे। पहाड़ी



इलाके में मिले शवों की पहचान की जा रही है। पुलिस ने कहा कि इलाके में हालात काबू में रखने के लिए जरूरी सुरक्षा इंतजाम किए गए हैं। इस साल मणिपुर में हिंसा से जुड़ी घटनाओं में करीब 100 लोगों की मौत हो चुकी है।

इम्फाल में मैतेई संगठनों ने निकाली रैली : मणिपुर की राजधानी इम्फाल में शनिवार को मैतेई संगठनों ने रैली निकाली। इसमें स्थानीय लोगों की सुरक्षा और कुकी उग्रवादी समूहों के साथ सस्पेंशन ऑफ ऑपरेशन समझौता रद्द करने की मांग की गई। प्रदर्शनकारियों ने 'सेव मणिपुर' लिखे पोस्टर और तख्तियां ले रखी थीं। इन पर 'हमें शांति और न्याय चाहिए' और समझौता रद्द करो' जैसे नारे लिखे थे।

केकरू नगा गांव में हुआ विरोधी गुटों में टकराव

पुलिस ने बताया कि नोनी जिले के केकरू नगा गांव में शनिवार सुबह दो विरोधी गुटों में टकराव हो गया और कई घंटे तक दोनों तरफ से गोलियां चलती रहीं। कुकी समुदाय के संगठन कुकी इनपी मणिपुर ने नगा उग्रवादी गुटों पर हत्या का आरोप लगाया है। संगठन ने सरकार से दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने और पीड़ितों को न्याय दिलाने की मांग की है।

लापता युवकों के शव पहाड़ी पर मिले

कांगपोकपी जिले के ताफौ कुकी गांव से दो युवक 29 अक्टूबर को लापता हो गए थे। उनकी तलाश के लिए मणिपुर पुलिस व सेना की इकाईयां संयुक्त अभियान चला रही थीं। रविवार को राष्ट्रीय राजमार्ग-2 के पूर्व में पहाड़ी इलाके में दोनों के शव मिले।

सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में हलफनामे में किया स्वीकार, कहा- जांच जारी है

सरकार ने माना दवाओं पर वसूला जाता है 700% तक लाभ, इसके खिलाफ कदम उठाएंगे

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

निजी अस्पतालों में दवा और जांच के नाम पर मनमानी वसूली पर जल्द लगाम लग सकती है। केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में स्वीकार किया है कि अस्पताल मरीजों से दवाओं और सामग्रियों पर ज्यादा एमआरपी वसूलते हैं। अपने हलफनामे में सरकार ने कहा कि वह इस समस्या से अवगत है, इसकी जांच कर रही है और सभी संबंधित पक्षों से सलाह लेकर उचित कदम उठाने की योजना बना रही है।
सरकार ने कहा- मरीजों से वसूली जा रही ज्यादा कीमत : हलफनामे में रसायन और उर्वरक मंत्रालय ने कहा कि अस्पतालों के सामने मरीजों की मोलभाव करने की स्थिति बहुत कमजोर होती है, जिसका फायदा उठाकर कई तरह की गलत प्रथाएं अपनाई जाती हैं। हलफनामे में जिक्र किया गया है कि भारत में सस्ती दवाएं बनाने वाली कंपनियां मौजूद हैं, फिर भी मरीजों को दवाओं की निर्माण लागत से कहीं ज्यादा कीमत चुकानी पड़ती है और अस्पताल उनसे जरूरत से ज्यादा पैसे वसूलते हैं। हलफनामे में कहा गया है कि अस्पताल उन



निर्माताओं से दवाएं खरीदते हैं, जो सबसे ज्यादा मार्जिन देते हैं। अस्पताल इन दवाओं को एमआरपी पर बेचते हैं, जिसमें 170 से 700 प्रतिशत या उससे भी ज्यादा मार्जिन होता है। सरकार ने कहा, चिंता का एक और विषय अस्पतालों में इस्तेमाल होने वाली सामग्री की आपूर्ति है। यहां 100 से लेकर 1000 प्रतिशत का मार्जिन आम बात है। अस्पताल ऐसी सामग्री खरीदते हैं जिनकी एमआरपी और मार्जिन बहुत ज्यादा होती है।

मरीज की मोलभाव की क्षमता काफी कम

सरकार ने कहा, भारतीय दवा बाजार काफी प्रतिस्पर्धी है, जहां हर तरह की दवाओं के सेगमेंट में कई कंपनियां मौजूद हैं। आमतौर पर, जहां काफी प्रतिस्पर्धा होती है, वहां कीमतों को नियंत्रित करने की जरूरत नहीं होती, लेकिन स्वास्थ्य उपचार और दवाओं के मामले में, एक तरफ मरीज होते हैं और दूसरी तरफ रिटेल फार्मेसी, अस्पताल की फार्मेसी, इलाज करने वाले अस्पताल और डॉक्टर होते हैं। इनके बीच जानकारी और मोलभाव करने की क्षमता में भारी अंतर होता है।

कीमतों पर नियंत्रण के लिए सरकार उठा रही कदम

सरकार ने कहा कि 935 जरूरी दवाओं के लिए अधिकतम कीमत तय कर दी गई है और 3,881 नई दवाओं के लिए रिटेल कीमतें निर्धारित की गई हैं। कैंसर की दवाओं पर भी सरकार ने कदम उठाए हैं। अक्टूबर में 137 नॉन-शेड्यूल्ड कैंसर दवाओं के लिए ट्रेड मार्जिन 30 प्रतिशत तक सीमित किया गया है। अनुमान के मुताबिक, इससे इन दवाओं की एमआरपी में 70 प्रतिशत तक कमी हो सकती है।

विशाखापट्टनम में घटना

डॉकयार्ड में खड़े नौसेना के जहाज केसरी में पानी घुसा

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

आंध्र प्रदेश के विशाखापट्टनम स्थित नेवल डॉकयार्ड में कल दोपहर भारतीय नौसेना के जहाज आईएनएस केसरी में पानी घुस गया। घटना के समय जहाज डॉकयार्ड में खड़ा था। नौसेना के प्रवक्ता ने बताया कि घटना में कोई घायल नहीं हुआ है। जहाज से पानी निकालने का काम जारी है। फिलहाल यह जानकारी नहीं दी गई है कि जहाज में पानी किस वजह से और किस हिस्से में घुसा। पहले भी नौसेना के जहाजों में पानी भरने और डूबने की घटनाएं हुई हैं लेकिन केसरी में पानी भरने की जानकारी सही समय पर मिल जाने के कारण किसी प्रकार का कोई नुकसान नहीं हुआ।

नौसेना का बड़ा जंगी जहाज है आईएनएस केसरी

आईएनएस केसरी शार्दूल क्लास का टैंक लैंडिंग शिप है। इसे भारत में ही गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स ने तैयार किया था। 5 अप्रैल 2008 को इसे भारतीय नौसेना में शामिल किया गया। 125 मीटर लंबे इस जहाज का मुख्य काम सैनिकों, टैंकों और सैन्य वाहनों को समुद्र के रास्ते तट तक पहुंचाना है। इसका इस्तेमाल उभयचर सैन्य अभियानों में किया जाता है।

नवा रायपुर में एयर शो, ढाई घंटे बंद रहेगा रनवे, दिल्ली-लखनऊ-हैदराबाद की फ्लाइट री-शेड्यूल

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

रविवार को पहला शो, कोलकाता, भुवनेश्वर बिफोर टाइम संचालित हुई



राज्योत्सव के अवसर पर नवा रायपुर में एयर शो की वजह से स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट का रनवे ढाई घंटे बंद रहेगा। इस कारण सुबह 11 से दोपहर 1.30 बजे तक संचालित होने वाली दिल्ली, लखनऊ और हैदराबाद की फ्लाइट री-शेड्यूल होगी। रविवार को पहले शो के दौरान कोलकाता, भुवनेश्वर की फ्लाइट समय से पहले संचालित हुई।

एयर शो लगभग 40 मिनट का होगा, इसलिए किसी भी फ्लाइट पर इसका बहुत ज्यादा असर नहीं होगा। शो की वजह से लगभग ढाई घंटे विमानों का संचालन रोका जाएगा। इस अवधि में आने वाली फ्लाइट्स को या तो समय से पहले अथवा बाद में संचालित किया जाएगा। सूत्रों के अनुसार सुबह 11 से दोपहर 1.30 बजे की बीच दिल्ली, लखनऊ, हैदराबाद और कोलकाता की फ्लाइट का संचालन होता है। एयरपोर्ट प्रबंधन से जुड़े सूत्रों के मुताबिक एयरलाइंस कंपनी इनके शेड्यूल में मामूली रूप से बदलाव कर संचालित करेगी। इन फ्लाइट के यात्रियों को एसएमएस सहित अन्य माध्यम से फ्लाइट के वास्तविक शेड्यूल की जानकारी दी जाएगी। रविवार को शो के दौरान भी कुछ विमानों को री-शेड्यूल कराया चलाया गया। इसमें कोलकाता से रायपुर आने वाली सुबह 11 बजे वाली फ्लाइट सुबह 10.10 बजे आकर 10.45 बजे रवाना हो गई। इसी तरह भुवनेश्वर से रायपुर आने वाली 11.45 की फ्लाइट 10.20 बजे आकर 10.55 को लखनऊ रवाना हो गई। इसके बाद की हैदराबाद और दिल्ली की फ्लाइट अपने समय पर संचालित की जाएगी।

विंटर शेड्यूल का भी असर

वर्तमान में विमानों का संचालन विंटर शेड्यूल के हिसाब से किया जा रहा है। इसकी वजह से कई फ्लाइट की टाइमिंग में होने वाले बदलाव का असर रायपुर आने वाले एयरक्रॉफ्ट पर भी हो रहा है। एयर शो की वजह से करीब ढाई घंटे विमानों का ऑपरेशन बंद होने की वजह से फ्लाइट्स पर इसका ज्यादा असर नहीं हो रहा है।

ठीकठाक चल रही अंबिकापुर-रायपुर फ्लाइट

एलायंस एयर ने विंटर शेड्यूल के दौरान जगदलपुर-रायपुर के बीच संचालित होने वाली फ्लाइट का दायरा अंबिकापुर तक बढ़ाया है। सप्ताह में तीन दिन संचालित होने वाली इस फ्लाइट को पिछली उड़ानों के दौरान पचास फीसदी से ज्यादा यात्री मिले हैं। क्षेत्रीय उड़ान के कटु अनुभव की वजह से इस सेक्टर में उड़ान की सफलता अथवा असफलता के लिए आने वाले दिनों का इंतजार किया जा रहा है।

पुष्य नक्षत्र पर बाजार में बरसे एक ही दिन में दो हजार करोड़

सुबह से लेकर रात तक रही बाजार में खरीदारों की भीड़

हरिभूमि न्यूज : रायपुर



प्रदेश में रविवार को पुष्य नक्षत्र पर राजधानी रायपुर के साथ ही प्रदेश के हर छोटे से लेकर बड़े शहरों में सुबह से लेकर रात तक सराफा, ऑटोमोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स, मोबाइल और कपड़ों की दुकानों में जमकर खरीदारी हुई। एक ही दिन में दो हजार करोड़ से ज्यादा का कारोबार होने की संभावना है। सबसे बड़ा कारोबार सराफा में आठ सौ से हजार करोड़ तक का हुआ है। इसके बाद इलेक्ट्रॉनिक्स और मोबाइल में करीब पांच सौ करोड़ का कारोबार हुआ है। जहां दो सौ करोड़ से ज्यादा के कपड़े बिके हैं, वहीं ऑटोमोबाइल सेक्टर में बूम रहा और करीब दो सौ करोड़ का कारोबार हुआ है। इसके अलावा रियल एस्टेट, बर्तन, फर्नीचर को मिलाकर सौ करोड़ से ज्यादा का कारोबार हुआ है।

इस समय सोने की कीमत लगातार कम हो रही है, लेकिन इसके बाद भी इसके दाम ज्यादा हैं। सोने के दाम पुष्य नक्षत्र से पहले 14200 और चांदी के दाम 183000 हो गए। रविवार के कारण आज बाजार में नया भाव नहीं खुलने पर शनिवार के भाव में ही बिक्री की गई। राजधानी रायपुर के सराफा बाजार के साथ ही प्रदेश के बड़े शहरों बिलासपुर, दुर्ग, भिलाई, राजनांदगांव सहित सभी बड़े शहरों के साथ छोटे शहरों में सराफा बाजार रात तक गुलजार रहेगा। सराफा कारोबारियों के मुताबिक एक दिन में 800 से 1000 करोड़ के कारोबार का अनुमान है। सराफा कारोबारी लक्ष्मी नारायण लाहोटी के मुताबिक भारी संख्या में ग्राहकों ने पहले से बुकिंग भी की थी। सराफा कारोबारी हरख माल्लू के मुताबिक दाम कम होने के कारण कारोबार अच्छा हुआ है। कपड़ों का बाजार तो नवरात्रि के समय से ही गुलजार है। यहां पर लगातार खरीदारी हो रही है।

पुष्य नक्षत्र पर भी बाजार गुलजार रहा। पंडरी कपड़ा बाजार एसोसिएशन के संरक्षक चंदर विधानी के मुताबिक राजधानी रायपुर के साथ प्रदेश के कई शहरों के ग्राहक भी खरीदारी करने के लिए लगातार आ रहे हैं। दीपावली के बाद शादियों का सीजन भी रहेगा, ऐसे में पुष्य नक्षत्र में प्रदेश भर में दो सौ करोड़ से ज्यादा का कारोबार रेडीमेड को मिलकर होने का अनुमान है।

दो सौ करोड़ के बिके वाहन

पुष्य नक्षत्र पर वाहनों की खरीदारी को भी बहुत शुभ माना जाता है। राजधानी रायपुर के साथ प्रदेश भर में करीब दस हजार बाइक और करीब पांच सौ चार पहिया वाहन बिके हैं। अधिकृत आंकड़ा एक दिन बाद ही सामने आ पाएगा। प्रदेश में करीब दो सौ करोड़ का कारोबार हुआ है। फाडा के छत्तीसगढ़ के अध्यक्ष विवेक गर्ग के मुताबिक सबसे ज्यादा कारोबार धनतेरस पर होगा। प्रदेश में इस बार त्योहारी सीजन में डेढ़ लाख से ज्यादा वाहन बिकने का अनुमान है।

मोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स में 500 करोड़ का कारोबार

मोबाइल और इलेक्ट्रॉनिक्स बाजार में भी सुबह से लेकर रात कक जमकर खरीदारी हुई है। महंगे मोबाइल के साथ ही कम कीमत के मोबाइल भी बहुत बिके हैं। इसी के साथ इलेक्ट्रॉनिक आइटमों में बड़ी स्क्रीन वाली एलईडी का ज्यादा क्रेज रहा। इसमें ऑफर के कारण इसकी बिक्री ज्यादा हुई है। वाशिंग मशीन, एसी, फ्रिज से लेकर होम थियेटर सहित कंप्यूटर और अन्य आइटमों की भी लोगों ने अपने जरूरत कके हिसाब से खरीदारी की है। कारोबारी राजेश वासवानी के मुताबिक पुष्य नक्षत्र में एक ही दिन में पांच सौ करोड़ के कारोबार की संभावना है। धनतेरस तक प्रदेशभर में मोबाइल और इलेक्ट्रॉनिक सामानों को मिलाकर दो हजार करोड़ से ज्यादा का कारोबार हो जाएगा।

ब्रिटिश नागरिक की संदिग्ध मौत, पुलिस कमिश्नर ने दिए जांच के आदेश

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

पेशे से डॉक्टर ब्रिटिश नागरिक डॉ. कृष्ण कुमार की मौत के प्रकरण में पुलिस कमिश्नर ने नए सिरे से जांच के आदेश दिए हैं। घटना एक वर्ष पूर्व 23 अक्टूबर 2025 की है। मृतक के परिजनों ने पुलिस कमिश्नर के पास सितंबर में आवेदन पेश कर मौत की नए सिरे से जांच की मांग की थी। घटना की जांच की जिम्मेदारी डीसीपी नार्थ दीपमाला कश्यप को सौंपी गई है।

- मर्ग जांच में बाथरूम से फिसलकर गिरने से पसली की हड्डी टूटने की बात कही गई थी

कमिश्नर के पास दिए गए आवेदन में परिजनों ने मेडिकल दस्तावेजों, पोस्टमार्टम रिपोर्ट और पूर्व पुलिस जांच से जुड़े तथ्यों के आधार पर कई महत्वपूर्ण सवाल उठाए हैं। परिजनों का मुख्य सवाल है कि बाथरूम में गिरने से पसली तथा छाती में गंभीर चोट आखिर किन परिस्थितियों में लगी? बाथरूम के दरवाजे से टकराने की बताई गई घटना, अस्पतालों के मेडिकल रिकॉर्ड और अशोका रतन सोसायटी स्थित आवास पर उनकी देखभाल के दौरान की परिस्थितियों की निष्पक्ष जांच की परिजनों ने मांग की थी। डॉ. कृष्ण कुमार हर वर्ष दीपावली के समय परिजनों से मिलने भोपाल आते थे। उनकी एक भतीजी रायपुर के अशोका रतन में रहती हैं। दीपावली के समय उनकी भतीजी भी भोपाल जाती थी। 23 अक्टूबर 2025 को डॉ. कृष्ण कमार को भोपाल स्थित एक निजी अस्पताल में गंभीर हालत में उपचार के लिए भर्ती किया गया। बताया गया कि बाथरूम में पैर फिसलने से वे गिर गए और बाथरूम में लगे दरवाजे से उनकी पसली तथा छाती की हड्डी टूट गई।

रायपुर में उपचार के दौरान मौत

भोपाल में उपचार कराने के कुछ समय बाद ब्रिटिश नागरिक को रायपुर लाया गया। उन्हें 11 नवंबर को एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां उपचार के दौरान उनकी 2 दिसंबर 2025 को मौत हो गई थी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में दाहिनी तरफ तीसरी से आठवीं पसली तक फ्रैक्चर होने का उल्लेख दर्ज है। इसे लेकर परिजनों ने आशंका व्यक्त करते हुए कहा कि बाथरूम में पैर फिसलकर गिरने से आखिर इतनी गंभीर चोटें कैसे आ सकती हैं? इसलिए परिजनों ने नए सिरे से जांच की मांग की है।

पटना जाने स्पेशल ट्रेन में भी सीटों का संकट, थर्ड एसी में 138 वेटिंग पार, स्लीपर में बंद करनी पड़ी बुकिंग

गोंदिया-पटना पूजा स्पेशल की बुकिंग शुरू होते ही स्लीपर की सीटें फुल, अन्य फेरों में भी 100 से अधिक वेटिंग

नियमित ट्रेनों में महीनेभर पहले से बुकिंग, अब स्पेशल ट्रेनों में भी लंबी वेटिंग



हरिभूमि न्यूज : रायपुर

दीपावली और छठ पूजा पर अपने घर जाने वाले यात्रियों की परेशानी लगातार बढ़ रही है। नियमित ट्रेनों में करीब महीनेभर पहले से ही सीटें फुल होने लगी थीं। ऐसे में यात्रियों को उम्मीद थी कि रेलवे की ओर से चलाई जाने वाली स्पेशल ट्रेनें राहत देंगी, लेकिन इन ट्रेनों में भी सीटों की उपलब्धता तेजी से खत्म हो रही है। रेलवे की ओर से स्पेशल ट्रेनों की घोषणा के बाद बुकिंग शुरू होते ही 24 घंटे के भीतर कई ट्रेनों की सीटें भर गईं। अब यात्रियों को स्पेशल ट्रेनों में भी कंफर्म बर्थ के लिए इंतजार करना पड़ रहा है। पटना और बिहार की ओर जाने वाले यात्रियों के लिए स्थिति ज्यादा मुश्किल है। छठ पूजा से तीन-चार दिन पहले की नियमित ट्रेनों में वेटिंग करीब 100 से अधिक पहुंच गई है। गोंदिया-पटना-गोंदिया के बीच तीन-तीन फेरे के लिए पूजा स्पेशल ट्रेन चलाने का फैसला भी यात्रियों की भीड़ को देखते हुए लिया गया है। यह ट्रेन गोंदिया, डोंगरगढ़, राजनांदगांव, दुर्ग, रायपुर, भाटापारा, बिलासपुर, चांपा और रायगढ़ स्टेशनों पर ठहरेगी। इसके बावजूद स्पेशल ट्रेनों में सीटों की उपलब्धता सीमित होने से यात्रियों को राहत मिलने की उम्मीद कम नजर आ रही है।

पटना के लिए थर्ड एसी में 138 वेटिंग के पार

रेलवे ने गोंदिया-पटना-गोंदिया के बीच तीन-तीन फेरे की पूजा स्पेशल ट्रेन चलाने का फैसला लिया है। ट्रेन नंबर 08895 गोंदिया-पटना 6 से 20 नवंबर तक प्रत्येक शुक्रवार और 08896 पटना-गोंदिया 7 से 21 नवंबर तक प्रत्येक शनिवार को चलेगी, लेकिन बुकिंग शुरू होते ही इस ट्रेन में भी सीटों का संकट खड़ा हो गया है। 7 नवंबर के लिए स्लीपर श्रेणी में बुकिंग बंद हो चुकी है, जबकि थर्ड एसी में वेटिंग 138 के पार पहुंच गई है। अन्य शुक्रवार और शनिवार के फेरों में भी वेटिंग 100 से अधिक हो गई है। ऐसे में पटना जाने वाले यात्रियों को स्पेशल ट्रेन में भी कंफर्म बर्थ मिलना मुश्किल हो रहा है।

स्लीपर श्रेणी में वेटिंग 50 से अधिक

दिल्ली जाने वाले यात्रियों की परेशानी भी कम नहीं है। दुर्ग-दिल्ली के लिए फेस्टिवल स्पेशल ट्रेन चलाने की घोषणा की गई है, जबकि दुर्ग-निजामुद्दीन-दुर्ग के बीच तीन-तीन फेरे की पूजा स्पेशल ट्रेन भी चलाई जा रही है। इसके बाद भी दिल्ली रूट की नियमित ट्रेनों में स्लीपर श्रेणी में वेटिंग 80 से अधिक बताई जा रही है। थर्ड एसी में 40 से अधिक वेटिंग है।

हर साल बढ़ रही यात्रियों की भीड़

रेलवे के सामने त्योहारों के दौरान यात्रियों की बढ़ती संख्या बड़ी चुनौती बन रही है। हर साल दीपावली और छठ के समय यात्रियों की संख्या में करीब 40 से 50 हजार की बढ़ोतरी हो रही है। यही वजह है कि नियमित ट्रेनों के साथ स्पेशल ट्रेनों का संचालन भी यात्रियों की मांग के मुकाबले कम पड़ रहा है। स्पेशल ट्रेनों की घोषणा के बाद भी सीटें जल्दी भर जाने से साफ है कि त्योहारों पर घर जाने के लिए यात्रियों को पहले से योजना बनानी पड़ रही है।

नशे में धुत्त पति ने की पत्नी की पिटाई

रायपुर। राजेंद्र नगर थाना में एक महिला ने अपने पति के खिलाफ दहेज प्रताड़ना तथा नशे में धुत्त होकर मारपीट करने की शिकायत दर्ज कराई है। अमलीडीह मारुति रेसिडेंसी निवासी तेजस्विनी शर्मा ने अपने पति राहुल तथा सास पूर्णिमा तिवारी के खिलाफ दहेज प्रताड़ना का आरोप लगाया है। महिला ने अपने पति के खिलाफ आए दिन शराब के नशे में गाली-गलौज तथा मारपीट करने का आरोप लगाया है। महिला को उसका पति मारपीट कर घर से निकाल रहा था। इस दौरान महिला ने डॉयल-112 के माध्यम से पुलिस को घटना की सूचना दी।

राशिफल

मेष कार्यक्षेत्र में परिश्रम की अधिकता रहेगी। आय में व्यवधान आ सकते हैं, खर्चों में वृद्धि होगी। परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान की यात्रा पर जा सकते हैं।

वृष कार्यों के प्रति उत्साह रहेगा, परंतु बातचीत में संतुलित रहें। मन अशांत रहेगा, धर्म-कर्म के प्रति रूझान बढ़ेगा। खर्चों में वृद्धि होगी,स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

मिथुन अपनी भावनाओं को वश में रखें, आत्मविश्वास में कमी आएगी। क्रोध के अतिरेक से बचें, पारिवारिक जिम्मेदारी बढ़ सकती है।

कर्क आत्मविश्वास में कमी आएगी, शांत रहें। सुस्वाद खान-पान में रुचि बढ़ेगी,संचित धन में कमी आएगी, लेखनादि, बौद्धिक कार्यों से धर्नाजन हो सकता है।

सिंह पठन-पाठन में रुचि रहेगी, पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। नौकरी में तरक्की के अवसर मिलेंगे, संपत्ति का विस्तार हो सकता है।

कन्या नौकरी में परिवर्तन के साथ दूसरे स्थान पर भी जाना पड़ सकता है। आयात-निर्यात कारोबार में लाभ के अवसर प्राप्त होंगे।

तुला आलस्य की अधिकता रहेगी, घर-परिवार की सुख सुविधाओं का विस्तार होगा। जीवन साथी से मनमुटाव हो सकता है। परिश्रम की अधिकता रहेगी।

वृश्चिक वाणी में कठोरता के भाव रहेंगे,वस्त्रों आदि के प्रति रूझान बढ़ेगा। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे। संचित धन में वृद्धि होने के योग बन रहे हैं।

धनु रहन-सहन में असहज रहेंगे, मीठे खान-पान की ओर रूझान बढ़ेगा। संपत्ति से आय में बढ़ोत्तरी हो सकती है, नौकरी में स्थान परिवर्तन संभव है।

मकर आत्मविश्वास से परिपूर्ण रहेंगे, अध्ययन में रूचि रहेगी। संपत्ति के रखरखाव पर खर्चे बढ़ सकते हैं। चिकित्सा कार्यों में खर्च बढ़ सकते हैं।

कुंभ परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान की यात्रा पर जाना हो सकता है। खान-पान के प्रति सचेत रहें, स्वास्थ्य में गड़बड़ी हो सकती है।

मीन रहन-सहन कष्टकारी हो सकता है, अफसरों का सहयोग मिलेगा। परिवार का भी सहयोग मिलेगा, वस्त्रों आदि पर खर्चों में वृद्धि हो सकती है।

दिशा बदल रहा चक्रवात 'मुरासू', महाराष्ट्र तरफ आया तो मध्य हिस्से में भी बारिश

बस्तर में एक बार फिर होगा भारी वर्षा का दौर, 3-4 नवंबर को असर



हरिभूमि न्यूज : रायपुर

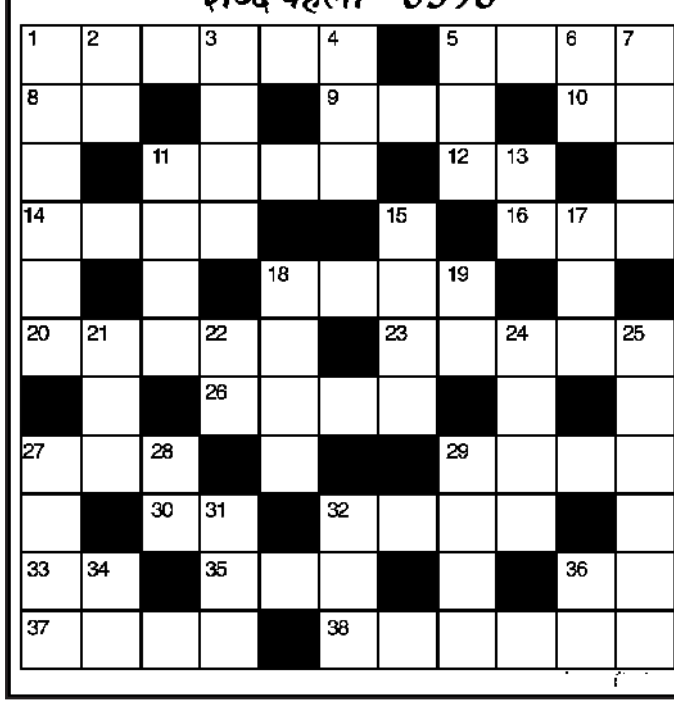
अर्नब के बाद बंगाल की खाड़ी में आया चक्रवात मुरासू लगातार अपनी दिशा बदल रहा है। समुद्र से जमीनी सतह पर आने के बाद अगर इसका रास्ता महाराष्ट्र की ओर होता है तो छत्तीसगढ़ के मध्य, यानी रायपुर में भी बारिश हो सकती है। इसका ज्यादा असर बस्तर में भारी वर्षा के रूप में 3 और 4 नवंबर को हो सकता है। अभी राज्य का मौसम अपनी सामान्य स्थिति में आ गया है और अधिकतम तापमान 30 डिग्री से ऊपर जा चुका है।

पिछले चक्रवाती तूफान के प्रभाव से राज्य में धान की फसल प्रभावित हुई है। अब आने वाला एक और नया चक्रवात चिंता का कारण बन रहा है। मुरासू नामक यह चक्रवात बंगाल की खाड़ी में लगातार दक्षिण आंध्रप्रदेश के नेल्लोर और नरसापुर के बीच जमीन पर आने आगे बढ़ रहा है। किनारे पर आने के दौरान चक्रवात की गति 110 किमी. प्रतिघंटे हो सकती है। विशेषज्ञों के मुताबिक, चक्रवात समुद्रतल में लगातार अपनी दिशा बदल रहा है। अगर यह महाराष्ट्र की तरफ बढ़ता है तो इसका छत्तीसगढ़ में ठीक-ठाक असर होगा और रायपुर समेत मध्य इलाके में अच्छी बारिश हो सकती है। विशेषज्ञों के मुताबिक, चक्रवात बस्तर के मौसम को एक बार फिर प्रभावित करेगा। वहां कुछेक इलाकों में भारी से अतिभारी वर्षा भी हो सकती है। चक्रवात का असर दो दिन रहने की संभावना है।

मंगल से बढ़ेगी हवा की गति

मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक, चक्रवात के प्रभाव से बादल छाने और हवा की गति में बढ़ोतरी होने के आसार हैं। इसके असर से बीजापुर, नारायणपुर, कांकेर में हवा की गति 10-20 किमी/घंटे रहने की संभावना है। इन जिलों में हल्की से मध्यम वर्षा होने अथवा गरज-चमक के साथ छींटे पड़ने तथा एक-दो स्थानों में अतिभारी वर्षा होने की संभावना है। इसी तरह 4 अक्टूबर को इसका असर दुर्ग तथा उससे लगे रायपुर संभाग के जिलों में हल्की से माध्यम वर्षा के रूप में रहने के आसार हैं। इस दौरान हवा की गति 10-15 किमी प्रतिघंटे रह सकती है ।

शब्द पहेली - 6396



बाएँ से दाएँ

1.जो आदरणीय न हो-6
5.अनुक्षेपक,अंश -4
8.साथ-2
9.छोटी तलवार-3
10.विदेशी शराब का एक प्रकार -2
11.दुश्मनी-4
12.इस जगह-2
14.अनवरत-4
16.लाचार,बेबस-3
18.धुलाई करना-4
20.न्यूनता,निम्नता-5
23.समुद्री यात्री-5
26.पूंजी,संपत्ति-4
27.असंयमी,स्वच्छंद-3
29.वन में रहनेवाला-4
30.उम्मीद,आशा-2
32.सौंठ,एक कंद-4
33.जोर,बल-2
35.बसंतकाल-3
36.जोश,उग्रता-2
37.पाताल-4
38.सभ्य,होनहार-3,3

ऊपर से नीचे

1.जो संवैधानिक न हो-6
2.सांप,सर्प-2
3.दानेदार-4
4.जिगर,कलेजा-3
5.प्रेम,प्यार-3
6.पंख,पराया-2
7.मरियल, निर्बल-4
11.शत्रुता,वैमनस्यता (उर्दू-4)
13.शिकार फंसाने के लिए चिल्लाना-2
15.सुस्त,उनींदा-4
17.पदक-3
18.विश्वासघात-4
19.बहुमूल्य पत्थर-2
21.रानी,शहजादी-3
22.फलों का जूस-2
24.कुतरने वाला-4
25.मानक समुद्र तल (अंग्रेजी-2,1,3)
27.अपमान,उपेक्षित-4
28.पिता की बहन-2
29.सुखद वस्तु, इष्ट कृपा, नेमत-4
31.बलवान-3
32.प्रार्थना-3
34.तिल,मस्सा-2
36.52 पत्तों का खेल, प्लेइंग कार्ड-2

शब्द पहेली- 6395 का हल

आ	द	त	न	■	ल	■	या	य	लि	न
■	ल	■	रा	■	प	द्य	ज	■	ख्य	फा
ए	■	■	ध	व	ल	■	र	■	■	स
ह	र	द	म	■	पा	ल	■	फ	क	त
सा	■	म	■	दा	ना	■	सा	■	मा	■
न	वी	न	त	म	■	अ	ज	वा	ई	न
■	र	■	वा	■	स	दा	■	रि	■	वी
प	ता	का	■	ह	क	■	अ	स	मा	न
र	■	■	जी	■	प	र	दा	■	■	ता
वा	त	■	न	ल	का	■	व	■	द	■
ज	ल	र	त	■	ना	■	त	ल	या	र

सूडोकु नवताल - 6406

कठिनतम

				1			6	
					5			
2		3	9			8		
6							5	
			8		3			
	1							4
		7			1	3		9
			2					
	5			6				

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 6405 का हल

7	6	8	2	1	9	3	4	5
2	1	5	6	3	4	8	7	9
3	4	9	5	7	8	6	1	2
5	7	4	8	6	1	9	2	3
9	2	1	3	4	5	7	8	6
8	3	6	7	9	2	1	5	4
1	5	3	4	8	5	2	9	7
4	9	7	1	2	3	5	6	8
6	8	2	9	5	7	4	3	1

MANGA, SENACHA, BANGALORE

खबर संक्षेप

टाटा मोटर्स की बिक्री में 23 फीसदी का उछाल



नई दिल्ली। टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स ने बताया कि घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में अक्टूबर में उसकी कुल बिक्री 23 प्रतिशत बढ़कर 75,426 इकाई पर पहुंच गई। कंपनी ने पिछले साल के इसी महीने में कुल 61,295 वाहन बेचे थे। पिछले महीने घरेलू बाजार में यात्री वाहनों की उसकी बिक्री 21 प्रतिशत बढ़कर 73,894 इकाई हो गई।

एचएमएसआई की कुल बिक्री में 13 प्रतिशत वृद्धि

नई दिल्ली। होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया ने रविवार को कहा कि घरेलू बाजार और निर्यात को मिलाकर अक्टूबर में उसकी कुल थोक बिक्री सालाना आधार पर 13 प्रतिशत बढ़कर 7.34 लाख इकाई हो गई। वाहन विनिर्माता कंपनी ने अक्टूबर, 2025 में 6.50 लाख इकाइयां बेची थीं।
समीक्षाधीन अवधि में कंपनी की घरेलू बिक्री सालाना आधार पर 11 प्रतिशत बढ़कर 5.98 लाख इकाई से 6.64 लाख इकाई हो गई, जबकि निर्यात 35 प्रतिशत बढ़कर 51,644 इकाई से 69,735 इकाई पर पहुंच गया।

जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर की बिक्री 19 फीसदी बढ़ी



नई दिल्ली। जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया की अक्टूबर, 2026 में थोक बिक्री सालाना आधार पर 19 प्रतिशत बढ़कर 8,013 वाहन पर पहुंच गई। कंपनी के अनुसार, हाल ही में पेश किए गए मॉडल एमजी हेक्टर टॉमहॉक ईवी और विंडसर इंडल्ज एडिशन को ग्राहकों की जबर्दस्त प्रतिक्रिया मिली है।
जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया, जेएसडब्ल्यू समूह और चीन की एसएआईसी मोटर का संयुक्त उद्यम है।

एस्कॉर्ट्स कुबोटा की बिक्री 10 फीसदी घटी

नई दिल्ली। एस्कॉर्ट्स कुबोटा लिमिटेड की कुल ट्रैक्टर बिक्री अक्टूबर 2026 में सालाना आधार पर 10 प्रतिशत घटकर 16,921 इकाई रही है। कंपनी ने पिछले साल अक्टूबर में 18,798 ट्रैक्टर बेचे थे। कंपनी ने रविवार को जारी बयान में बताया कि अक्टूबर में घरेलू ट्रैक्टर बिक्री 10.9 प्रतिशत घटकर 16,412 इकाई रह गई, जबकि एक साल पहले इसी महीने में यह आंकड़ा 18,423 इकाई था। हालांकि, इस दौरान कंपनी का निर्यात 35.7 प्रतिशत बढ़कर 509 इकाई हो गया।

हुंडई मोटर ने बिक्री का नया रिकॉर्ड बनाया



नई दिल्ली। हुंडई मोटर इंडिया लिमिटेड ने अक्टूबर में अबतक की सर्वाधिक मासिक बिक्री दर्ज की है। कंपनी ने बीते माह घरेलू बाजार और निर्यात मिलाकर कुल 82,299 वाहनों की बिक्री की, जो पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 17.7 प्रतिशत अधिक है।

'निष्क्रिय' कंपनियों को बाजार से हटाने काम कर रहा सेबी : पांडेय

एजेंसी ▶▶| कोलकाता

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ऐसी सूचीबद्ध कंपनियों को शेयर बाजार से हटाने के लिए काम कर रहा है, जो वास्तव में किसी प्रकार की आर्थिक गतिविधियों में शामिल नहीं हैं। सेबी के चेयरमैन तुहिन कांत पांडेय ने शनिवार को यह जानकारी देते हुए कहा कि ऐसी कंपनियों की बाजार में मौजूदगी निवेशकों के लिए संभावित खतरा बन सकती है।
पांडेय ने कहा कि शेयर बाजार में कई ऐसी कंपनियां सूचीबद्ध हैं, जिनकी कोई वास्तविक कारोबारी गतिविधि नहीं है।

इन कंपनियों के शेयरों का इस्तेमाल कुछ बाजार संचालक कीमतों में कृत्रिम तेजी लाने और बाद में शेयर बेचकर मुनाफा कमाने यानी 'पंप एंड डंप' गतिविधियों के लिए करते हैं। इससे छोटे और खुदरा निवेशकों को भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है। इसलिए ऐसी कंपनियों को बाजार से हटाना जरूरी है।

सेबी चेयरमैन ने कहा, कृत्रिम तेजी लाने में उपयोग किया जा रहा

कुछ कंपनियां अब भी चिंता का विषय

लघु एवं मझोला उद्यम (एसएमई) कंपनियों की सूचीबद्धता व्यवस्था पर पांडेय ने कहा कि नियामक ने इस ढांचे को अधिक प्रभावी बनाने के लिए परामर्श पत्र के माध्यम से कई बदलाव प्रस्तावित किए हैं। हालांकि, उन्होंने स्वीकार किया कि पुरानी सूचीबद्ध कंपनियों में से कुछ अब भी चिंता का विषय बनी हुई हैं।

निवेश निर्णयों को प्रभावित करते हैं

कंपनियों की कमाई की संभावनाएं, नए क्षेत्रों का विकास, मुद्रा विनिमय दरों में बदलाव, अमेरिकी फेडरल रिजर्व की ब्याज दरें और वैश्विक बॉण्ड प्रतिफल भी उनके निवेश निर्णयों को प्रभावित करते हैं।
पांडेय के अनुसार, सेबी का प्रयास भारतीय बाजार में विदेशी निवेशकों के लिए पंजीकरण से लेकर निवेश जारी रखने तक की पूरी प्रक्रिया को अधिक सरल और सुगम बनाना है।



जोखिम की सीमा तय करने पर होगा विचार

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) के संदर्भ में पांडेय ने कहा कि नियामक आने वाले कुछ सप्ताह में एक और परामर्श पत्र जारी कर सकता है। इसमें खासतौर पर खुलासा संबंधी नियम और एक ही जगह निवेश या जोखिम की सीमा संबंधी प्रस्ताव को शामिल किया जाएगा। उन्होंने कहा कि विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक दुनिया के विभिन्न बाजारों में निवेश करते हैं।

निवेशकों को फंसाए जाने का जोखिम

सोशल मीडिया और विभिन्न ऑनलाइन समूहों के माध्यम से निवेशकों को ऐसे शेयरों में फंसाए जाने का जोखिम बना रहता है। इससे निपटने के लिए सेबी कृत्रिम मेधा (एआई) तकनीक का इस्तेमाल कर संदिग्ध खातों और गतिविधियों की निगरानी कर रहा है। निवेशकों को धोखाधड़ी से बचाने के लिए कई अन्य कदम भी उठाए जा रहे हैं।

अब तक की सर्वाधिक मासिक बिक्री दर्ज

मारुति की बिक्री में आया 25 प्रतिशत का उछाल

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

देश की सबसे बड़ी यात्री वाहन विनिर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया ने अक्टूबर में अब तक की सर्वाधिक मासिक बिक्री दर्ज की है। बीते माह कंपनी की कुल बिक्री सालाना आधार पर 25 प्रतिशत बढ़कर 2.76 लाख इकाई रही। पिछले साल की समान अवधि का आधार प्रभाव ऊंचा होने के बावजूद कंपनी ने यह वृद्धि दर्ज की। अक्टूबर में वाहनों की बिक्री 20 प्रतिशत से अधिक बढ़कर 2.12 लाख इकाई रही। सुपर कैरी और अन्य मूल उपकरण विनिर्माताओं को की गई बिक्री समेत कुल घरेलू बिक्री करीब 19 प्रतिशत बढ़कर 2.26 लाख इकाई रही। पिछले साल की समान अवधि में ऊंचे आधार प्रभाव के बावजूद बिक्री में यह मजबूत वृद्धि त्योहारी सीजन के दौरान बाजार में मजबूत मांग को दर्शाती है। मारुति सुजुकी ने कहा था कि उसके पास डीलर के यहां करीब 15-16 दिन का ही भंडार है, जबकि करीब दो लाख वाहन की बुकिंग लंबित है। ऑल्टो, बलेनो, सेलेरियो, डिजायर, इग्निस, एस-प्रेसो, स्विफ्ट और वैगनआर जैसी यात्री कारों की बिक्री सालाना आधार पर 18.4 प्रतिशत बढ़कर करीब एक लाख इकाई रही।



अक्टूबर में देश की बिजली खपत 21.88 प्रतिशत बढ़ी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

देश में बिजली की खपत अक्टूबर में सालाना आधार पर 21.88 प्रतिशत बढ़कर 159.76 अरब यूनिट (बीयू) हो गई। इसकी प्रमुख वजह त्योहारी सीजन के दौरान वाणिज्यिक और औद्योगिक मांग में वृद्धि के साथ देश के कई हिस्सों में ठंडक देने वाले उपकरणों का लगातार इस्तेमाल होना है। देश की कुल बिजली खपत अक्टूबर 2025 में 131.07 अरब यूनिट रही थी। त्योहारी सीजन के दौरान वाणिज्यिक और औद्योगिक क्षेत्रों में बिजली की मांग बढ़ने के साथ देश के कई हिस्सों में ठंडक देने वाले उपकरणों का लगातार इस्तेमाल होने से अक्टूबर में बिजली की खपत बढ़ी। पिछले महीने बिजली की अधिकतम मांग भी बढ़कर 260.73 गीगावाट हो गई, जो अक्टूबर 2025 में 210.82 गीगावाट थी। देश में बिजली की अधिकतम मांग मई 2026 में 270.82 गीगावाट के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई थी।

बिजली खपत बढ़कर 159.76 अरब यूनिट रही



बिजली की मांग स्थिर रहने का अनुमान

विशेषज्ञों ने अक्टूबर में बिजली की मांग स्थिर रहने का अनुमान जताया था। हालांकि, त्योहारी सीजन से पहले औद्योगिक और वाणिज्यिक क्षेत्रों की जरूरत बढ़ने की संभावना थी। उनका मानना है कि त्योहारों और देश के ज्यादातर हिस्सों में सामान्य से अधिक तापमान के कारण नवंबर में भी बिजली की मांग और खपत स्थिर बनी रहेगी।

अधिकांश हिस्सों में तापमान सामान्य रहने का संभावना

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, नवंबर में हिमालय की तलहटी के कुछ क्षेत्रों को छोड़कर देश के ज्यादातर हिस्सों में अधिकतम तापमान सामान्य से अधिक रहने की संभावना है। हिमालय की तलहटी के कुछ क्षेत्रों में अधिकतम तापमान सामान्य से कम या सामान्य रहने का अनुमान है।

पिछले वित्त वर्ष के समान अवधि के मुकाबले 63.3 फीसदी अधिक

तीन सार्वजनिक पेट्रोलियम कंपनियों को दूसरी तिमाही में 30,106 करोड़ रुपए का मुनाफा

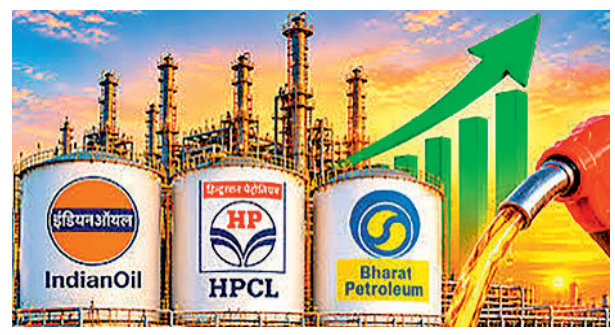
एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

देश की तीन सरकारी पेट्रोलियम विपणन कंपनियों इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन, भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) ने चालू वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर तिमाही में कुल 30,106 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया है। यह पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि के मुकाबले 68.3 प्रतिशत अधिक है।

कंपनियों के बेहतर प्रदर्शन में मजबूत रिफाइनिंग मार्जिन और कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट से भंडारण लाभ की अहम भूमिका रही। हालांकि, पेट्रोल-डीजल की बिक्री पर हो रहे नुकसान और एलपीजी सब्सिडी की बढ़ती बकाया राशि ने कंपनियों की चिंता बढ़ा रखी है। तीनों कंपनियों का सितंबर तिमाही का संयुक्त मुनाफा पिछले साल की समान अवधि के मुकाबले काफी अधिक रहा। वहीं, चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में कंपनियों को संयुक्त रूप से लगभग 18,150 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था। इस तरह दूसरी तिमाही में कंपनियों ने जोरदार वापसी की है। खास बात यह है कि सितंबर तिमाही का मुनाफा वित्त वर्ष 2025-26 में तीनों कंपनियों के कुल 77,281 करोड़ रुपये के लाभ का करीब 39 प्रतिशत है।

तीनों कंपनियों के प्रदर्शन में इंडियन ऑयल सबसे आगे रही। कंपनी ने सितंबर तिमाही में 21,630 करोड़ रुपये का अबतक का सर्वाधिक एकल शुद्ध लाभ दर्ज किया, जो पिछले साल की समान अवधि के 7,610 करोड़ रुपये का करीब तीन गुना है। यह कंपनी के पूरे वित्त वर्ष 2025-26 के 36,802 करोड़ रुपये के मुनाफे का लगभग 59 प्रतिशत है।

चालू वित्त वर्ष जुलाई-सितंबर तिमाही में शुद्ध मुनाफा कमाया



रिफाइनिंग मार्जिन में सुधार से मुनाफा बढ़ा

दूसरी ओर, बीपीसीएल का एकल शुद्ध लाभ 22.5 प्रतिशत घटकर 4,993 करोड़ रुपये और एचपीसीएल का मुनाफा नौ प्रतिशत कम होकर 3,483 करोड़ रुपये रह गया। एक साल पहले की समान तिमाही में इन दोनों कंपनियों का मुनाफा काफी ऊंचा रहा था। कंपनियों के मुनाफे में बढ़ोतरी का प्रमुख कारण रिफाइनिंग मार्जिन में सुधार रहा।

सिलेंडर पर नुकसान 370 रुपए पहुंचने का अनुमान

आईओसी के निदेशक (वित्त) अनुज जैन ने निवेशकों के साथ बातचीत में कहा कि एलपीजी पर प्रति सिलेंडर नुकसान सितंबर में 184 रुपये था, जो अक्टूबर में बढ़कर 229 रुपये हो गया। नवंबर में इसके 309 रुपये और दिसंबर में 370 रुपये प्रति सिलेंडर तक पहुंचने का अनुमान है। पेट्रोल और डीजल की कीमतें बाजार के अनुरूप तय करने की व्यवस्था है, इसलिए इनकी बिक्री पर होने वाला नुकसान कंपनियों को खुद उठाना पड़ता है।

कीमतों में गिरावट से 7000 करोड़ रुपए का भंडारण लाभ

इसके अलावा, जून के मध्य से अगस्त के मध्य के बीच कच्चे तेल की कीमतों में अस्थायी गिरावट से कंपनी को करीब 7,000 करोड़ रुपये का भंडारण लाभ हुआ। हालांकि, कंपनियों की वित्तीय स्थिति का दूसरा पहलू भी है। पेट्रोल और डीजल की कीमतें मई से स्थिर बनी हुई हैं, जबकि घरेलू रसोई गैस सिलेंडर के दाम मार्च से नहीं बढ़ले हैं।

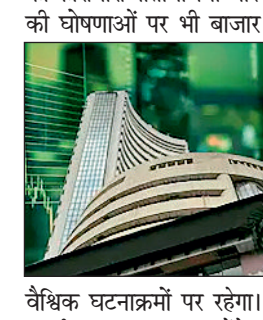
कीमतों में बदलाव नहीं होने से उठाना पड़ रहा नुकसान

अंतरराष्ट्रीय बाजार में पेट्रोलियम उत्पादों और कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव के बावजूद खुदरा कीमतों में बदलाव नहीं होने से कंपनियों को बिक्री पर नुकसान उठाना पड़ रहा है। उद्योग सूत्रों के मुताबिक, पिछले महीने तक कंपनियों को पेट्रोल की बिक्री पर चार से पांच रुपये और डीजल पर 18 से 20 रुपये प्रति लीटर का नुकसान हो रहा था। एलपीजी के मोर्चे पर भी कंपनियों का घाटा लगातार बढ़ रहा है।

अमेरिकी मध्यावधि चुनाव पर निवेशकों की रहेगी नजर

कंपनियों के तिमाही नतीजों से तय होगी शेयर बाजार की दिशा

नई दिल्ली। अमेरिका और ईरान के बीच फिर से संघर्ष की आशंका बढ़ने सहित भू-राजनीतिक घटनाक्रम, कच्चे तेल की कीमतें और कंपनियों के तिमाही नतीजे इस सप्ताह शेयर बाजारों की दिशा तय करने वाले प्रमुख कारक होंगे। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। इसके अलावा, अमेरिकी मध्यावधि चुनाव, विदेशी निवेशकों की कारोबारी गतिविधियों और व्यापक आर्थिक आंकड़ों की घोषणाओं पर भी बाजार के निवेशकों की नजर रहेगी। रेलिगेयर ब्रोकिंग के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (शोध) अजित मिश्रा ने कहा, इस सप्ताह बाजार का ध्यान सितंबर तिमाही के नतीजों, प्रमुख आर्थिक आंकड़ों और वैश्विक घटनाक्रमों पर रहेगा। निवेशक कंपनियों के प्रदर्शन का आकलन करेंगे और यह देखेंगे कि क्या उनकी आय में लगातार वृद्धि, लाभ मार्जिन में मजबूती और मांग में सुधार के संकेत मिल रहे हैं। उन्होंने कहा कि बैंकों के नतीजों से ऋण वृद्धि, जमा जुटाने और परिसंपत्तियों की गुणवत्ता का पता चलेगा, जबकि वाहन, उपभोक्ता और औद्योगिक क्षेत्र की कंपनियों के नतीजे घरेलू मांग की स्थिति का व्यापक आकलन करने में मदद करेंगे।



रिलायंस को बढ़े हुए मार्जिन का फायदा मिला

कंपनी के तेल से रसायन कारोबार को वैश्विक स्तर पर ईंधन के बढ़े हुए मार्जिन का फायदा मिला, जबकि दूरसंचार कारोबार की वृद्धि ने खुदरा कारोबार के अपेक्षाकृत कमजोर प्रदर्शन की भरपाई की। जियो प्लेटफॉर्म्स ने शुक्रवार को बताया कि सितंबर, 2026 तिमाही में उसका एकीकृत शुद्ध लाभ 13.7 प्रतिशत बढ़कर 8,389 करोड़ रुपये रहा।

लक्जरी गाड़ियों के लिए परिपक्व बाजार बना भारत : जेएलआर

नई दिल्ली। जगुआर लैंड रोवर (जेएलआर) इंडिया के प्रबंध निदेशक राजन अंबा ने कहा कि भारत अब विशेष रूप से तैयार की गई लक्जरी गाड़ियों के लिए एक परिपक्व बाजार बन चुका है और ग्राहक तेजी से विशिष्ट एवं अपनी पसंद के अनुरूप तैयार किए गए वाहनों को पसंद कर रहे हैं। अंबा ने कहा, ''मुझे लगता है कि इस लिहाज से भारत ने वास्तव में अपनी जगह बना ली है। पिछले तीन वर्षों में हमें अच्छी सफलता मिली है।'' रेंज रोवर ने शनिवार को विशेष 'रेंज रोवर एसवी सवाई कलेक्शन' पेश किया। दुनिया भर में इसकी केवल 18 गाड़ियां उपलब्ध होंगी। इस संग्रह में सवाई जयपुर एडिशन, सवाई जोधपुर एडिशन और सवाई जैसलमेर एडिशन शामिल हैं।



कोल इंडिया का कोयला उत्पादन अक्टूबर में 19.3 प्रतिशत बढ़ा

एजेंसी ▶▶| कोलकाता

कोल इंडिया लिमिटेड का अक्टूबर में कोयला उत्पादन सालाना आधार पर 19.3 प्रतिशत बढ़कर 6.72 करोड़ टन हो गया। पिछले साल इसी महीने में कंपनी ने 5.64 करोड़ टन कोयले का उत्पादन किया था।
सार्वजनिक क्षेत्र की इस खनन कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि अस्थायी आंकड़ों के अनुसार, अक्टूबर में उसका उठाव 18.7 प्रतिशत बढ़कर 7.03 करोड़ टन हो गया, जो एक साल पहले 5.92 करोड़ टन था। वित्त वर्ष 2026-27 की अप्रैल-अक्टूबर अवधि में सीआईएल का उत्पादन सालाना आधार पर 38.55 करोड़ टन से 0.7 प्रतिशत बढ़कर 38.82 करोड़ टन हो गया। इन सात महीनों के दौरान उठाव 9.2 प्रतिशत बढ़कर 45.46 करोड़ टन हो गया। सीआईएल की अनुषंगी कंपनियों में महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड ने अक्टूबर में 2.08 करोड़ टन के साथ सबसे अधिक उत्पादन दर्ज किया। जो सालाना आधार पर 25.3 प्रतिशत अधिक है। साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) ने 1.43 करोड़ टन का उत्पादन किया, जो 17.4 प्रतिशत की वृद्धि है।



अक्टूबर में पिछले चार वर्षों की सबसे तेज वृद्धि दर्ज

अक्टूबर में हुआ दूसरा सबसे बड़ा जीएसटी संग्रह

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

देश का जीएसटी संग्रह अक्टूबर में सालाना आधार पर 22.9 फीसदी बढ़कर 2.31 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया। यह अक्टूबर में पिछले चार वर्षों की सबसे तेज वृद्धि है। इसी के साथ यह अब तक का दूसरा सबसे बड़ा जीएससी संग्रह है। इससे पहले इसी साल अप्रैल में रिकॉर्ड करीब 2.43 लाख करोड़ रुपये का संग्रह हुआ था। रविवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, आयात से मिलने वाले जीएसटी में तेज बढ़ोतरी ने कुल संग्रह को मजबूत किया। अक्टूबर में आयात से मिलने वाला कर 42.2 फीसदी बढ़कर 72,246 करोड़ रुपये रहा, जबकि घरेलू जीएसटी संग्रह 15.8 फीसदी बढ़कर 1.59 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया। खास बात ये है कि चालू वित्त वर्ष में यह चौथा महीना है, जब सरकार को दो लाख करोड़ रुपये से ज्यादा का जीएसटी मिला है।

जुलाई में संग्रह 2.11 लाख करोड़ और सितंबर में 2.04 लाख करोड़ रुपये रहा था। अक्टूबर के कुल जीएसटी संग्रह में केंद्रीय जीएसटी (सीजीएसटी) का योगदान 42,935 करोड़ रुपये, राज्य जीएसटी (एसजीएसटी) का 51,340 करोड़ रुपये और एकीकृत जीएसटी (आईजीएसटी) का योगदान 1.37 लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा। विशेषज्ञों का कहना है कि आगे त्योहारी सीजन के कारण मांग मजबूत बने रहने की उम्मीद है और अगले महीने भी जीएसटी संग्रह अच्छा रह सकता है।

अप्रैल-अक्टूबर में 14.78 लाख करोड़ संग्रह

चालू वित्त वर्ष में अप्रैल से अक्टूबर के दौरान सकल जीएसटी संग्रह 13.2 फीसदी बढ़कर 14.78 लाख करोड़ रुपए रहा, जबकि पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में यह 13.05 लाख करोड़ रुपये था। इस दौरान शुद्ध संग्रह 12.6 फीसदी बढ़कर 12.69 लाख करोड़ रुपये रहा। सात महीने की अवधि में घरेलू सकल जीएसटी राजस्व 7.4 फीसदी बढ़कर 10.33 लाख करोड़ रुपये रहा। वहीं, आयात से मिलने वाला राजस्व 29.3 फीसदी बढ़कर 4.44 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया।



अर्थव्यवस्था में मजबूती के संकेत

ग्रांट थॉर्नटन भारत के भागीदार एवं कर विवाद प्रबंधन प्रमुख मनोज मिश्रा ने कहा कि अक्टूबर के जीएसटी आंकड़े त्योहारी सीजन में मांग में आई तेजी को दर्शाते हैं। इस दौरान आमतौर पर उपभोक्ताओं का खर्च, खुदरा गतिविधियां और विभिन्न क्षेत्रों में वस्तुओं की आवाजाही बढ़ती है। वहीम, ईवाई इंडिया के कर भागीदार सौरभ अग्रवाल ने कहा कि अक्टूबर, 2026 का जीएसटी संग्रह वैश्विक चुनौतियों के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूती को दर्शाता है।

किआ इंडिया की बिक्री बढ़कर 33,462 इकाई

नई दिल्ली। वाहन विनिर्माता कंपनी किआ इंडिया ने रविवार को कहा कि अक्टूबर, 2026 में उसकी थोक बिक्री सालाना आधार पर 13.22 प्रतिशत बढ़कर अब तक के सर्वाधिक मासिक स्तर 33,462 इकाई पर पहुंच गई। कंपनी ने पिछले साल इसी महीने में 29,556 वाहन बेचे थे। कंपनी ने एक बयान में कहा कि जनवरी-अक्टूबर, 2026 के दौरान उसकी कुल थोक बिक्री 21.31 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 2,86,470 इकाई थी।

CHHATTISGARH TOURISM BOARD
UDYOG BHAWAN, 2nd FLOOR, TELIBHANDHA RAIPUR - 492 006
दूरभाष : (0771) 4024600, 4024611, 4224630 फैक्स : (0771) 4066425 ई-मेल : visitcg@gmail.com

NIT No. 1/724935/2026 **Notice Inviting Tender (NIT)** Date - 30-10-2026

Subject - Notice Inviting Request for Proposal (RFP) for Selection of Contractor for Balance work with external development for Pandrapath Resort, Dist. Jashpur, Chhattisgarhas mentioned in below table The Chhattisgarh Tourism Board (CTB) (the "Authority") has decided to Select a Contractor for Balance work with external development for Pandrapath Resort, Dist. Jashpur, Chhattisgarh. In this regard, CTB is inviting eligible bidders to submit Bid Online through Chhattisgarh e-Procurement website https://cgeproc.cgstate.gov.in/nicgep/app in Two cover Bid System, for the subject Project in compliance with the NIT. Any further changes/ alterations in the aforementioned tender document shall be communicated through the e-procurement website https://cgeproc.cgstate.gov.in/nicgep/app.

Sr. No.	Name of Project	Date of issue of tender document	Last Date for sending Pre-Bid Queries	Date of Pre-Bid Meeting	Last Date for Submission of Bid (Online)	Last Date for Submission of Bid (Offline)	Date of Bid Opening
1.	Selection of Contractor for Balance work with external development for Pandrapath Resort, Dist. Jashpur, Chhattisgarh	02.11.2026	12.11.2026 Till 12:00 PM	12.11.2026 at 12:00 PM	03.12.2026 Till 06:00 PM	03.12.2026 Till 12:00 PM	05.12.2026 At 12:00 PM

AO,
Chhattisgarh Tourism Board

प्रथम पृष्ठ का शेष

मांडविया बोले-विकसित छत्तीसगढ़ ....

करना होगा। कार्यक्रम में केंद्रीय राज्यमंत्री तोखन साहू, उप मुख्यमंत्री अरुण साव और विजय शर्मा सहित प्रदेश के मंत्री, सांसद, विधायक, निगम-मंडलों के पदाधिकारी, अधिकारी और जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। राज्योत्सव के शुभारंभ के साथ प्रदेश की विकास यात्रा, सांस्कृतिक विरासत और जनकल्याणकारी योजनाओं को आगे बढ़ाने का संकल्प दोहराया गया।

बस्तर को शांति और विकास की मुख्यधारा से जोड़ने का प्रयास

मुख्यमंत्री ने कहा, नक्सलवाद लंबे समय तक प्रदेश के विकास में बाधा बना रहा। केंद्र सरकार के सहयोग, सुरक्षा बलों के साहस और स्थानीय लोगों के समर्थन से बस्तर को शांति और विकास की मुख्यधारा से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। वहां सड़क, शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने सरकार की योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा, प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत जरूरतमंद परिवारों को पक्के मकान उपलब्ध कराए जा रहे हैं। किसानों से 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से और प्रति एकड़ 21 क्विंटल तक धान खरीदी की जा रही है। महतारी वंदन योजना के माध्यम से महिलाओं को नियमित आर्थिक सहायता दी जा रही है। -

पर्यटन और लोकसंस्कृति से बढ़ेगा रोजगार

संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा, छत्तीसगढ़ की पहचान पंडवानी, पंथी, ढंढरिया और जनजातीय परंपराओं से है। सरकार विकास के साथ प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत को भी आगे बढ़ा रही है। पंडवानी की महान परंपरा को सम्मान देने के लिए स्व. तीजन बाई के नाम पर राज्य अलंकरण शुरू किया गया है। उन्होंने चित्रकोट जलप्रपात, सिरपुर, राजिम, रामगढ़ की प्राचीन गुफाओं और मैनपाट का उल्लेख करते हुए कहा, इन पर्यटन स्थलों में देश-दुनिया के पर्यटकों को आकर्षित करने की क्षमता है। पर्यटन को स्थानीय आजीविका से जोड़कर महिलाओं, हस्तशिल्पकारों और छोटे कारोबारियों के लिए रोजगार के नए अवसर तैयार किए जा सकते हैं।

बस्तर की बदल ....

अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे हैं। औद्योगिक निवेश के लिए भी छत्तीसगढ़ महत्वपूर्ण गंतव्य बन रहा है। उन्होंने कहा कि जब देश के सभी राज्य विकसित होंगे, तभी विकसित भारत का सपना पूरा होगा।

अटल के संकल्प से ....

विश्वास जताया और 1 नवंबर 2000 को छत्तीसगढ़ अलग राज्य के रूप में अस्तित्व में आया। उन्होंने राज्य निर्माण में वाजपेयी के योगदान को याद करते हुए नमन किया। मुख्यमंत्री ने कहा, राज्य गठन के समय प्रदेश में बुनियादी सुविधाओं की कमी थी। पिछले वर्षों में सड़क, बिजली, पानी, शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में विस्तार हुआ है। प्रदेश की प्राकृतिक संपदा, वन क्षेत्र, उपजाऊ भूमि और मेहनतकश जनता विकास की सबसे बड़ी पूंजी है। सरकार इन संसाधनों का उपयोग जनकल्याण और रोजगार के अवसर बढ़ाने के लिए कर रही है।

छग की 36 श्रेणियों में ....

कि राज्य अलंकरण सम्मान छत्तीसगढ़ की प्रतिभाओं, उनकी विशिष्ट उपलब्धियों तथा समाज और राज्य के विकास में उनके अतुलनीय योगदान के प्रति सम्मान एवं कृतज्ञता व्यक्त करने का महत्वपूर्ण अवसर है।

पत्रकार वार्ता के अवसर पर संस्कृति विभाग के सचिव डॉ. एस. भारतीदासन, संचालक संस्कृति विभाग डॉ. संजय कन्नौजे सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

लोककलाओं को समर्पित प्रतिभाओं का होगा सम्मान

साहित्य एवं कला के क्षेत्र में हबीब तनवीर सम्मान रायपुर के डॉ. पुरुषोत्तम चन्द्राकर, पंडित सुन्दरलाल शर्मा सम्मान रायगढ़ के डॉ. बिहारीलाल साहू, चक्रधर सम्मान डॉ. एम. श्रीराम मूर्ति और दाऊ मंदराजी सम्मान रेखा जलक्षत्री को मिलेगा। लक्ष्मण मस्तुरिया सम्मान दुर्ग की साधना यादव, देवदास बंजारे स्मृति पंथी नृत्य पुरस्कार रायपुर के सी.एल. रात्रे, खुमान साव सम्मान चंद्रभूषण वर्मा, लाला जगदलपुरी साहित्य पुरस्कार दुर्ग के दुर्गा प्रसाद पारकर तथा संत रविदास सम्मान बालोद के जगदीश प्रसाद देशमुख को दिया जाएगा।

संस्कृत भाषा, आदिवासी ....

पुलिस अधीक्षक सुरेश कुमार ध्रुव को सम्मानित किया जाएगा। छत्तीसगढ़ अप्रवासी भारतीय सम्मान दंतेवाड़ा की दीपाली सरावगी, किशोर साहू सम्मान सैयद ताहिर अली (करन खान), किशोर साहू राष्ट्रीय अलंकरण मोहन सुंदरानी और पंडवानी के लिए डॉ. तीजन बाई सम्मान दुर्ग के चेतन लाल देवांगन को प्रदान किया जाएगा।

महादेव सट्टा एप ....

कारोबार, बैंक खातों और देश-विदेश में फैले सहयोगियों की भूमिका की पड़ताल कर रही हैं। **सीबीआई की जांच में 100 से अधिक आरोपी**- छत्तीसगढ़ सरकार की ओर से महादेव ऐप से संबंधित 13 एफआईआर सीबीआई को सौंपे जाने के बाद केंद्रीय एजेंसी ने जांच का दायरा बढ़ाया। जुलाई 2026 में सीबीआई ने छह अन्य आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की थी। इसके अतिरिक्त एजेंसी ने सौरभ चंद्राकर, रवि उप्पल और अन्य प्रमुख आरोपियों के खिलाफ पहले दाखिल आरोपपत्रों में अतिरिक्त साक्ष्य भी प्रस्तुत किए थे। सीबीआई के अनुसार, महादेव ऐप से संबंधित अलग-अलग मामलों में पांच आरोपपत्रों के जरिए 66 आरोपियों को नामजद किया गया था। बाद में सितंबर 2026 तक एजेंसी की ओर से आठ आरोपपत्रों में कुल 100 आरोपियों का उल्लेख सामने आया। इनमें कथित पैनल संचालक, हवाला कारोबारी, बैंक खातों के माध्यम से रकम स्थानांतरित करने वाले लोग और कुछ सरकारी कर्मचारी भी शामिल हैं। **राजनीतिक और प्रशासनिक कनेक्शन की भी जांच**- महादेव ऐप प्रकरण छत्तीसगढ़ की राजनीति में भी बड़ा विवाद बना था। ईडी ने अपनी जांच में तत्कालीन मुख्यमंत्री भूपेश बघेल सहित कई राजनीतिक और प्रशासनिक लोगों के नाम का उल्लेख किया था। एजेंसी ने आरोप लगाया था कि सट्टेबाजी नेटवर्क को संरक्षण देने के बदले कुछ लोगों तक कथित रूप से बड़ी रकम पहुंचाई गई। ईडी ने पहले एक आरोपपत्र में भूपेश बघेल से जुड़े कथित 508 करोड़ रुपये के भुगतान का आरोप लगाया था। हालांकि बघेल ने इन आरोपों को खारिज करते हुए इसे राजनीतिक साजिश बताया था। इन आरोपों को अदालत में सिद्ध तथ्य नहीं माना जा सकता। संबंधित व्यक्तियों की भूमिका जांच और न्यायिक प्रक्रिया के अधीन है। **डेढ़ माह पूर्व रेड कार्नर नोटिस** - ईडी के वकील डॉ. सौरभ पाण्डेय के अनुसार सौरभ चंद्राकर को गिरफ्तार करने ईडी ने कोर्ट में आवेदन पेश कर रेड कार्नर नोटिस जारी कराया था। इसके बाद सीबीआई कोर्ट ने उसके खिलाफ रेड कार्नर नोटिस जारी किया था। बताया जा रहा है, दुबई में गिरफ्तारी की आशंका से सौरभ डर गया था इसीलिए वह चोरी छिपे ओमान पहुंच गया। इस बात की जानकारी भारत की जांच एजेंसियों को मिल गई। इसके बाद इंटरपोल की नोडल एजेंसी सीबीआई ने ओमन सरकार से सौरभ चंद्राकर की जानकारी देकर वहां उसकी गिरफ्तारी करवाई। **कार्रवाई पूरी तरह से गोपनीय रखी गई**- महादेव सट्टा एप के प्रमोटर को दोपहर दो बजे सीबीआई की टीम अपने कब्जे में लेकर ओमन से मुंबई लाने फ्लाइट से उड़ान भरी। शाम पांच बजे के करीब सीबीआई की टीम उसे मुंबई लेकर पहुंची। उसे आज मुंबई कोर्ट में पेश करने के बाद सीबीआई उसे रायपुर लाएगी। सीबीआई की पूछताछ के बाद ईडी कोर्ट में उसे रिमांड पर लेने आवेदन पेश करेगी।

दुबई में 200 करोड़ ....

खर्च किए गए थे। जांच एजेंसी ने आरोप लगाया था कि यह रकम अवैध सट्टेबाजी से अर्जित अपराध की कमाई का हिस्सा थी। इस आयोजन के बाद महादेव ऐप के वित्तीय नेटवर्क और विदेशों में मौजूद संपत्तियों को लेकर जांच तेज हुई थी।

2018 में खड़ा किया था ...

खेलों पर भी अवैध सट्टा लगाया जाता था। इस नेटवर्क में कथित तौर पर हजारों सट्टेबाजी पैनल काम कर रहे थे। प्रत्येक पैनल के जरिए ग्राहकों को ऑनलाइन खाते उपलब्ध कराए जाते थे। एजेंटों और स्थानीय संचालकों की मदद से सट्टा लगाने वाले लोगों को जोड़ा जाता था। इसके बाद रकम का लेनदेन विभिन्न बैंक खातों, म्यूल अकाउंट और हवाला नेटवर्क के माध्यम से किए जाने का आरोप है। सीबीआई ने अपनी जांच में इसे देश के बड़े अवैध ऑनलाइन सट्टेबाजी सिंडिकेट में से एक बताया है। एजेंसी का आरोप है कि इस नेटवर्क का संचालन भारत से बाहर बैठकर किया जा रहा था और सोशल मीडिया के माध्यम से भी लाखों उपयोगकर्ताओं तक इसकी पहुंच बनाई गई थी।

ओमान में गिरफ्तारी के ....

की प्रक्रिया शुरू की गई। इसके लिए सीबीआई और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने आवश्यक दस्तावेज और न्यायिक रिकॉर्ड तैयार किए थे। प्रत्यर्पण की औपचारिक प्रक्रिया में विदेश मंत्रालय और संबंधित केंद्रीय एजेंसियों ने भी समन्वय किया। जुलाई में उसकी गिरफ्तारी की खबर सामने आने के बाद यह आशंका जताई गई थी कि ओमान में कथित फर्जी इंडोनेशियाई पासपोर्ट के इस्तेमाल से संबंधित अलग मामला प्रत्यर्पण की प्रक्रिया में देरी कर सकता है। अब भारतीय एजेंसियों ने उसे सफलतापूर्वक भारत लाने में कामयाबी हासिल की है।

6000 करोड़ के कथित ....

हवाला कारोबारियों के माध्यम से इधर-उधर किया गया। विदेशों में संपत्तियां खरीदने और नेटवर्क के संचालकों तक रकम पहुंचाने के आरोप भी जांच के दायरे में हैं। ईडी ने मार्च 2026 में इस मामले से संबंधित करीब 1,700 करोड़ रुपये की संपत्तियां अटैच करने की कार्रवाई की थी। इनमें दुबई की संपत्तियां और भारत में स्थित कुछ अचल संपत्तियां शामिल बताई गई थीं। एजेंसी का आरोप है कि ये संपत्तियां सट्टेबाजी से अर्जित कथित अपराध की कमाई से खरीदी गई थीं।

छग में 2027 में 241 दिन होगा सरकारी...

से छुट्टी ली तो और काम से फुर्सत के कुछ और दिन बढ़ जाएंगे। राज्य सरकार के सामान्य प्रशासन विभाग ने वर्ष 2027 के लिए सरकारी कार्यालयों में सामान्य और ऐच्छिक अवकाश की सूची जारी कर दी है। सामान्य अवकाश की सूची में 25 छुट्टियां शामिल हैं। इनमें से पांच छुट्टियां शनिवार को पड़ रही हैं, जो पांच दिवसीय कार्य सप्ताह के कारण पहले से ही अवकाश के दिन हैं।

ऐच्छिक अवकाश सामान्य...

छत्तीसगढ़ में वर्ष 2027 के दौरान सरकारी कार्यालयों के लिए 241 कार्यदिवस निर्धारित होते हैं। यह गणना सामान्य अवकाशों पर आधारित है; कर्मचारियों द्वारा लिए जाने वाले ऐच्छिक अवकाश इसमें शामिल नहीं हैं।

अब व्हाट्सएप पर चेक करें...

से जुड़ी औपचारिकताएं पूरी करने में सहायता मिलेगी। इससे रोजमर्रा की सेवाएं मोबाइल फोन पर आसानी से उपलब्ध होंगी और लोगों को ईपीएफओ कार्यालयों के चक्कर लगाने की जरूरत कम पड़ेगी। मंत्री ने ईपीएफओ के 74वें स्थापना दिवस समारोह के अवसर पर निष्क्रिय ईपीएफ खातों के पात्र मामलों में स्वतः निपटान की सुविधा भी शुरू की। इसके तहत आधार से सत्यापित ऐसे निष्क्रिय ईपीएफ खातों के अंशधारकों को अलग से दावा आवेदन जमा करने की जरूरत नहीं होगी, जिनमें 1,000 रुपये तक की राशि जमा है।

इंडिया गठबंधन की महारैली में गरजे राहुल...

दावा किया कि 2024 के लोकसभा चुनाव के बाद 15 प्रतिशत मतदाताओं के नाम हटाए गए। उन्होंने कहा कि विपक्ष इस मुद्दे पर चुप नहीं बैठेगा और संविधान को कमजोर करने की किसी भी कोशिश का विरोध करेगा। उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को निशाने पर लेते हुए उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग की। राहुल ने कहा कि विपक्ष की लड़ाई किसी व्यक्ति या धर्म के खिलाफ नहीं, बल्कि हर भारतीय नागरिक के मताधिकार और लोकतांत्रिक अधिकारों के लिए है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह पर भी राजनीतिक हमला बोला।

ममता का आरोप, बंगाल एसआईआर का शिकार

तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी ने एसआईआर को लेकर पश्चिम बंगाल की स्थिति का मुद्दा उठाया। उन्होंने आरोप लगाया कि बंगाल को निशाना बनाया जा रहा है और चुनावी प्रक्रिया में लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन हुआ है। ममता ने कहा कि विपक्ष इस प्रक्रिया का विरोध जारी रखेगा और दिल्ली से लोकतंत्र की लड़ाई लड़ी जाएगी। उन्होंने सोनिया गांधी को अपना नेता और राहुल गांधी को युवा नेता बताते हुए विपक्षी एकजुटता का संदेश दिया। ममता ने न्यायपालिका और मीडिया से भी लोकतंत्र की रक्षा में सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की। **तेजस्वी बोले-रामलीला मैदान में आज महाभारत**- आरजेडी नेता तेजस्वी यादव ने अपने संबोधन में रामलीला मैदान की पारंपरिक पहचान का उल्लेख करते हुए कहा कि आम तौर पर यहां रामायण का मंचन होता है, लेकिन आज वोट चोरी करने वालों के खिलाफ महाभारत हो रहा है। उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त पर सत्ता के इशारे पर काम करने का आरोप लगाया। **फारूक और महबूबा ने भी उठाए सवाल**- नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता फारूक अब्दुल्ला ने देश में सांप्रदायिक विभाजन की राजनीति पर निशाना साधते हुए कहा कि मुसलमानों ने देश के लिए योगदान दिया है और आगे भी देते रहेंगे। पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने लोगों से लोकतंत्र के सामने मौजूद चुनौतियों के खिलाफ आवाज उठाने की अपील की।

'मॉक पार्लियामेंट' में ...

क्योंकि देश का प्रधानमंत्री बनने की उनकी बारी कभी नहीं आएगी।

शाह ने राहुल गांधी के चर्चित नारे 'मोहब्बत की दुकान' पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी की मोहब्बत की दुकान में मोहब्बत नहीं, बल्कि नफरत के अलावा कुछ नहीं मिलता। शाह ने आरोप लगाया कि कांग्रेस और उसका नेतृत्व राजनीतिक रूप से नकारात्मकता फैला रहा है। **दिल्ली चुनावों में कांग्रेस के प्रदर्शन पर तंज**- गृह मंत्री ने दिल्ली विधानसभा चुनावों में कांग्रेस के लगातार खराब प्रदर्शन को लेकर भी राहुल गांधी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पिछले तीन विधानसभा चुनावों में दिल्ली में एक भी सीट नहीं जीत पाई है। शाह ने दावा किया कि अगले तीन चुनावों में भी कांग्रेस दिल्ली में अपना खाता नहीं खोल पाएगी। उन्होंने पार्टी को फिर से विपक्ष में बैठने के लिए तैयार रहने की बात कही।

1984 के दंगों की बरसी पर रैली को लेकर सवाल

शाह ने दिल्ली के रामलीला मैदान में आयोजित इंडिया गठबंधन की रैली की तारीख पर भी कड़ी आपत्ति जताई। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने 1984 के सिख विरोधी दंगों की बरसी के दिन राजनीतिक रैली आयोजित कर पीड़ित परिवारों के जख्मों पर नमक छिड़का है। उन्होंने तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी के उस विवादित बयान का भी उल्लेख किया, जिसमें उन्होंने कहा था कि जब बड़ा पेड़ गिरता है तो धरती हिलती है। शाह ने कहा कि जिस दिन हजारों सिखों की हत्या हुई थी, उसी दिन राहुल गांधी ने दिल्ली में बड़ी राजनीतिक रैली आयोजित की। भाजपा ने पहले ही कांग्रेस से एक, दो और तीन नवंबर को रैली नहीं करने की अपील की थी, लेकिन कांग्रेस ने इसे नजरअंदाज किया। शाह ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने दिल्ली के व्यापारियों की अपील भी नहीं मानी, जिन्होंने दीपावली से पहले महत्वपूर्ण कारोबारी दिनों में रैली के कारण व्यापार प्रभावित होने की आशंका जताई थी।

जन्मदिन मना रहे ...

रहे हैं। जब उन्होंने आतिशबाजी करने व नगाड़ा बंद करने के लिए कहा, तब अभय बरूआ और उसके साथियों ने श्री सोनवानी उनकी पत्नी आकांक्षा से मारपीट की। इस दौरान साला अभिषेक भारद्वाज, सास नीरा भारद्वाज साले की पत्नी गुरप्रीत भारद्वाज बीच बचाव करने आ गए। इन सबसे भी मारपीट कर धमकी दी गई। पुलिस ने जज प्रफुल्ल सोनवानी की रिपोर्ट पर प्रॉपर्टी डीलर अभय बरूआ एवं उसके अन्य साथियों के खिलाफ बीएनएस की धारा 115, 2, 296, 3, 5, 351, 3 के तहत जुर्म दर्ज कर लिया है।

न्यायाधीश दंपती के ...

के परिजन एकत्रित होकर केक काटकर जन्मदिन मना रहे थे। कुछ लोग घर के सामने आतिशबाजी कर रहे थे। उसी समय बाहर से हल्ला सुनाई देने पर विनय वैद्य बाहर निकला तो एक महिला जिसका नाम आकांक्षा सोनवानी है व प्रफुल्ल सोनवानी मारपीट करने लगे, प्रफुल्ल सोनवानी ने अपने साले अभिषेक भारद्वाज को बुला लिया। अभिषेक भारद्वाज कार लेकर पहुंचा तो जान से मारने की धमकी देते हुए मारपीट की। पुलिस ने विनय की रिपोर्ट पर आकांक्षा सोनवानी, प्रफुल्ल सोनवानी, अभिषेक भारद्वाज के खिलाफ अपराध क्रमांक 1596/ 26 धारा 296, 115, 2, 351, 3, 3, 5 के तहत जुर्म दर्ज कर लिया है।

कबरा दंतैल ने दो ...

सूचना मिलने के बाद वन विभाग की टीम मौके पर पहुंच गई है और शव बरामद करने का प्रयास किया जा रहा है। वहीं हाथी घटना के बाद राजपुर क्षेत्र की ओर निकल गया है। बताया जा रहा है कि 45 वर्ष वर्षीय विश्वनाथ आ. राजनाथ कोरवा अपने भतीजे बलदेव के साथ बाइक से अपनी बहन के घर अखोरा आया हुआ था। रविवार शाम करीब छह बजे दोनों बाइक से अपने गृह ग्राम खालबेहरा, जिला बलरामपुर लौट रहे थे। इस दौरान देर शाम 6.30 बजे कल्याणपुर-अखोराकला में जंगल से निकलकर सड़क पार कर रहा हाथी उनके सामने आ गया। दंतैल ने बाइक को धकेल दिया। इस दौरान भतीजे ने किसी तरह भागकर ट्रक के नीचे छिप गया और अपनी जान बचाई जबकि विश्वनाथ को हाथी ने अपनी जद में ले लिया। हाथी ने ग्रामीण को कुचल दिया जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। इधर दंतैल के एक हमले से अधिकारी और ग्रामीण संभल भी नहीं पाए थे कि उसने एक अन्य व्यक्ति को कुचलकर मौत के घाट उतार दिया। वन विभाग ने शव को बरामद कर लिया है लेकिन फिलहाल मृतक की पहचान नहीं हो पाई है। हालांकि मृतक वन विभाग का ही बताया जा है और अंबिकापुर निवासी है। फिलहाल अधिकारी इसकी पुष्टि नहीं कर रहे है। घटना की सूचना पर पहुंची जयनगर पुलिस और वन विभाग की टीम द्वारा शवों को बरामद कर लिया गया है दूसरे मृतक की पहचान की जा रही है। वहीं घटना के बाद हाथी राजपुर वन परिक्षेत्र के बढौली की तरफ निकल गया है। **बेहद आक्रामक हो चुका है हाथी**- बता दें कि दल से अलग होकर एक दंतैल हाथी महीनों से सूरजपुर जिले के प्रतापपुर रेंज और बलरामपुर जिले के राजपुर क्षेत्र में विचरण कर रहा है। लोनर हाथी बेहद आक्रामक है और चुपके से आकर हमला करने के लिए भी बदनाम है। इस हाथी के हमले में अब तक दस लोगो की मौत दोनों जिलों में हो चुकी है। हाथी कभी सूरजपुर तो कभी बलरामपुर क्षेत्र में चला जाता है। वर्तमान में कबरा लोनर 31 अक्टूबर को सूरजपुर के कल्याणपुर क्षेत्र में पहुंचा था। दंतैल के क्षेत्र में पहुंचते ही वन विभाग सक्रिय हो गया था और ग्रामीणों को उसके मौजूदगी की सूचना देने के साथ ही जंगल में जाने से मना किया गया था। इसके साथ ही एहतियातन हाई वोल्टेज तारों का कनेक्शन बंद करा दिया गया था ताकि हाथी करंट की चपेट में ना आए। वन विभाग हाथी पर निगरानी रख रहा था इसके बाद भी हाथी ने दो लोगों को मौत के घाट उतार दिया। इन घटनाओं के बाद इस हाथी के हमले में मरने वालों की संख्या 12 हो गई है।

विमान ईंधन के दाम बढ़े...

डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। पेट्रोलियम कंपनियों के मुताबिक, दिल्ली में एटीएफ की कीमत 137.12 रुपए प्रति लीटर से बढ़कर 138.50 रुपए प्रति लीटर हो गई है। विमान ईंधन कीमतों में लगातार चौथे महीने बढ़ोतरी की गई है। इससे पहले एक अक्टूबर को एटीएफ की कीमत में 16 रुपए प्रति लीटर की बड़ी वृद्धि की गई थी। वहीं, सितंबर में 6.28 रुपए और अगस्त में पांच रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी हुई थी। विमान ईंधन की कीमतों में लगातार हो रही वृद्धि से एयरलाइन कंपनियों की परिचालन लागत पर दबाव बढ़ेगा। एयरलाइन के कुल परिचालन खर्च में एटीएफ का हिस्सा करीब 40 प्रतिशत बैठता है। ऐसे में एटीएफ महंगा होने से एयरलाइन कंपनियों के खर्च में और इजाफा होने की आशंका है। इसी तरह, होटल और रेस्तरां में इस्तेमाल होने वाले वाणिज्यिक एलपीजी की कीमत भी 10 रुपए बढ़ाकर 2,820 रुपये कर दी गई है।

अहलूवालिया हॉस्पिटल
81031 28515, 0771-4050006
नेमीचंद गली, रामसागर पारा, स्टेशन रोड रायपुर
• कान, नाक, गला रोग • Hearing Aids • दंत रोग • मुख के कैंसर/प्लास्टिक सर्जरी • चक्कर, खर्राटे

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों एवं महिलाओं का अस्पताल
• प्रसूति • नवजात • शिशु रोग • सर्भी प्रकार के ऑपरेशन • सोनोग्राफी • आयुष्मान कार्ड • बच्चो के ऑपरेशन • अनुभवी डॉक्टर्स प्रतिदिन
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.), 9826182221 9301744425

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज – अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल | डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA | भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, फोन : 0771- 4060929, मो. 7389485756


JHAIGO Cream
चेहरे को दागों से मुक्त कर सुंदरता बढ़ाये...
तो फिर क्या.. बस इस बार झाईगो क्रीम उपयोग कर देखें।
क्या आपके... चेहरे पर झाईयां है? आंखो पर काले घेरे हैं?
चेहरे पर मुहाँसे के काले निशान हैं? या जले या चोट के निशान हैं?

वैदेही तुलसी कफ सीरप
नई एवं पुरानी खांसी, एलर्जी खांसी, श्वास, निमोनिया, कुकुरखांसी, टान्सिल, ब्रानकाटिस, सर्दी आदि में तेज असर कारक
2 वर्ष से बड़े बच्चों के लिए हानिरहित कफ सिरप
HMS देखकर खरीदें एक बार उपयोग कर देखें 94060-21769

epaper- www.haribhoomi.com
हरिभूमि Classified
Email- hbclassified375@gmail.com
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact For Advertisement Booking
Ring Road No.-2, Gourav Path, Bilaspur
Mo.- 9826782100

आवश्यकता है

आवश्यकता है- फ्लाई ऐश ब्रिक्स, कवर ब्लॉक, पेवर ब्लॉक आदि प्रोडक्ट की मार्केटिंग हेतु युवक की आवश्यकता है इच्छुक व्यक्ति सम्पर्क करें- होटल मंगलश्री, विहान मेडिकल के ऊपर, मुंगेली नाका बिलासपुर 8878601222 (42225)

आवश्यकता है- सोशल मीडिया हैंडलर्स चाहिए जो फेसबुक, इंस्टाग्राम, व्हाटसअप का अच्छा जानकार हो। वेतन 10000 से 20000 पता- होटल रॉयल रामा पुराना बस स्टैंड के पास टेलीफोन एक्सचेंज रोड बिलासपुर 9893392495 (42226)

आवश्यकता है- होटल में कार्य हेतु कम्प्यूटर ऑपरेटर लड़का चाहिए। वेतन 12000 से 25000 (समय सुबह 8बजे से शाम 8बजे) पता- होटल रॉयल रामा पुराना बस स्टैण्ड टेलीफोन एक्सचेंज रोड बिलासपुर 9893392495 (42227)

आवश्यकता है- कपड़े एवं रेडीमेड दुकान हेतु लड़के एवं लड़कियों तथा सिलाई कारीगर लेडीज व जेट्स की आवश्यकता है संपर्क करें इंडिया हाउस तेलीपारा काली मंदिर के सामने बिलासपुर मो. 9522011711 (42223)

आवश्यकता है- शादी कार्ड शोरूम में काम करने के लिए लड़के, लड़कियों की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- उपहार कार्ड कलेक्शन सीएमडी कॉलेज के पास पुरुषोत्तम भवन लिंक रोड़ बिलासपुर (42221)

आवश्यकता है- घर के लिए अनुभवी पुरुष कुक चाहिए, जिन्हें शुद्ध शाकाहारी एवं मल्टीकुज़ीन खाना बनाना आता हो। यादव एवं ब्राह्मण को प्राथमिकता। सम्पर्क करें- आरएसबी कम्पाउंड, नया सरकंडा, बिलासपुर 78798 58767, 7223890879 (42218)

आवश्यकता है- होटल के किचन में बर्तन धोने हेतु नाइट शिफ्ट में हाउस कीपिंग स्टाफ (पुरुष/ महिला) चाहिए। सम्पर्क करें- होटल विस्तारा SBI के ऊपर, काली मन्दिर के पास, तिफरा, बिलासपुर 9301577078 (42222)

आवश्यकता है- जांजगीर चांपा, मुंगेली, कोरबा, रायगढ़, पेन्ड्रा, बेमेतरा बलौदा बाजार हेतु मार्केटिंग मैनेजर 7पद फिल्ड आफिसर 20पद पर आवश्यकता है योग्यता- ग्रेजुएट, वेतन 12000 से 20000 सम्पर्क- अग्रसेन चौक बिलासपुर 7611173558 (1507)

आवश्यकता है- बर्तन दुकान में कार्य हेतु 2 लड़कों की आवश्यकता है। वेतन 4अंको में। पता- घर संसार, नरेश बाजार के सामने, बजरंग कॉम्प्लेक्स के पास, पुराना बस स्टैण्ड, तेलीपारा बिलासपुर 7999822285 (42216)

आवश्यकता है- दुकान में काम करने के लिए लड़के एवं लड़कियों की आवश्यकता है सम्पर्क करें- गोविन्द इलेक्ट्रॉनिक गेट नं.-1 बुधवारी बाजार बिलासपुर 93006 35599 (42212)

आवश्यकता है- होटल में कार्य करने हेतु रिसेप्शनिस्ट -3 पद एवं हाउस कीपिंग स्टाफ- 6 पद (डे/ नाईट) की आवश्यकता है। अनुभवी एवं फ्रेशर दोनों सम्पर्क करें- 8770752557 (42213)

Requirment- Manager Qualification Roles And Responsibilities- General Administration Statutory Compliances Legal Matters Salary Will be Commensurate With Qualification And Experience Intersted Candidate may send Resume Mo.- 8283848502 (42209)

आवश्यकता है- लेडिज रेडीमेड शोरूम में कार्य करने हेतु बिलिंग, फोल्डिंग एवं सेल्समैन के लिए लड़के/ लड़कियों की आवश्यकता है। अनुभवी को प्राथमिकता। सम्पर्क करें- सदर बाजार बिलासपुर 9993237937 (42214)

आवश्यकता है- बिलासपुर शहर में कार्य करने हेतु 15 से 20 सेल्स एग्जीक्यूटिव युवक/ युवती एवं एक एडमिन (डिजाइनर) की अतिशीघ्र आवश्यकता है योग्यता- ग्रेजुएशन, वेतन योग्यता अनुसार रिज्यूम व्हाट्सएप्प करें- 9111124555 (42210)

आवश्यकता है- रेस्टोरेंट एवं होम किचन कार्य हेतु अनुभवी महिला/ युवती कुक चाहिए। प्राथमिकता सिन्धी महिला/ युवती, अदर कॉस्ट भी सम्पर्क करें- 9685196851, 79999 70000 स्थान गांधी चौक सिटी हॉस्पिटल के पीछे बिलासपुर (42205)

आवश्यकता है- मेडिकल एजेन्सी में बिलासपुर शहर और आऊटर में अलग अलग अनुभवी सेल्समैन चाहिए। बायोडाटा, आधार कार्ड सहित सम्पर्क करें- नेशनल मेडिकोज, नागरिक सहकारी बैंक के पास, बृहस्पति बाजार बिलासपुर 9329124924 (42203)

आवश्यकता है- ज्वेलर्स शॉप में कार्य करने हेतु अनुभवी स्टाफ की। वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- सुबह 11बजे से दोपहर 2बजे तक शुभम एण्ड शुभम ज्वेलर्स सदर बाजार मारवाड़ी लाईन बिलासपुर 8982466692 (42208)

आवश्यकता है-काम करने वेटर, झाड़ू पोछा, साफ सफाई कार्य 18वर्ष से ऊपर पुरुष कर्मचारी की। वेतन 10000 महीना ग्रामीणों को निःशुल्क भोजन, आवास पता- अग्रवाल लॉज गोल बाजार बिलासपुर 9406390898, 98279 40898 (42184)

बेचना है

बेचना है- बिलासपुर सकरी मेन रोड से लगी कॉलोनी में सभी साइज, सुविधाओं सहित प्लॉट उपलब्ध रेलवे स्टेशन, कालेज, हॉस्पिटल्स, स्कूल, पेट्रोल पम्प मेन मार्केट से लगा रेट 1800/- वर्गफुट सम्पर्क- 9893958173 (42041)

बेचना/किराया- जी.एस. प्लाजा, नवभारत प्रेस के पास, जीत टॉकीज के सामने, पुराना बस स्टैण्ड बिलासपुर में 336 वर्गफुट की दुकान शोरूम, ऑफिस इत्यादि हेतु उपयुक्त किराया/ बेचना है। सम्पर्क करें- 9098878888 (42219)

बेचना है- 70 का फ्रंट 36 डिसमिल मेन रोड पर कमर्शियल प्लॉट रतनपुर से कटघोरा NH हाइवे पर प्लॉट रतनपुर में आएगा बेचना है रेट 650/- रुपए फुट सम्पर्क करें- 9827938236, 93003 28495 (42211)

बेचना है- कोरबा- उरगा मुख्य मार्ग पर हाउसिंग बोर्ड कालोनी बरबसपुर में एक LIG फ्लैट (मध्य तल) का बेचना है सम्पर्क करें- 9425283727, 9424165378 (42224)

बेचना है- 251/- मात्र सस्ते में प्लाट बेचना है वृन्दावन फार्म्स के पास सेमरताल कोनी में 15696 वर्गफिट एवं आरटीओ कार्यालय के आगे उरतूम (लगरा) में 13080 एवं 16132 वर्गफिट शानदार प्लाट। तत्काल रजिस्ट्री में खर्च फ्री। खरीदार सम्पर्क करें- 9406441535, 93008 78897 (42215)

बेचना है- भारत माला प्रोजेक्ट के पास नेशनल हाईवे 130A रोड से लगा 150 फ्रंट बाऊंड्री वाल से घिरा लिमतरा खैरा रोड पर स्थित (एक एकड़) जमीन शीघ्र बेचना सम्पर्क करें- 8349054531 (42185)

Advertisement Booking Time 10.30 AM to 5.00 PM

फायनेंस

फायनेंस- विजया फाइनेंस द्वारा सभी प्रकार लोन उपलब्ध बिजनेस, पर्सनल, कृषि महिला समूह, मकान, दुकान, लघु उद्योग, पर्सनल लोन, आधारकार्ड, पैन कार्ड प्रति उपलब्ध (2% ब्याज), (30% छूट) संपर्क:- 9438611245 (103)

छोटा विज्ञापन बड़ा ला

वियना ओपन : नंबर एक का ताज पहनने से पहले हारे ज़्वेरेव



एजेंसी ▶▶ वियना

अलेक्जेंडर ज़्वेरेव को पहली बार विश्व का नंबर एक पुरुष टेनिस खिलाड़ी का ताज पहनने से पहले हार का सामना करना पड़ा। ज़्वेरेव एर्स्टे बैंक ओपन के सेमीफाइनल में एलेक्स डी मिनौर से हारने के के कारण अपनी इस उपलब्धि को यादगार नहीं बना पाएंगे।

डी मिनौर ने निर्णायक टाईब्रेक में शुरुआती 3-0 की बढ़त बनाने के बाद 6-4, 1-6, 7-6 (4) से जीत हासिल की। इससे उनकी सत्र के आखिरी टूर्नामेंट एटीपी फाइनल के लिए क्वालीफाई करने की संभावना बढ़ गई हैं। ज़्वेरेव सोमवार को यानिक सिनर की जगह नंबर एक खिलाड़ी बन जाएंगे। यह जर्मन खिलाड़ी रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचने वाले 30वें खिलाड़ी होंगे। फाइनल में डी मिनौर का सामना कार्लोस अल्काराज से होगा। अल्काराज ने दूसरे सेमीफाइनल में दानिल मेदवेदेव को 6-4, 7-6 (2) से हराया।

स्विस इंडोर : फाइनल में वाचेरोट अब लेहेका से भिड़ंत



बासेल। वैलेंटीन वाचेरोट ने अमेरिका के छठी वरीयता प्राप्त टेलर फ्रिट्ज को 7-6 (5), 6-3 से हराकर स्विस इंडोर टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाई। मोनाको के वाचेरोट ने अपने करियर के दूसरे और 2026 में पहले फाइनल में प्रवेश किया। वह इससे पहले पिछले साल शंघाई मास्टर्स के फाइनल में पहुंचे थे, जहां उन्होंने खिताब जीता था। फाइनल में उनका मुकाबला जिरी लेहेका से होगा। चेक गणराज्य के आठवीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी लेहेका ने जर्मनी के जान लेनार्ड स्ट्रूफ को 3-6, 7-5, 6-4 से हराया। स्ट्रूफ ने इससे पहले नोवाक जोकोविच को हराकर उन्हें टूर्नामेंट से बाहर कर दिया था।

टीम इंडिया ने 3-2 से जीती सीरीज

न्यूजीलैंड ने 7 विकेट से जीता आखिरी टी20

एजेंसी ▶▶ हैमिल्टन

भारत को टिम सीफर्ट को शुरू में ही जीवनदान देना महंगा पड़ा क्योंकि इस सलामी बल्लेबाज ने इसका पूरा फायदा उठाकर 50 गेंद पर 93 रन की तूफानी पारी खेली, जिससे न्यूजीलैंड ने रविवार को खेले गए पांचवें और अंतिम टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में दो ओवर शेष रहते हुए 7 विकेट से जीत दर्ज की।

भारत पहले तीन मैच जीतकर पांच मैच की श्रृंखला में अजेय बढ़त हासिल कर चुका था। इस तरह से उसने श्रृंखला 3-2 से अपने नाम की। सीफर्ट जब 13 रन पर खेल रहे थे तब नमन धीर ने उनका आसान कैच टपका दिया। उन्होंने इसके बाद 11 चौकों और 5 छक्कों से सजी अपनी पारी से भारतीय गेंदबाजों को पस्त किया। ग्लेन फिलिप्स ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए 38 गेंद पर नाबाद 65 रन बनाए, जिससे न्यूजीलैंड ने 18 ओवर में 3 विकेट पर 195 रन बनाकर 4 नवंबर से शुरू होने वाली वनडे श्रृंखला से पहले मनोबल बढ़ाने वाली जीत दर्ज की।

फिलिप्स ने सीरीज में बनाए सर्वाधिक रन

फिलिप्स ने इस श्रृंखला में 341 रन बनाए, जो किसी द्विपक्षीय श्रृंखला में सर्वाधिक रन का नया रिकॉर्ड है। इससे पहले भारतीय पारी तीन चरणों में गुजरी। उसकी शुरुआत अच्छी नहीं रही लेकिन बीच के ओवरों में उसने तेजी से रन बनाए और डेथ ओवरों में फिर से कुछ खास नहीं कर पाए।

भारत ने न्यूजीलैंड से जीती लगातार छठी सीरीज

भारत ने हालांकि न्यूजीलैंड के सामने लगातार छठी टी20 सीरीज जीती। उसने इस टीम के सामने 2019 के बाद से इस फॉर्मेट में सीरीज नहीं गंवाई है। तब से भारत ने तीन बार घर और तीन बार बाहर कीवी टीम के सामने टी20 सीरीज जीती है। 2019 के बाद से दोनों के बीच द्विपक्षीय टी20 सीरीज में कुल 24 मैच हुए हैं। इनमें से 18 भारत ने जीते व चार गंवाए हैं। दो के नतीजे नहीं निकले।





ईशान ने तोड़ा रोहित शर्मा का रिकॉर्ड

ईशान किशन ने टी20आई में अपने 2000 रन 69 पारियों में पूरे किए और उन्होंने रोहित शर्मा को पीछे छोड़ दिया। रोहित शर्मा ने ये उपलब्धि अपने 77वें मैच में हासिल किया था। इस लिस्ट में पहले नंबर पर विराट कोहली हैं, जिन्होंने टी20आई में 2000 रन 56 पारियों में पूरे किए थे जबकि रोहित के साथ सूर्यकुमार यादव संयुक्त रूप से पहले नंबर पर हैं, जिन्होंने रन के इस आंकड़े को 56 पारियों में छू लिया था। इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर केएल राहुल हैं जिन्होंने ऐसा 64 पारियों में पूरा किया था। इस लिस्ट में अभिषेक शर्मा तीसरे जबकि इशान किशन अब चौथे तो वहीं रोहित शर्मा 5वें नंबर पर चले गए।

श्रेयस और ईशान ने लगाए अर्धशतक

भारत ने श्रृंखला में पहली बार टॉस गंवाने के बाद पहले बल्लेबाजी करते हुए कप्तान श्रेयस अय्यर (23 गेंद पर 50, 3 चौके, 4 छक्के) और ईशान किशन (32 गेंद पर 61, 5 चौके, 5 छक्के) के बीच 107 रन की साझेदारी की मदद से 8 विकेट पर 191 रन बनाए। भारत को अपेक्षाकृत कम स्कोर पर रोकने में एडम मिल्ने ने अहम भूमिका निभाई। उन्होंने 4 ओवर में 19 रन देकर 4 विकेट लिए। नाथन स्मिथ और ब्लेयर टिकनर ने दो-दो विकेट लेकर उनका अच्छा साथ दिया। अर्शदीप सिंह ने फिन एलन को जल्द ही चलता कर दिया। उन्हें अपने अगले ओवर में सीफर्ट का विकेट भी मिल जाता लेकिन नमन ने उन्हें जीवनदान दिया। उन्होंने इसका जश्न छक्का लगाकर मनाया।

न्यूजीलैंड ने पावर प्ले में बनाए 59 रन

न्यूजीलैंड ने इस तरह से पावर प्ले में विकेट पर 59 रन बनाए। श्रृंखला में अपना पहला मैच खेल रहे स्पिनर वरुण चक्रवर्ती ने मिचेल को आउट करके सीफर्ट के साथ उनकी 73 रन की साझेदारी तोड़ी। सीफर्ट ने नीतीश कुमार रेड्डी पर छक्का लगाकर 34 गेंद पर अर्धशतक पूरा किया। नीतीश ने सीफर्ट को बोल्ड करके उन्हें अपने करियर का पहला शतक नहीं बनाने दिया लेकिन तब तक वह फिलिप्स के साथ मिलकर टीम को जीत के करीब पहुंचा चुके थे। इन दोनों ने तीसरे विकेट के लिए 86 रन की साझेदारी की। फिलिप्स ने अर्शदीप पर चौका लगाकर 29 गेंद पर अपना अर्धशतक पूरा किया।



खबर संक्षेप

सेनेगल में युवा ओलंपिक खेलों का रंगारंग उद्घाटन



डकार। सेनेगल और अफ्रीकी संस्कृति से सरोबार युवा ओलंपिक खेलों का रंगारंग उद्घाटन किया गया। यह पहला अवसर है जबकि अफ्रीका महाद्वीप में किसी ओलंपिक खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। सेनेगल की राजधानी डकार के पास स्थित डायम्नियाडियो ओलंपिक स्टेडियम में आयोजित उद्घाटन समारोह में हजारों दर्शकों ने भाग लिया। सैकड़ों ढोल वादकों और नर्तकों ने खेलों के आदर्श वाक्य, 'अफ्रीका स्वागत करता है, डकार जश्न मनाता है' की तर्ज पर सेनेगल और अफ्रीकी संस्कृति की शानदार झलक पेश की। उद्घाटन समारोह में पश्चिम अफ्रीका का मौखिक कथावाचन, सेनेगल के गायकों के संगीत कार्यक्रम और खिलाड़ियों की परेड देखने को मिली।

फिट इंडिया साइकिलिंगः 500 से अधिक लोगों ने लिया हिस्सा



अहमदाबाद। राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर अहमदाबाद में आयोजित 'फिट इंडिया-संडेज ऑन साइकिल' कार्यक्रम के 97वें सत्र में राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) के कर्मियों सहित 500 से अधिक लोगों ने हिस्सा लिया। इस कार्यक्रम का आयोजन सरदार वल्लभभाई पटेल के राष्ट्रीय एकता और सामूहिक प्रयास के आदर्शों की भावना के अनुरूप किया गया। पटेल की जयंती 31 अक्टूबर को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाई जाती है। भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) के गांधीनगर क्षेत्रीय केंद्र ने फिट इंडिया मूवमेंट और माई भारत के सहयोग से वीर सावरकर खेल परिसर में इस कार्यक्रम का आयोजन किया।

■ मैथ्यू बॉयल ने ठोका नाबाद शतक, फॉक्सक्रॉफ्ट ने लगाया अर्धशतक

न्यूजीलैंड ए ने की भारत ए के खिलाफ वापसी

एजेंसी ▶▶ क्राइस्टचर्च

मैथ्यू बॉयल के नाबाद शतक और डीन फॉक्सक्रॉफ्ट के अर्धशतक की मदद से न्यूजीलैंड ए ने रविवार को भारत ए के खिलाफ दूसरे अनौपचारिक टेस्ट के दूसरे दिन खराब शुरुआत से उबरते हुए 3 विकेट पर 218 रन बनाए।

बॉयल 148 गेंदों पर 107 रन बनाकर खेल रहे हैं। उन्होंने अब तक अपनी पारी में 14 चौके और एक छक्का लगाया है। फॉक्सक्रॉफ्ट 180 गेंदों पर 80 रन बनाकर खेल रहे हैं। उनकी पारी में नौ चौके शामिल हैं। इन दोनों ने चौथे विकेट के लिए 205 रन की अटूट साझेदारी करके न्यूजीलैंड की टीम को वापसी दिलाई।

भारतीय टीम ने पहली पारी में बनाए 346 रन

इससे पहले भारतीय टीम ने कप्तान ध्रुव जुरेल (105) के शतक की मदद से अपनी पहली पारी में 346 रन बनाए। इस तरह से भारत अभी न्यूजीलैंड से 128 रन आगे है। न्यूजीलैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही। एक समय उसका स्कोर तीन विकेट पर 13 रन था। मोहम्मद सिराज और मुकेश कुमार ने उसे शुरुआती झटके दिए। सिराज ने कप्तान राइस मारियू (04) को आउट किया, जिन्हें जुरेल ने विकेट के पीछे कैच किया।



सबसे सफल गेंदबाज रहे मुकेश

भारतीय गेंदबाजों में मुकेश सबसे सफल रहे। उन्होंने अब तक 16 ओवरों में 44 रन देकर दो विकेट लिए हैं जबकि सिराज ने अपने 16 ओवरों में 49 रन देकर एक विकेट लिया है। वाशिंगटन सुंदर और आकाश दीप को कोई विकेट नहीं मिला।sइससे पहले भारत ए में सुबह अपनी पारी सात विकेट पर 291 रन से आगे बढ़ाई और इसमें 55 रन जोड़े। पहले दिन 99 रन पर खेलने वाले जुरेल ने अपना शतक पूरा किया लेकिन इसके बाद वह जल्द ही आउट हो गए। उन्होंने 171 गेंदों का सामना किया और 11 चौके और तीन छक्के लगाए। आकाश दीप ने बल्लेबाजी में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

मैनपाट टाइटंस बनी छत्तीसगढ़ हॉकी लीग की पहली चैंपियन

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

■ फाइनल में संस्कारधानी स्ट्राइकर्स को 4-2 से हराया, शाहरुख अली चुने गए प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट, आशीष तानी पूर्ति रहे शीर्ष स्कोर

छत्तीसगढ़ हॉकी लीग के पहले सीजन का खिताब मैनपाट टाइटंस ने अपने नाम कर लिया। रविवार को सरदार वल्लभभाई पटेल अंतरराष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम में खेले गए फाइनल मुकाबले में मैनपाट टाइटंस ने संस्कारधानी स्ट्राइकर्स को 4-2 से शिकस्त दी। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और केंद्रीय खेल मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया की मौजूदगी में विजेता टीम ने ट्रॉफी उठाई। मुकाबले की शुरुआत से ही मैनपाट टाइटंस ने आक्रामक खेल दिखाया और शुरुआती मिनटों में गोल करने के मौके बनाए। पहले क्वार्टर के अंतिम क्षणों में अभिषेक यादव ने रिवर्स फ्लिक से गोल कर टीम को बढ़त दिलाई। दूसरे क्वार्टर में संस्कारधानी स्ट्राइकर्स ने वापसी करते हुए प्रहलाद राजभर के गोल से स्कोर बराबर कर दिया।

विजेता मैनपाट टाइटंस को मिले 11 लाख

तीसरे क्वार्टर में मुकाबला और रोमांचक हो गया। दोनों टीमों ने गोल के लिए लगातार प्रयास किए और स्कोर 2-2 की बराबरी पर पहुंच गया। अंतिम क्वार्टर में मैनपाट टाइटंस के मोहित नायक ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दो गोल दागे। उनके इन गोलों की बदौलत टीम ने 4-2 से जीत दर्ज कर खिताब अपने नाम किया। मोहित को फाइनल में प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। टूर्नामेंट में कुल 21 लाख रुपए की पुरस्कार राशि रखी गई थी। विजेता मैनपाट टाइटंस को 11 लाख और उपविजेता संस्कारधानी स्ट्राइकर्स को 6 लाख रुपए दिए गए। शाहरुख अली को प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट चुना गया, जबकि 13 गोल करने वाले आशीष तानी पूर्ति शीर्ष स्कोरर रहे। हिमांशु को सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर, मोहित नायक को सर्वश्रेष्ठ छत्तीसगढ़ खिलाड़ी और संदीप कुमार को उभरते खिलाड़ी (अंडर-21) का पुरस्कार मिला।

12 दिन में 108 खिलाड़ियों को मिला अवसर

छत्तीसगढ़ सरकार के खेल एवं युवा कल्याण विभाग की ओर से हॉकी इंडिया की स्वीकृति से आयोजित इस लीग में छह टीमों ने हिस्सा लिया। 12 दिन तक चले टूर्नामेंट में छत्तीसगढ़ के 108 स्थानीय खिलाड़ियों को देश के अनुभवी खिलाड़ियों के साथ खेलने का अवसर मिला। मुख्यमंत्री ने दोनों टीमों के प्रदर्शन की सराहना करते हुए स्थानीय खिलाड़ियों को अनुभवी भारतीय खिलाड़ियों के साथ खेलते देखकर प्रसन्नता जताई।

हाइलो ओपन

सिंधू ने जीता खिताब, केयर्सफेल्ड को 39 मिनट में दी शिकस्त



एजेंसी ▶▶ सारब्रकेन

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू ने रविवार को डेनमार्क की विश्व रैंकिंग में 25वें स्थान पर काबिज लाइन होजमार्क केयर्सफेल्ड को सीधे गेम में हराकर हाइलो ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट का खिताब जीत लिया, जो मौजूदा सत्र का उनका दूसरा खिताब है। पूर्व विश्व चैंपियन सिंधू ने पांच लाख डॉलर इनामी राशि वाले इस टूर्नामेंट के 39 मिनट तक चले फाइनल में आठवीं वरीयता प्राप्त केयर्सफेल्ड को 21-12, 21-14 से शिकस्त दी। जुलाई में जापान ओपन में खिताब जीतने वाली और पिछले सप्ताह फ्रेंच ओपन में उपविजेता रही सिंधू ने पूरे मुकाबले में शानदार नियंत्रण और दमदार खेल का प्रदर्शन किया। विश्व रैंकिंग में आठवें स्थान पर काबिज भारतीय खिलाड़ी ने इस जीत के साथ 9,200 रैंकिंग अंक हासिल किए और सत्र के अंत में होने वाले विश्व टूर फाइनल्स में जगह बनाने की अपनी दावेदारी मजबूत की।

सिंधू ने की आत्मविश्वास के साथ शुरुआत

दूसरी वरीयता प्राप्त सिंधू का फाइनल से पहले केयर्सफेल्ड के खिलाफ जीत-हार का रिकॉर्ड 6-1 था। डेनमार्क की खिलाड़ी को उनके खिलाफ एकमात्र जीत 2025 सुदीरमन कप फाइनल्स में मिली थी। सिंधू ने आत्मविश्वास के साथ शुरुआत की लेकिन उनकी कुछ गलतियों के कारण डेनमार्क की खिलाड़ी 3-3 से बराबरी हासिल करने में सफल रही। केयर्सफेल्ड ने रैलियों को लंबा खींचने की कोशिश की लेकिन सिंधू के चतुराई भरे शॉट और नेट पर शानदार खेल ने उन्हें 8-5 की बढ़त दिला दी और भारतीय खिलाड़ी ब्रेक तक तीन अंक की बढ़त बनाने में सफल रही।भारतीय खिलाड़ी ने कोर्ट के पिछले हिस्से से सटीक पुश शॉट लगाकर 14-11 की बढ़त बनाई और फिर शानदार बैकहैंड विनर के साथ स्कोर 17-12 कर दिया।

सिंधू ने रखी अपनी मजबूत स्थिति बरकरार

केयर्सफेल्ड ने वापसी करते हुए स्कोर 6-7 किया लेकिन इसके बाद वह दो शॉट बाहर मार बैठीं। सिंधू ने एक और विनर लगाकर अपनी बढ़त को 10-6 किया। सिंधू ने अपनी मजबूत स्थिति बरकरार रखते हुए स्कोर 17-11 किया जबकि डेनमार्क की खिलाड़ी को नेट पर अपने खेल को लेकर जूझना पड़ा। सिंधू ने आक्रामक रिटर्न शॉट के साथ छह चैंपियनशिप प्वाइंट हासिल किए और फिर नेट पर केयर्सफेल्ड की गलती का फायदा उठाकर मैच और खिताब अपने नाम कर लिया।

चेन्नई ओपन में भारतीय खिलाड़ियों के पास आखिरी मौका

वैष्णवी-सहजा-माया घरेलू कोर्ट पर दिखाएंगी दम

एजेंसी ▶▶ चेन्नई

डब्ल्यूटीए के मुख्य टूर कैलेंडर से भारत की मेजबानी छिनने की आशंका के बीच सोमवार से शुरू होने वाले चेन्नई ओपन टेनिस टूर्नामेंट में वैष्णवी अडकर, सहजा यमलापल्ली और माया राजेश्वरन रेवती के पास अपने घरेलू मैदान पर छाप छोड़ने का आखिरी मौका होगा।

इन तीनों भारतीय खिलाड़ियों ने वाइल्ड कार्ड से टूर्नामेंट के एकल के मुख्य ड्रॉ में प्रवेश किया है और वह इसमें अच्छा प्रदर्शन करने के लिए प्रतिबद्ध होंगे क्योंकि उन्हें पता है कि यह टूर्नामेंट देश में डब्ल्यूटीए 250 स्तर का अंतिम टूर्नामेंट है। विश्व रैंकिंग में शीर्ष 300 से बाहर चल रही इन तीनों खिलाड़ियों के लिए डब्ल्यूटीए 250 टूर्नामेंटों में सीधे प्रवेश पाना अभी दूर की कौड़ी है। घरेलू टूर्नामेंट होने के कारण उन्हें वाइल्ड कार्ड से अपना कौशल दिखाने का मौका मिला है। उन्हें हालांकि अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों का डटकर सामना करने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा।



माया ने दिया प्रतिभा का परिचय

सत्रह वर्षीय माया विश्व रैंकिंग में शीर्ष 500 खिलाड़ियों में भी शामिल नहीं है। माया ने हाल ही में डब्ल्यू35 लागोस टूर्नामेंट में अपना पहला पेशेवर एकल खिताब जीतकर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। उन्होंने फाइनल में स्पेन की सेलिया सेर्विनो रुइज़ को 6-4, 6-2 से हराया और उन्होंने पूरे टूर्नामेंट में एक भी सेट नहीं गंवाया। उन्होंने लागोस में युगल खिताब भी जीता।चेन्नई ओपन के पिछले दो टूर्नामेंट में कोई भी भारतीय खिलाड़ी दूसरे दौर से आगे नहीं बढ़ पाया और इस बार उनका लक्ष्य इससे आगे बढ़ना होगा।

वैष्णवी का सामना बुरेज से

वैष्णवी ब्रिटेन की जोडी बुरेज (विश्व रैंकिंग 471) के खिलाफ अपना अभियान शुरू करेंगी, जबकि सहजा स्विट्जरलैंड की सिमोना वाल्टरट (128) का सामना करेंगी। माया का मुकाबला पोलैंड की आठवीं वरीयता प्राप्त और विश्व रैंकिंग में 106वें स्थान पर कातारजीना कावा से होगा। पिछले कुछ दिनों में कई खिलाड़ियों के नाम वापस लेने के बाद इस प्रतियोगिता की चमक फीकी पड़ गई है। टूर्नामेंट से हटने वालों में थाईलैंड की विश्व में 57वें नंबर की खिलाड़ी लैनलाना तारारुदी, कजाकिस्तान की विश्व में 67वें नंबर की खिलाड़ी यूलिया पुतिनत्सेवा और जर्मनी की विश्व में 70वें नंबर की खिलाड़ी तात्याना मारिया शामिल हैं।



वैज्ञानिकों ने सहारा रेगिस्तान में मंगल ग्रह से आए एक उल्कापिंड की खोज की है। इस उल्कापिंड की उम्र 4.1 अरब साल बताई जा रही है। इसे पृथ्वी पर मिले मंगल ग्रह का सबसे पुराना टुकड़ा भी माना जा रहा है।

सहारा रेगिस्तान में मिला मंगल ग्रह का 4.1 अरब साल पुराना उल्कापिंड

वॉशिंगटन। वैज्ञानिकों ने इस उल्कापिंड की जांच के बाद दावा किया है कि यह चट्टान इस बात का सबूत है कि अरबों साल पहले मंगल ग्रह की सतह के नीचे पानी मौजूद था। इससे अंदाजा लगाया जा रहा है कि मंगल ग्रह पर कभी जीवन रहा होगा। साइंस जर्नल प्रकाशित रिसर्च पेपर के अनुसार, मंगल ग्रह से आए इस उल्कापिंड का नाम तेगाजा 001 रखा गया है। इस उल्कापिंड को 2022 में माली में खोजा गया था।

वैज्ञानिकों ने खोजा पानी का सबूत

साइंस जर्नल में प्रकाशित हुई रिसर्च

पृथ्वी की सतह से टकराने के बाद यह उल्कापिंड कई टुकड़ों में टूट गया था। वैज्ञानिकों ने तेगाजा 001 उल्कापिंड के आठ टुकड़ों को खोजा है। इनमें सबसे बड़ा टुकड़ा आकार में इंसानों की मुट्ठी के बराबर का है। तेगाजा 001 का रंग गुलाबी है। हालांकि, पृथ्वी के वातावरण के संपर्क में आने से घर्षण के कारण इसके रंग में कुछ बदलाव भी हुए हैं।



मंगल की सतह पर पानी की मौजूदगी का खुलासा

वैज्ञानिकों ने अपने रिसर्च पेपर में बताया है कि यह चट्टान तब बनी थी, जब मंगल ग्रह पर पिघला हुआ लावा सतह के नीचे पानी के संपर्क में आने से ठंडा हुआ। उन्होंने यह भी बताया कि इस उल्कापिंड में मौजूद कई खनिजों में हाइड्रोजन और ऑक्सीजन अलग-अलग रूपों में मिले हैं। इससे यह पता चलता है कि 4.1 अरब साल पहले मंगल ग्रह के सतह के नीचे पानी का बहाव मौजूद था। यह पानी जब पिघले हुए चट्टानों के संपर्क में आया, तब इसका वजूद मिटना शुरू हुआ था।

मंगल ग्रह के शुरुआती वातावरण का सबूत

रायटर्स से बात करते हुए इस स्टडी को लीड करने वाले **NASA** के प्लैनेटरी साइंटिस्ट यांग लियू ने बताया कि तेगाजा 001 उल्कापिंड मंगल ग्रह के शुरुआती वातावरण को समझने में बड़ी मदद कर सकता है। यह इस बात का सबूत है कि मंगल ग्रह 4.1 अरब साल पहले गीला और गर्म था। उन्होंने यह भी बताया कि वैज्ञानिकों ने इस उल्कापिंड में मौजूद जिरकॉन क्रिस्टल की स्टडी करके इसके उम्र का पता लगाया है, जो 4.1 अरब साल पुरानी है।

रोचक खबरें

पत्थर बन चुका था बच्चा! 3 साल तक पेट में लेकर घूमती रही महिला

मोगादिशु। सोचिए एक महिला मां बनने वाली हो, लेकिन अंदरूनी दिक्कतों की वजह से गर्भ में ही बच्चे की मौत हो जाए, और शरीर उसे बाहर निकालने के बजाय उसे कैल्शियम जमा करके पत्थर जैसा बना दे। सोमालीलैंड में ऐसा ही एक अजीबोगरीब मामला सामने आया है। यहां 42 साल की एक महिला के पेट से करीब 3 साल बाद 'पत्थर का बच्चा' निकाला गया है। सोमालीलैंड की रहने वाली इस महिला को पिछले 3 साल से पेट के नीचे के हिस्से में बहुत तेज दर्द और भारीपन था। पहले उसने इसे आम दर्द समझा, लेकिन धीरे-धीरे दर्द बढ़ता गया। जब दर्द बर्दाश्त नहीं हुआ तो वह डॉक्टर के पास गई। डॉक्टरों ने अल्ट्रासाउंड और सीटी स्कैन किया तो वे भी हैरान रह गए। महिला के पेट के अंदर एक भ्रूण का कंकाल मिला, जो पूरी तरह कैल्शियम जमने से पत्थर जैसा सख्त हो चुका था। यह जानकारी लाइव साइंस ने 'इंटरनेशनल मेडिकल केस रिपोर्ट्स जर्नल' में छपी एक स्टडी के हवाले से दी है। डॉक्टरों के मुताबिक, इस दुर्लभ स्थिति को लिथोपेडियन या स्टोन बेबी कहा जाता है। यह तब होता है जब गर्भ में पल रहा बच्चा गर्भाशय के बाहर पेट में बनने लगता है और किसी वजह से उसकी मौत हो जाती है। भ्रूण का आकार बड़ा होने से शरीर उसे सोख नहीं पाता। इसलिए शरीर खुद को बचाने के लिए मृत भ्रूण के चारों ओर कैल्शियम की परत जमा करने लगता है। धीरे-धीरे वही भ्रूण पत्थर जैसा सख्त हो जाता है। पिछले 400 सालों में दुनिया भर में ऐसे सिर्फ 330 से 340 मामले ही दर्ज हुए हैं।



आंखों पर पट्टी बांधकर बनाते हैं मिट्टी के बर्तन, दूर-दूर से देखने आते लोग

बुरहानपुर। दीपावली का त्योहार नजदीक आते ही बाजारों में रौनक बढ़ने लगी है। घरों की सजावट से लेकर पूजन सामग्री की खरीदारी तक के लिए बाजारों में लोगों की भीड़ दिखाई दे रही है। इसी बीच मध्य प्रदेश के बुरहानपुर के खैराती बाजार क्षेत्र में रहने वाले सुरेश प्रजापति अपनी अनोखी कला और पारंपरिक हुनर के चलते आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। सुरेश आंखों पर पट्टी बांधकर मिट्टी के बर्तन बनाते हैं। उनकी इस कला को देखकर लोग हैरान रह जाते हैं। सुरेश प्रजापति ने एक बातचीत में कहा कि वह मिट्टी के बर्तन बनाने में माहिर हैं। उनकी खासियत यह है कि वह आंखों पर पट्टी बांधकर भी अपने हाथों से मिट्टी को आकार देते हुए बर्तन तैयार कर लेते हैं। उनके हाथों का हुनर और मिट्टी पर पकड़ इस कला को खास बनाती है। उनकी इस अनोखी प्रतिभा को देखने के लिए लोग उत्सुक रहते हैं। मिट्टी से विभिन्न आकार के बर्तन तैयार करना उनकी मेहनत, अनुभव और वर्षों के अभ्यास को दर्शाता है। सुरेश प्रजापति के परिवार में मिट्टी के बर्तन बनाने का काम लंबे समय से किया जा रहा है। खास बात यह है कि परिवार की दूसरी पीढ़ी भी इस पारंपरिक व्यवसाय को आगे बढ़ा रही है। आज के आधुनिक दौर में जहां बाजारों में कई तरह के सजावटी और कृत्रिम सामान उपलब्ध हैं, वहीं मिट्टी के बर्तनों की अपनी अलग पहचान बनी हुई है। दीपावली जैसे त्योहारों पर इनकी मांग और बढ़ जाती है। दीपावली पर पूजन में उपयोग होने वाले मिट्टी के दीये और अन्य बर्तन लोगों की जरूरत का अहम हिस्सा हैं। सुरेश प्रजापति भी त्योहार को देखते हुए विभिन्न प्रकार के मिट्टी के बर्तन तैयार कर रहे हैं।



नेचुरल जीवन

एग्रो टूरिज्म के तहत इस होटल को चलाना शुरू किया

100 बीघे में गोबर से बना देसी होटल, प्रकृति के बीच अद्भुत सुकून

सीकर। जिंदगी की भागदौड़ से थका हुआ इंसान सुकून की तलाश में प्रकृति के बीच जाता है। प्रकृति के बीच अगर कोई वैदिक कुटी बनी हो और वहां पर ठहरने का मौका मिल जाए तो शरीर में ताजगी आ जाती है। गोमाता की सेवा, चूल्हे की रोटी और देसी साग-सब्जी का स्वाद रोमांचित कर देता है। इसी सोच के साथ राजस्थान के सीकर में एक देसी होटल शुरू किया गया, जहां दुनियाभर से पर्यटक आते हैं। गोबर से बना यह होटल करीब 100 बीघा में फैला हुआ है। घुड़सवारी करते हैं, गाय के सेवा करते हैं और प्रकृति के बीच रहकर नेचुरल जीवन का आनंद उठाते हैं गोबर से 100 बीघे में बने इस होटल का नाम 'जोर की ढाणी' है। सुशील राठौर इसकी मालिक है। 2005 में उन्होंने खेतों में अपना घर बनाया। 2007 में एग्रो टूरिज्म के तहत इस होटल चलाना शुरू किया। सुशीला राठौर बताती हैं कि जमीन उनकी पुश्तैनी थी।



खूबसूरत घर

गांव से दूर जो मकान बनते हैं, उन्हें राजस्थान में ढाणी कहा जाता है। 'जोर की ढाणी' का मतलब गांव से दूर बने ऐसे घर जो बहुत ही खूबसूरत और सबसे अच्छे हैं। इस देसी होटल में करणी माता का भी एक कमरा है। इन घरों में पंखे चलाने भर से ठंड का अहसास होता है। मिट्टी के बने ये कमरे ठंड के सीजन में गर्माते हैं और गर्मियों में ठंडक देते हैं। सुशीला राठौर बताती है कि सबसे पहले गेस्ट यूएस से आए थे। 7 दिन रुके थे। अब हर साल 15-17 देशों से गेस्ट जोर की ढाणी में आते हैं।

1200 से लेकर 4000 रुपए तक रूम का रेंट

सुशीला बताती हैं कि उनके पास दिल्ली से करीब 150 परिवार हर छह माह में आते हैं। 7 दिन रुकते हैं। इस देसी होटल में रूम का किराया अलग-अलग है। 1200 से लेकर 4000 रुपए तक रूम का रेंट है। प्रतिदिन 700 रुपए खाने का चार्ज है। पूरा होटल 100 बीघे में है। 12x10 फीट का रूम रेंट 2000 रुपए प्रति रात्रि है। चार लोगों के ठहरने के लिए 28 फीट लंबा और 23 फीट चौड़ा रूम बनवाया हुआ है। इसका किराया 3200 रुपए है। इसमें डबल बेड हैं। इसमें एसी नहीं है और ना ही इसकी जरूरत है।

कमरों में जमीन पर बैठकर खाने की व्यवस्था

इतना ही नहीं, इसी होटल में एक कृत्रिम झरना भी बनाया गया है। ओखल-मूसल, हल जैसे किसानों की चीजें भी इस होटल में रखी हुई हैं। सर्दियों में योग करने के लिए मिट्टी के मंच की व्यवस्था है। सुशीला राठौर ऑर्गेनिक खेती करती हैं। उन्हें 2018 में भारत सरकार की ओर से अवॉर्ड भी मिल चुका है। सुशीला बताती हैं कि कमरों में जमीन पर बैठकर ही खाने की व्यवस्था है। इसी होटल में कई तरह के मसाले तैयार होते हैं। ऑर्गेनिक आइटम तैयार किए जाते हैं। खेतों में बने इस होटल में देश-दुनिया से लोग आते हैं। प्रकृति के बीच रहते हैं। सुकून पाते हैं।

इस देश में मिल रही रोबोट डॉग घुमाने की नौकरी, 4 से 6 घंटे की होगी ड्यूटी



वॉशिंगटन। आज के समय में टेक्नोलॉजी इतनी तेजी से बदल रही है कि कई ऐसे काम भी सामने आ रहे हैं, जिनके बारे में पहले किसी ने सोचा भी नहीं होगा। अब तक आपने लोगों को कुत्तों को टहलाने के बदले पैसे कमाते हुए देखा या सुना होगा, लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि किसी रोबोट डॉग को घुमाने के भी पैसे मिल सकते हैं? अमेरिका में एक कंपनी ने लोगों को ऐसा ही अनोखा काम करने का मौका दिया है।

अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को में एक स्टार्टअप कंपनी ने रोबोट डॉग ऑपरेटर रखने की शुरुआत की है। इस काम के लिए कंपनी लोगों को हर घंटे करीब 20 डॉलर यानी लगभग 1,700 रुपए दे रही है। इस नौकरी में लोगों को रोबोट डॉग के साथ सैन फ्रांसिस्को की सड़कों पर घूमना होगा। रिपोर्ट के अनुसार ऑपरेटर को रोजाना करीब 4 से 6 घंटे तक रोबोट के साथ समय बिताना पड़ सकता है। आमतौर पर लोग अपने पालतू कुत्तों को सुबह या शाम टहलाने के लिए बाहर ले जाते हैं। इसके बदले कई जगहों पर डॉग वॉकर को पैसे भी दिए जाते हैं। ऐसे रोबोट को चलाने और संभालने के लिए तकनीकी जानकारी के साथ सावधानी भी जरूरी होती है। सड़क पर चलते समय आसपास के लोगों, वाहनों और रास्ते में आने वाली दूसरी चीजों का ध्यान रखना पड़ता है। रोबोट के बंद हो जाने या चलते समय किसी तरह की परेशानी आने पर ऑपरेटर को स्थिति संभालनी पड़ सकती है।

ओडिशा के समंदर किनारे दुर्लभ कछुओं का प्रजनन शुरू

160 किमी में 7 महीने के लिए मछली पकड़ने पर बैन

पुरी। 'ओलिव रिडले' कछुओं के प्रजनन काल को सुरक्षित बनाने के लिए ओडिशा सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। 1 नवंबर से 31 मई तक धामरा से देवी मुहाने के बीच 160 किलोमीटर के समुद्री दायरे में मछली पकड़ने और मशीनीकृत नावों के चलने पर पूरी तरह रोक लगा दी गई है। दुनियाभर में प्रसिद्ध गहिरमथा अभयारण्य सहित तटीय इलाकों से 20 किलोमीटर अंदर तक का क्षेत्र पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। कछुओं की सुरक्षा के लिए तटों पर 14 विशेष शिविर बनाए गए हैं और सशस्त्र पुलिस बल तैनात किया गया है। हालांकि, विभाग के पास गश्ती बोट खराब होने जैसी संसाधनों की कमी एक बड़ी चुनौती है। इसके बावजूद, वन विभाग तीन नए ट्रॉलरों के जरिए गश्त मजबूत कर मेहमान कछुओं को सुरक्षित माहौल देने के लिए प्रतिबद्ध है।



कछुओं के अंडों और उनकी सुरक्षा के लिए तट पर 14 विशेष सुरक्षा कैंप बनाए जा रहे हैं। बाबूबाली और शासनपेटा जैसे संवेदनशील इलाकों में सशस्त्र पुलिस बल भी तैनात रहेगा। वन विभाग अवैध शिकार को रोकने के लिए समुद्री गश्त तेज करने का दावा कर रहा है।

क्यों जरूरी है यह पाबंदी?

गहिरमथा समुद्री अभयारण्य दुनिया में ओलिव रिडले कछुओं का सबसे बड़ा आशियाना माना जाता है। कछुओं की सुरक्षा के लिए गहिरमथा में तो सालभर पाबंदी रहती है, लेकिन अब प्रजनन काल को देखते हुए तट से 20 किलोमीटर अंदर तक के इलाके को पूरी तरह सुरक्षित घोषित कर दिया गया है। इस दौरान ट्रॉलरों और नावों का शोर या उनकी आवाजाही इन मेहमानों के जीवन को खतरे में डाल सकती है।

अवैध गतिविधियों को रोका जाएगा : हालांकि, जमीनी हकीकत थोड़ी चिंताजनक है। कछुओं की सुरक्षा में तैनात वन विभाग खुद संसाधनों की कमी से जूझ रहा है। विभाग को मिली दो मुख्य स्पीड बोट लंबे समय से खराब पड़ी हैं और फिलहाल उनके पास सिर्फ एक ट्रॉलर ही चालू हालत में है।







